सच, सिर्फ सच **

वॉयस ऑफ लखनऊ

गुरुवार, 10 सितम्बर , 2026 लखनऊ, महानगर, वर्ष 22, अंक 62, पेज 12, 3.50 रुपये www.facebook.com/volepaper voiceoflucknow@gmail.com www.voiceoflucknow.com

सेंसेक्स में 813 अंकों की गिरावट

कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंचने से मानक सूचकांक सेंसेक्स 813 अंक लुढ़का और एनएसई निफ्टी 23,450 अंक के नीचे आ गया। } 10

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर जल्द होंगे हस्ताक्षर

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौता लगभग अंतिम रूप ले चुका है। दोनों पक्ष कुछ मुद्दों पर अभी बातचीत कर रहे हैं और उचित समय पर समझौते पर हस्ताक्षर किये जायेंगे। } 12

श्रीलंका के साथ और बढ़ायेंगे सहयोग : राजनाथ

क्षेत्रीय सुरक्षा पर मिलकर करेंगे काम दोनों देशों

एजेंसी

कोलंबो। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके से मुलाकात की और दोनों देशों के बीच बहुआयामी साझेदारी से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान क्षेत्र की सुरक्षा, संरक्षा, शांति और समृद्धि सुनिश्चित करने के तरीकों पर भी विचार-विमर्श किया गया। सिंह मंगलवार को तीन दिवसीय यात्रा पर श्रीलंका पहुंचे।

रक्षा मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, उन्होंने श्रीलंका के राष्ट्रपति दिसानायके को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की शुभकामनाएं दीं और कहा कि दोनों देशों के नागरिकों के बीच मजबूत ऐतिहासिक व सभ्यतागत संबंधों पर आधारित गहरी मित्रता है। सिंह ने श्रीलंकाई राष्ट्रपति को उनकी सरकार के दो वर्ष का कार्यकाल पूरा होने पर भी बधाई दी।

रक्षा मंत्रालय ने कहा दोनों पक्षों ने इस बात की पुष्टि की कि सभ्यतागत रूप से समान, करीबी पड़ोसी और समुद्री साझेदार होने के नाते भारत और श्रीलंका अपने देशों के विकास और अपने लोगों के कल्याण के लिए मिलकर काम करना जारी रखेंगे। साथ ही, हम अपने क्षेत्र की सुरक्षा, संरक्षा, शांति और ...शेष पृष्ठ 10 पर

एनआईए की चार्जशीट : लाल किले पर किया गया था आत्मघाती हमला

विस्फोट में मारा गया उमर उन नबी था हमले का मास्टरमाइंड, कार में बैठकर उसी ने किया था धमाका

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के लाल किले के पास नवंबर 2025 में हुए कार विस्फोट की जांच में राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने बड़ा दावा किया है। एनआईए की चार्जशीट के मुताबिक, इस हमले का कथित मास्टरमाइंड उमर उन नबी था, जो विस्फोट में मारा गया था। जांच एजेंसी ने उसे कथित तौर पर फिर से सक्रिय किए गए अंसार गजवत-उल-हिंद मॉड्यूल का संचालन संभालने वाला व्यक्ति बताया है। अब सवाल है कि आखिर उमर उन नबी ने किस तरह इस कथित आतंकी साजिश को आगे बढ़ाया और लाल किले तक विस्फोटक से भरी कार कैसे पहुंची।

एनआईए के मुताबिक, उमर उन नबी उर्फ पिंडा और राहुल भट 2022 की शुरूआत से कथित तौर पर निष्क्रिय पड़े अंसार गजवत-उल-हिंद मॉड्यूल को दोबारा सक्रिय करने में लगा था। जांच एजेंसी ने उसे एजीयूएच इंटरिम का कथित परिचालन प्रभारी बताया है। एजेंसी के अनुसार, यह मॉड्यूल भारतीय उपमहाद्वीप में अल-कायदा के कथित फिर से सक्रिय रूप का हिस्सा था। चार्जशीट में नबी के अफगानिस्तान जाने की कथित योजना का भी जिक्र है। एनआईए के अनुसार, वह कट्टरपंथी विचारधारा से जुड़ने के बाद हिजरत के नाम पर अफगानिस्तान जाने की तैयारी कर रहा था। जांच एजेंसी का दावा है कि नबी और मॉड्यूल से जुड़े दूसरे लोगों के पास कट्टरपंथी साहित्य था और उसे आपस में साझा भी किया जाता था। जांच में जिहाद की परिभाषा, जिहाद की जरूरतें, जिहाद के 21 उद्देश्य, जिहाद में सेवा और भागीदारी के 39 तरीके और जिहाद का समर्थन करने के 44 तरीके जैसे दस्तावेजों की जांच की गई।

एजेंसी के अनुसार, इन दस्तावेजों में हिंसा और सशस्त्र संघर्ष को सही ठहराने की कोशिश की गई थी तथा गुप्त तरीके से काम करने, पहचान छिपाने और अलग-अलग तरह के हमलों से जुड़ी बातें भी थीं। एनआईए की चार्जशीट के अनुसार, आरोपी लोग सिग्नल जैसे एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप के जरिए संपर्क में रहते थे। आरोप है कि नबी ने इस कथित मॉड्यूल के लिए पैसे जुटाने, अवैध हथियार हासिल करने और सदस्यों तथा कथित तौर पर साजिश से जुड़े सामान के लिए जगह उपलब्ध कराने में अहम भूमिका निभाई। जम्मू-कश्मीर और ...शेष पृष्ठ 10 पर

संक्षेप

हत्या मामले में छह को आजीवन कारावास

बाराबंकी (उप्र)। जिले के मसौली के ग्राम रोशन चक में 24 साल पहले एक व्यक्ति की हत्या मामले में अदालत ने छह लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है और सभी पर 48-48 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। शासकीय अधिवक्ता रमेश चंद्र वर्मा ने बताया कि थाना मसौली ग्राम रोशन चक मजरे सुल्तानपुर गांव निवासी संजय कुमार यादव ने 31 अक्टूबर 2002 को पुलिस को तहरीर देकर बताया था कि गांव के कुछ लोगों ने लाठी, डंडा, बन्दूक, तमंचा से लैस होकर उसके दादा श्री पाल की पिटाई कर दी जिससे वह घायल हो गये। उसने तहरीर में बताया कि आनन-फानन उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उनकी मौत हो गई। तहरीर मिलने पर पुलिस ने मामला दर्ज करके सभी आरोपियों को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया था। विवेचक ने विवेचना पूरी करने के बाद आरोप पत्र अदालत पर दाखिल किए थे। अपर सत्र न्यायाधीश विनय आर्या की अदालत ने हत्या के मामले में मंगलवार को अपना फैसला सुनाया।

नेशनल टीबी टास्क फोर्स के उपाध्यक्ष बने डा. सूर्यकान्त

लखनऊ। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. सूर्यकान्त को राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत गठित नेशनल टास्क फोर्स का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनका कार्यकाल दो वर्ष का रहेगा। नेशनल टास्क फोर्स का उद्देश्य देश के मेडिकल कॉलेजों में टीबी उन्मूलन संबंधी गतिविधियों को मजबूत करना तथा राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करना है। केजीएमयू की कुलपति डा. सोनिया नित्यानंद ने कहा कि डॉ. सूर्यकान्त की यह नियुक्ति न केवल केजीएमयू बल्कि उत्तर प्रदेश और देश के चिकित्सा समुदाय के लिए भी गौरव का विषय है।

बेटियों को डराने वालों की जगह सिर्फ जेल या जहन्नुम

○ माफिया के सामने कभी नहीं झुकती डबल इंजन की सरकार : योगी ○ अर्थव्यवस्था में महिलाओं का अहम योगदान

विशेष संवाददाता

वाराणसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कुछ लोग वोट बैंक के लिए समाज को जातीय आधार पर बांटने और विभाजन की राजनीति करने का प्रयास करते हैं, लेकिन जब दुर्दान्त माफिया और अपराधियों पर कार्रवाई की बात आती है तो इनकी सिट्टी-पिट्टी गुम हो जाती है। वे मौन हो जाते हैं। भले ही उनके अपने परिवार का नुकसान हुआ हो, वे माफिया के सामने गिड़गिड़ाते हुए ही दिखाई दिए। लेकिन, डबल इंजन की सरकार माफिया के सामने नहीं झुकती। अपराधी चाहे कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, कानून अपना काम करेगा। खासकर बेटियों व महिलाओं की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। बेटी की सुरक्षा में सेंध लगाने वालों के लिए जेल या जहन्नुम के अलावा कोई तीसरा रास्ता नहीं। जब महिला बिना डर घर से निकलेगी, तभी वह स्कूल, कॉलेज, नौकरी, कारोबार और सामाजिक जीवन में अपनी भागीदारी बढ़ा सकती है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को वाराणसी के पिंडरा विधानसभा में कामकाजी महिला सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह आयोजन आधी आबादी के सम्मान और उसकी सामर्थ्य का अहसास कराने वाला है। महिलाओं की भागीदारी केवल परिवार तक सीमित नहीं है, बल्कि वे प्रदेश की अर्थव्यवस्था, सामाजिक व्यवस्था और विकास की दिशा तय करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। सीएम योगी ने कहा कि 2017 से पहले बेटी को स्कूल भेजना हो तो परिवार को उसकी सुरक्षा की चिंता होती थी। घर में शौचालय न हो तो बेटी, बहन और मां के सम्मान की चिंता रहती थी। रसोई में धुआं हो तो स्वास्थ्य की चिंता, इलाज कराना हो तो पैसे की चिंता और घर चलाना हो तो आमदनी की चिंता होती थी। महिला घर से बाहर निकलकर कुछ करना चाहती थी तो उसके सामने रास्ते, कनेक्टिविटी, अवसर और उस अवसर तक पहुंचने की कीमत का सवाल खड़ा होता था। जब परिवार को सुरक्षा का भरोसा नहीं होता है तो सबसे पहले बेटी के सपनों पर रोक लगती है। भाजपा सरकार ने तय किया कि बेटी को पढ़ाना है, बढ़ाना है और सुरक्षा की चिंता भी समाप्त करनी है। हमने पहले डर हटाया, फिर बेटी को पढ़ाया, हुनर दिया और उसे रोजगार से जोड़ा। पहले सवाल था कि बेटी घर से बाहर कैसे निकलेगी, आज सवाल यह है कि उसे जाना कहां तक है। अब कोई बेटी केवल इसलिए अपने सपनों को नहीं छोड़ेगी कि वह गरीब परिवार में पैदा हुई है। कोई महिला केवल पूंजी के अभाव में पीछे नहीं रहेगी ...शेष पृष्ठ 10 पर

2017 से पहले पोषाहार आपूर्ति में शामिल था शराब माफिया : सीएम

वाराणसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्ववर्ती सरकारों पर तीखा हमला करते हुए कहा कि 2017 से पहले प्रदेश में बच्चों के पोषाहार की सप्लाई तक में शराब माफिया का दखल था। तीन-तीन महीने तक आंगनवाड़ी केंद्रों पर राशन नहीं पहुंचता था और बच्चे अपना टाट लेकर केंद्रों पर आते थे। न शुद्ध पेयजल की व्यवस्था थी, न शौचालय और न गर्म भोजन की सुविधा। पूर्ववर्ती सरकारों में गलती कोई और करता था, लेकिन उसकी गाली आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों को मिलती थी। 2017 के बाद सरकार ने पोषाहार वितरण व्यवस्था में बदलाव कर पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की। आज आंगनवाड़ी केंद्रों को आधुनिक सुविधाओं से लैस कर पोषण और प्रारंभिक शिक्षा का मजबूत आधार बनाया जा ...शेष पृष्ठ 10 पर

उच्चतम न्यायालय ने नोएडा के कार्यकारी मजिस्ट्रेट को लताड़ा

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) की अगुवाई में हुए प्रदर्शन में शामिल होने को लेकर एक छात्र को नोटिस जारी करने पर ग्रेटर नोएडा की कार्यकारी मजिस्ट्रेट को बुधवार को कड़ी फटकार लगाई। न्यायालय ने पूछा कि उसके पहले के आदेश के बावजूद मजिस्ट्रेट ने ऐसा नोटिस जारी करने की हिम्मत कैसे की।

शीर्ष न्यायालय ने कहा कि वह इस मामले में ग्रेटर नोएडा की कार्यकारी मजिस्ट्रेट से स्पष्टीकरण मांगेगा। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने पूछा कि कार्यकारी मजिस्ट्रेट ऐसा नोटिस कैसे जारी कर सकती हैं, जबकि शीर्ष अदालत पहले ही निर्देश दे चुकी है कि छात्रों के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्वाई नहीं की जाएगी। वरिष्ठ अधिवक्ता विश्वजीत भट्टाचार्य ने सीजेआई की अगुवाई वाली तीन सदस्यीय पीठ के समक्ष इस मामले का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत के छात्रों पर प्रयोग किया जा रहा है और यह नोटिस भी उच्चतम न्यायालय के एक सितंबर के आदेश के विपरीत था। हालांकि, नोटिस बाद में ...शेष पृष्ठ 10 पर

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने तीन रेल परियोजनाओं को दी मंजूरी

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने बुधवार को रेल मंत्रालय की 10,783 करोड़ रुपये की लागत वाली तीन मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी। इन परियोजनाओं में खड़गपुर-झारसुगुड़ा खंड और कटनी-पेंड्रा रोड खंड के बीच चौथी लाइन तथा बिलासपुर (उसलापुर)-पेंड्रा रोड खंड के बीच तीसरी लाइन का निर्माण शामिल है।

आधिकारिक बयान के मुताबिक, इन परियोजनाओं से रेल लाइन की क्षमता बढ़ेगी, जिससे आवाजाही में सुधार के साथ परिचालन दक्षता और सेवाओं की विश्वसनीयता बढ़ेगी। इससे रेल परिचालन सुगम होगा और भीड़भाड़ कम करने में भी मदद मिलेगी। ये तीनों परियोजनाएं पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के 14 जिलों से होकर गुजरेंगी। इनके निर्माण से भारतीय रेल के मौजूदा नेटवर्क में करीब 656 किलोमीटर की वृद्धि होगी। सरकार ने कहा कि प्रस्तावित मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं से करीब 4,790 गांवों को बेहतर रेल संपर्क मिलेगा, जहां लगभग 56 लाख लोग रहते हैं। इन परियोजनाओं से तारातरणी मंदिर, श्रीक्षेत्र जगन्नाथ मंदिर, बंधवगढ़ टाइगर रिजर्व, विराटेश्वर मंदिर, अमरकंटक मंदिर, ज्वालेश्वर धाम, अचानकमार ...शेष पृष्ठ 10 पर

बिहार में बाढ़ से 40 लाख से अधिक प्रभावित

गंडक, कोसी, गंगा, पुनपुन, बागमती व घाघरा समेत कई नदियां उफान पर

एजेंसी

पटना। बिहार में पिछले चार-पांच दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश और नेपाल के जलग्रहण क्षेत्रों में भारी वर्षा के कारण 14 जिलों में बाढ़ की स्थिति गंभीर हो गई है। आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार राज्य में 40.21 लाख से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं।

एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि लगातार बारिश के कारण नदियां और बरसाती नाले उफान पर हैं। नेपाल में हुई भारी वर्षा के चलते भी कई नदियां विभिन्न स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार पटना, भोजपुर, सारण, वैशाली, भागलपुर, बेगूसराय, बक्सर, समस्तीपुर, मुंगेर, कटिहार, लखीसराय, खगड़िया, पूर्णिया और अरवल जिलों के 84 प्रखंडों की 514 ग्राम पंचायतों के लगभग 40.21 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। विभाग के ताजा बुलेटिन के मुताबिक, भागलपुर के सुल्तानगंज में बुधवार सुबह नौ बजे गंगा का जलस्तर 36.78 मीटर दर्ज किया गया, जो 17 अगस्त 2021 के 36.75 मीटर के पिछले उच्चतम बाढ़ स्तर (एचएफएल) से अधिक है। हालांकि, जलस्तर फिलहाल स्थिर बना हुआ है। गंडक, कोसी, बूढ़ी गंडक, गंगा, पुनपुन, बागमती और घाघरा समेत कई नदियां विभिन्न ...शेष पृष्ठ 10 पर

उन्नाव में 2,078 करोड़ के क्राउन प्लांट का भूमि पूजन

विशेष संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की एफडीआई नीति का असर अब बड़े वैश्विक निवेश के रूप में दिखने लगा है। वैश्विक पैकेजिंग कंपनी क्राउन होल्डिंग्स की भारतीय इकाई क्राउन पैकेजिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने उन्नाव के इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग एंड लॉजिस्टिक्स क्लस्टर में करीब 2,078.44 करोड़ रुपये की लागत से अपने पहले ग्रीनफील्ड एल्युमीनियम बेवरेज कैन प्लांट का भूमिपूजन किया। करीब 40 एकड़ में स्थापित होने वाली यह इकाई भारत में क्राउन होल्डिंग्स की पहली विनिर्माण इकाई होगी। संयंत्र की शुरूआती स्थापित क्षमता 116.2 करोड़ कैन प्रतिवर्ष होगी, जिसे भविष्य में बढ़ाकर 178.6 करोड़ कैन प्रतिवर्ष तक किया जा सकेगा। परियोजना के पहले वर्ष में करीब 67 करोड़ कैन उत्पादन का अनुमान है। परियोजना से 200 से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष और 1,500 से अधिक लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार मिलने की संभावना है। इसके साथ ही लॉजिस्टिक्स, वेयरहाउसिंग, परिवहन, रखरखाव और स्थानीय वेंडर नेटवर्क में भी कारोबार और रोजगार के नए अवसर बनेंगे। भूमिपूजन समारोह में औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने कहा कि प्रदेश में अब औद्योगिक परियोजनाएं ...शेष पृष्ठ 10 पर

○ 1,700 से ज्यादा लोगों को मिलेगा रोजगार

आज का मौसम

अधिकतम	:	30.06 डिसे.
न्यूनतम	:	26.04 डिसे.

भीतर पढ़ें

○ स्पेशल टीईटी परीक्षा 3 नवंबर को होगी (पृष्ठ-02)
○ महिलाओं की आमदनी बढ़ाने पर हो जोर : मौर्य (पृष्ठ-02)
○ रुपया 34 पैसे टूटकर 95.08 प्रति डॉलर पर (पृष्ठ-10)
○ वृद्धि के लिए सेवा निर्यात में विविधता की जरूरत (पृष्ठ-10)
○ पेट्रोलियम कंपनियों को हो रहा है नुकसान (पृष्ठ-10)

विशेष खबर — बुंदेलखंड में जल संकट का जवाब बनेगा गंगावली मॉडल, 19.1 करोड़ की परियोजना तेज

बुंदेलखंड में बूंद-बूंद का हिसाब, तैयार हो रहा जल प्रबंधन का नया मॉडल

विशेष संवाददाता

लखनऊ। बुंदेलखंड में जल संकट के बीच उपलब्ध पानी के बेहतर इस्तेमाल और कम पानी में अधिक उत्पादन की दिशा में इंडिया-इजराइल बुंदेलखंड वाटर प्रोजेक्ट आगे बढ़ रहा है। झांसी के बड़ागांव विकासखंड के गंगावली गांव में करीब 19.1 करोड़ रुपये की लागत से चल रहे मिनी पायलट प्रोजेक्ट के कई प्रमुख कार्य पूरे हो चुके हैं। परियोजना का निर्माण चरण 31 दिसंबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य है।

गंगावली में जलाशय का अर्थवर्क और जियोमेम्ब्रेन लाइनिंग, सोलर पंप, नहर से जलाशय तक इंटेक पाइप, इंटेक वेल और पीयूएफ पैनल आधारित भवनों का निर्माण पूरा हो गया है। जलाशय की सुरक्षा के लिए डिमार्केशन और फेंसिंग भी पूरी कर ली गई है। गांव से आने वाले अपशिष्ट जल को जलाशय में पहुंचने से

रोकने और उसके उपचार के लिए नेचुरल एसटीपी भी तैयार किया गया है। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के विशेष सचिव और भूगर्भ जल विभाग के निदेशक डॉ. राजेश कुमार प्रजापति के अनुसार परियोजना में जल संरक्षण, भंडारण, सौर ऊर्जा, माइक्रो इरिगेशन, आधुनिक कृषि तकनीक और किसान प्रशिक्षण को एक साथ जोड़ा गया है। इसका उद्देश्य बुंदेलखंड की स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप ऐसा मॉडल विकसित करना है, जिसमें उपलब्ध पानी का वैज्ञानिक और अधिकतम उपयोग हो सके। अगले चरण में ड्रिप और स्प्रिंकलर आधारित माइक्रो इरिगेशन, ग्रीनहाउस, टनल, पाइपलाइन और सिंचाई ऑटोमेशन-एससीएडीए व्यवस्था को क्रियाशील किया जाएगा। जलाशय के आसपास सड़क का निर्माण अभी जारी है। मिनी पायलट प्रोजेक्ट के तहत करीब 8.5 हेक्टेयर क्षेत्र में आधुनिक कृषि तकनीकों का प्रदर्शन किया जाएगा। किसानों को फसल की जरूरत के मुताबिक पानी देने, सिंचाई दक्षता बढ़ाने और कम पानी में बेहतर उत्पादन हासिल करने का व्यावहारिक तरीका दिखाया जाएगा। परियोजना में पानी की खपत, सिंचाई दक्षता, फसल उत्पादन, लागत और जल ...शेष पृष्ठ 10 पर

एथनॉल मिश्रण को ई-20 से अधिक करने पर काम कर रही है सरकार

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री के सलाहकार तरुण कपूर ने बुधवार को कहा कि सरकार फ्लेक्सी-फ्यूल गाड़ियों के जरिये मौजूदा ई-20 स्तर से ज्यादा पेट्रोल में एथनॉल मिलाने की अनुमति देने पर काम कर रही है।

द इंडिया शुगर एंड बायो-एनर्जी कॉन्फ्रेंस 2026 के चौथे संस्करण को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए कपूर ने कहा कि ई-20 कार्यक्रम अबतक बहुत सफल रहा है और कई वाहन कंपनियों ने जल्द ही फ्लेक्सी-फ्यूल गाड़ियां पेश करने की योजना की घोषणा की है। उन्होंने कहा अब हमारा ध्यान फ्लेक्सी-फ्यूल गाड़ियों पर है और ऐसी सम्मिश्रण की मंजूरी देना है जो ई-20 से ज्यादा हो। उन्होंने कहा कि ऐसी गाड़ियों की पेशकश के साथ-साथ ईंधन बिक्री केंद्रों पर शुद्ध एथनॉल की उपलब्धता भी बढ़ानी होगी। कपूर ने कहा कि पश्चिम एशिया संकट के बीच जैव-ईंधन पर जोर देना और भी जरूरी हो गया है। इस संकट ने आपूर्ति में रुकावट डाली है और कच्चे तेल की कीमतों को लगभग 100 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचा दिया है, साथ ही और बढ़ोतरी की आशंका भी बनी हुई है। उन्होंने कहा यह जरूरी है कि हम देश में जो कुछ भी उपलब्ध है, उसका इस्तेमाल करने की कोशिश करें। उन्होंने कहा कि देश में एथनॉल उत्पादन की क्षमता पेट्रोल में इसे मिलाने की जरूरतों से ज्यादा हो गई है।

राष्ट्रीय पोषण मेले में दिखी देश की आहार विविधता

मुख्यमंत्री ने ओडिशा, तमिलनाडु, गुजरात व गोरखपुर की आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं व सहायिकाओं से किया संवाद

वणक्कम से शुरू हुआ संवाद, जुड़वां बच्चों की कहानी ने छुआ दिल

विशेष संवाददाता (vol)

वाराणसी। मां अन्नपूर्णा की धरती काशी से 9वें राष्ट्रीय पोषण माह-2026 का शुभारंभ हुआ। रुद्राक्ष इंटरनेशनल कोऑपरेशन एंड कन्वेंशन सेंटर में आयोजित पोषण मेले में देश के विभिन्न राज्यों की पोषण परंपराओं, आहार विविधता और नवाचारों की झलक देखने को मिली। अलग-अलग राज्यों के व्यंजनों और उन्हें तैयार करने के तरीकों में भले ही विविधता रही, लेकिन सभी में पौष्टिकता को प्राथमिकता दी गई।

मेले में पोषण एवं स्वास्थ्य से जुड़े 15 स्टॉल लगाए गए। इनमें सात राज्यों के स्टॉल के अलावा आंगनवाड़ी सेवाओं, अनुपूरक पुष्टाहार, प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा (ईसीसीई), सक्षम आंगनवाड़ी और स्वास्थ्य विभाग की गतिविधियों को प्रदर्शित किया गया।

उत्तर प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, हरियाणा, मिजोरम और बिहार के प्रतिनिधियों ने अपने राज्यों की योजनाओं, पोषण आहार और प्रयोगों की जानकारी साझा की।

मिजोरम से आई जोयला ने बताया कि मेले में विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों को एक-दूसरे के पोषण आहार और उसे तैयार करने की प्रक्रिया समझने का अवसर मिला। राजस्थान की आईसीडीएस उपनिदेशक डॉ. मंजू यादव ने उत्तर प्रदेश की पोषण योजनाओं की सराहना करते हुए कहा कि यहां स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं पोषण आहार प्लांट चला रही हैं। विश्वविद्यालयों के होम साइंस विभाग भी जागरूकता कार्यक्रमों से जुड़े हैं। अक्षय पात्र के माध्यम से स्कूली बच्चों को गर्म और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने की पहल की भी उन्होंने जानकारी दी।

उत्तराखंड की चाइल्ड डेवलपमेंट प्रोजेक्ट ऑफिसर नीतू पुलारा ने मिजोरम में मिलेट्स से तैयार किए जा रहे नूडल्स को बच्चों को फास्ट फूड से दूर रखने की दिशा में उपयोगी प्रयोग बताया। छत्तीसगढ़ में यूनिसेफ के सहयोग से संचालित कार्यक्रमों की जानकारी को उपयोगी बताया। वाराणसी और आसपास के जिलों से आई आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने मानदेय में बढ़ोतरी और कैशलेस चिकित्सा सुविधा मिलने पर प्रदेश सरकार के प्रति आभार जताया। गाजीपुर की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता शशिकला और सहायिका स्नेहलता ने कहा कि कार्यक्रम से उन्हें कई नई जानकारियां मिली हैं, जिन्हें वे अपने कार्यक्षेत्र में लागू करने का प्रयास करेंगी। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता तारा पांडेय ने कहा कि मुख्यमंत्री के संबोधन से मिली जानकारी को केंद्रों के माध्यम से बच्चों और उनके परिवारों तक पहुंचाया जाएगा।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ओडिशा, तमिलनाडु, गुजरात और गोरखपुर की आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं व सहायिकाओं से संवाद किया। तमिलनाडु की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता आर. रंजनी ने मुख्यमंत्री से वणक्कम कहकर बातचीत शुरू की। उन्होंने बताया कि एक परिवार में 21 दिन के जुड़वां बच्चों की मां की मृत्यु हो गई थी। इसके बाद उन्होंने परिवार को समझाया और आंगनवाड़ी केंद्र के माध्यम से बच्चों के पालन-पोषण की जिम्मेदारी संभालने के साथ व्यक्तिगत स्तर पर भी सहयोग किया। रंजनी ने बताया कि दोनों बच्चे अब दो वर्ष से आंगनवाड़ी केंद्र आ रहे हैं। उन्हें स्वस्थ और सामान्य रूप से बढ़ते देखकर काफी खुशी होती है। यह अनुभव बताता है कि आंगनवाड़ी कार्यकताओं की भूमिका केवल पोषण आहार वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि जरूरत पड़ने पर वे बच्चों और परिवारों को भावनात्मक और व्यक्तिगत सहयोग भी देती हैं।

मुख्यमंत्री ने ओडिशा से आई सहायिका से कुपोषित बच्चों के विकास में आंगनवाड़ी केंद्रों की भूमिका के बारे में जानकारी ली। वहीं, गोरखपुर के बसियापुर गांव की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से संवाद के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि वह उनके गांव जा चुके हैं। इस पर कार्यकर्ता ने सहज अंदाज में कहा कि मुख्यमंत्री उनके घर भी आ चुके हैं।

स्पेशल टीईटी परीक्षा 3 नवंबर को

विशेष संवाददाता (vol)

- **टीईटी/सीटीईटी उत्तीर्ण नहीं करने वाले शिक्षकों को भी परीक्षा में शामिल होने का अवसर, आवेदन प्रक्रिया शुरू**

लखनऊ। उत्तर प्रदेश शासन के बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग ने विशेष शिक्षकों के लिए आयोजित की जाने वाली विशेष अध्यापक पात्रता परीक्षा (स्पेशल टीईटी) को लेकर महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। शासन के निर्देशों के क्रम में उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग द्वारा स्पेशल टीईटी का विज्ञापन प्रकाशित कर दिया गया है। यह परीक्षा प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्तर पर कार्यरत शिक्षकों एवं विशेष शिक्षकों (सीडब्ल्यूएसएन) के लिए आयोजित की जा रही है। परीक्षा में निर्धारित पात्रता पूरी करने वाले संबंधित विद्यालयों के शिक्षक शामिल हो सकेंगे।

अपर मुख्य सचिव बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा ने बताया कि प्राथमिक स्तर पर उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा संचालित विद्यालय, स्थानीय निकाय एवं जिन विद्यालयों को राज्य सरकार/बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा समय-समय पर मान्यता/सम्बद्धता प्रदान की गई है, राज्य सरकार से सहायता प्राप्त विद्यालय तथा विशेष एजुकेटर्स प्राथमिक स्तर (कक्षा 1 से 5) के शिक्षक पात्र होंगे। इसी प्रकार उच्च प्राथमिक स्तर पर बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा संचालित विद्यालयों, स्थानीय निकाय एवं मान्यता/सम्बद्धता प्राप्त विद्यालयों, राज्य सरकार से सहायता प्राप्त विद्यालयों तथा विशेष एजुकेटर्स उच्च प्राथमिक स्तर (कक्षा 6 से 8) के शिक्षक पात्र होंगे।

उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार स्पेशल टीईटी के लिए विज्ञापन प्रकाशन की तिथि 3 सितंबर तय की गई है। ऑनलाइन पंजीकरण/ओटीआर एवं आवेदन प्रक्रिया 5 सितंबर से शुरू हो गई है। ऑनलाइन आवेदन शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 4 अक्टूबर, जबकि ऑनलाइन आवेदन में संशोधन की अंतिम तिथि 8 अक्टूबर निर्धारित है। परीक्षा 3 नवंबर को आयोजित की जाएगी।

अपर मुख्य सचिव बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा ने बताया कि ऐसे शिक्षक जिन्होंने पूर्व में टीईटी या सीटीईटी परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है, उनके लिए स्पेशल टीईटी परीक्षा को पुनः उत्तीर्ण करना आवश्यक/अनिवार्य नहीं है। वहीं, जिन अध्यापकों ने पूर्व में टीईटी या सीटीईटी परीक्षा उत्तीर्ण नहीं की है, उन्हें निर्धारित विज्ञापन के तहत पंजीकरण कर आवेदन करने और परीक्षा में भाग लेने के लिए अवगत कराने के निर्देश दिए गए हैं। बेसिक शिक्षा अधिकारियों के माध्यम से सभी संबंधित अध्यापकों को इसकी जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि पात्र शिक्षक निर्धारित समयसीमा के भीतर अपना पंजीकरण एवं आवेदन पूरा कर सकें।

सर्वोदय विद्यालयों में एआई आधारित स्मार्ट क्लास को बढ़ावा

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। योगी सरकार उत्तर प्रदेश में जनकल्याणकारी योजनाओं को आधुनिक तकनीक से जोड़कर सुशासन को नई गति दे रही है। इसी क्रम में समाज कल्याण विभाग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के इस्तेमाल को बढ़ावा देने वाले अग्रणी विभागों में शामिल हो रहा है। विभाग ने शिक्षा क्षेत्र से इसकी शुरूआत की है और अब पेंशन, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ और छात्रवृत्ति जैसी योजनाओं में भी एआई के उपयोग की तैयारी की जा रही है। उद्देश्य है कि तकनीक के जरिए योजनाओं की निगरानी और लाभार्थियों से जुड़ी प्रक्रियाएं अधिक सरल, तेज और पारदर्शी बनें।

समाज कल्याण विभाग ने एआई आधारित तकनीकों की शुरूआत जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों से की है। स्मार्ट क्लास, डिजिटल सामग्री, 3डी वीडियो और एआई आधारित लैंग्वेज लर्निंग लैब के जरिए विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा से जोड़ा जा रहा है। एडोब एजुकेशन इंडिया पहल के तहत विद्यार्थियों और शिक्षकों को एडोब डिजिटल अकादमी के माध्यम से डिजिटल क्रिएटिविटी और एआई कौशल का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। इससे विद्यार्थी डिजिटल स्टोरीटेलिंग, रचनात्मक समस्या-समाधान और एआई-सहायित कंटेंट निर्माण जैसे भविष्य के उपयोगी कौशल सीख रहे हैं। वृद्धावस्था पेंशन और राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना में एआई आधारित प्रमाण पत्र सत्यापन के इस्तेमाल का प्रस्ताव है। इससे प्रमाण पत्रों की जांच प्रक्रिया को सरल और तेज बनाने में मदद मिलेगी। तकनीक आधारित सत्यापन से पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने की प्रक्रिया को और प्रभावी बनाया जा सकेगा। छात्रवृत्ति योजना में आवेदन और लाभ वितरण से जुड़े आंकड़ों के विश्लेषण के लिए भी एआई के इस्तेमाल की तैयारी है। डेटा विश्लेषण के जरिए योजना की मॉनिटरिंग को अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा। इससे योजना के क्रियान्वयन की स्थिति का बेहतर आकलन और आवश्यक सुधार संभव होगा। समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने कहा कि सरकार का लक्ष्य केवल योजनाएं संचालित करना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि उनका लाभ पात्र व्यक्ति तक समय पर पहुंचे। एआई के उपयोग से योजनाओं की मॉनिटरिंग, डेटा विश्लेषण और प्रमाण पत्रों के सत्यापन में कार्यकुशलता बढ़ाने में मदद मिलेगी। राजकीय छात्रावासों में विद्यार्थियों को एआई और पाठ्यक्रम आधारित प्रशिक्षण देने की दिशा में काम किया जाएगा।

75 जिलों में लगेंगे सहायक उपकरण-कृत्रिम अंग वितरण शिविर

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। दिव्यांगजनों को अधिक सक्षम, आत्मनिर्भर और समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए योगी सरकार लगातार कल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ा रही है। इसी क्रम में दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग की ओर से वित्तीय वर्ष 2026-27 में पात्र दिव्यांगजनों को विभिन्न प्रकार के गुणवत्तापूर्ण सहायक उपकरण एवं कृत्रिम अंग उपलब्ध कराने के लिए चरणबद्ध तरीके से वितरण शिविर आयोजित किए जाएंगे।

पहले चरण में प्रदेश के सभी 75 जनपदों को दो समूहों में विभाजित किया गया है। 17 सितंबर को 41 जनपदों में तथा 2 अक्टूबर को 34 जनपदों में वितरण शिविर आयोजित होंगे। इसके बाद द्वितीय चरण 20 अक्टूबर से 15 नवंबर 2026 तथा तृतीय चरण 3 दिसंबर से 15 दिसंबर 2026 तक निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रदेश के सभी जनपदों में शिविर लगाए जाएंगे।

17 सितंबर को आगरा, अलीगढ़, एटा, अयोध्या, सुलतानपुर, आजमगढ़, बरेली, बदायूं, बांदा, देवरिया, कुशीनगर, गोंडा, झांसी, कानपुर नगर, उन्नाव, मेरठ, मुरादाबाद, सहारनपुर, जौनपुर, गोरखपुर, कन्नौज, प्रयागराज, शामली, वाराणसी, मिजार्पुर, गाजीपुर, सिद्धार्थनगर, श्रावस्ती, फतेहपुर, प्रतापगढ़, संतकबीर नगर, बिजनौर, इटावा, हापुड़, ललितपुर, मथुरा, रामपुर, सीतापुर, कौशाम्बी, हरदोई और बुलन्दशहर वितरण शिविर अयोजित किये जाएंगे।

इसी तरह 2 अक्टूबर को लखनऊ, गौतमबुद्धनगर, चन्दौली, बलरामपुर, चित्रकूट, अम्बेडकर नगर, अमरोहा, फिरोजाबाद, जालौन, कानपुर देहात, खीरी, महाराजगंज, मऊ, पीलीभीत, रायबरेली, सम्भल, शाहजहांपुर, सोनभद्र, अमेठी, औरैया, बागपत, बाराबंकी, भदोही, फरुर्खाबाद, गाजियाबाद, हमीरपुर, हाथरस, कासगंज, महोबा, मुजफ्फरनगर, बहराइच, बलिया, बस्ती एवं मैनपुरी में वितरण शिविर आयोजित होंगे। विभाग ने सभी जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारियों को निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार शिविरों के सफल आयोजन के लिए कार्ययोजना तैयार कर शीघ्र क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। राज्य सरकार की ओर से दिव्यांगजनों के कल्याण, सशक्तीकरण, आत्मनिर्भर बनाने तथा उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए विभिन्न योजनाएं एवं कार्यक्रम संचालित किए जाते रहें हैं।

सहायक उपकरण एवं कृत्रिम अंग वितरण योजना इसी श्रृंखला की एक कड़ी है। योजना का उद्देश्य पात्र दिव्यांगजनों तक शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पारदर्शी, प्रभावी एवं समयबद्ध ढंग से पहुंचाना है। वितरण शिविरों के माध्यम से लाभार्थियों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप सहायक उपकरण एवं कृत्रिम अंग उपलब्ध कराकर उन्हें अधिक सक्षम एवं आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया जाना है। प्रदेश सरकार की ओर से दिव्यांगजनों की दैनिक गतिविधियों को सुगम बनाना तथा उनकी गतिशीलता, कार्यक्षमता एवं आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है।

डाक्टरों की दूर होगी कमी, 70 साल की आयु तक सेवाएं देंगे सेवानिवृत्त विशेषज्ञ

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रादेशिक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा (पीएमएचएस) संवर्ग के सेवानिवृत्त विशेषज्ञ चिकित्सकों के पुनर्नियोजन की अधिकतम आयु सीमा 65 वर्ष से बढ़ाकर 70 वर्ष किए जाने का निर्णय लिया है। सरकार के इस फैसले से प्रदेश के अस्पतालों में अनुभवी विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता बढ़ेगी और बढ़ती जनसंख्या तथा अस्पतालों में मरीजों के बढ़ते दबाव के बीच चिकित्सा सेवाओं को मजबूती मिलेगी। विशेष रूप से गरीब और वंचित वर्ग को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने में यह कदम महत्वपूर्ण साबित होगा। उप मुख्यमंत्री एवं चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि प्रदेश में चिकित्सकों, विशेषकर विशेषज्ञ चिकित्सकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है। अस्पतालों के बाह्य एवं अन्तः रोगी विभागों में लगातार बढ़ रही मरीजों की संख्या को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का यह निर्णय चिकित्सा सेवाओं की निरंतरता बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

सेवानिवृत्ति के बाद 70 वर्ष की आयु तक रिअप्वॉइंटमेंट पर जतायी खुशी

लखनऊ। प्रदेश के सरकारी डाक्टरों की सेवानिवृत्ति के बाद 70 वर्ष की आयु तक रिअप्वॉइंटमेंट के माध्यम से सेवाएं दे सकेंगे। इसको लेकर वरिष्ठ चिकित्सकों ने खुशी का इजहार करते हुए कहा कि सरकार का निर्णय काफी सराहनीय है कि इससे रिटायर होने के बाद प्राइवेट सेक्टर में जाने की मजबूरी नहीं होगी। उनके अनुभव का लाभ गरीब मरीजों तक पहुंचेगा। प्रांतीय चिकित्सा सेवा संघ के प्रदेश अध्यक्ष डा. यशवीर सिंह ने बताया कि स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की कमी वाले विभागों में यह व्यवस्था प्रभावी साबित होगी। प्रांतीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा संवर्ग स्वास्थ्य विभाग का प्रमुख चिकित्सकीय संवर्ग है, इसमें चिकित्सा अधिकारी एवं विशेषज्ञ चिकित्सक शामिल हैं, जो प्रदेश के सरकारी अस्पतालों, सामुदायिक और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभालते हैं।

भाजपा लोकतंत्र की दुश्मन है : अखिलेश

पार्टी नेताओं को भाजपा से सावधान रहने की दी हिदायत

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा लोकतंत्र की दुश्मन हैं। लोकतांत्रिक व्यवस्था को तहस-नहस करने पर उतारू है। भाजपा राजनीतिक गैंग और बेईमान लोगों का गिरोह है। भाजपा नफरत फैलाने को अपनी सफलता मानती है। पार्टी के नेताओं, कार्यकर्ताओं को भाजपा से सावधान रहना है।

समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय लखनऊ में बुधवार को विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में आए नेताओं-कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा ने लोक नायक जयप्रकाश नारायण को धोखा दिया है। समाजवादी सरकार में बनायी गयी सिग्नेचर बिल्डिंग, जयप्रकाश नारायण इंटरनेशनल सेन्टर को बेच दिया। भाजपा ने जेपी नाम पर बनी बिल्डिंग को क्यों बेचा? उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी चरम पर है। भाजपा ने समाजवादी सरकार में बनायी गयी कई सरकारी चीजों को बेच दिया। प्लासियो मॉल, किसान बाजार, कन्नौज का काऊ मिल्क प्लांट समेत कई चीजें बेच दी। सपा सरकार में प्रदेश में जो विकास हुआ है उसे भाजपा सरकार ने बर्बाद करना चाहती है। भाजपा सरकार ने उत्तर प्रदेश में कोई काम नहीं किया। दस साल की सरकार में भाजपा के लोगों ने भ्रष्टाचार और बजट की लूट के सिवा कोई काम नहीं किया। भाजपा सरकार में बने हाई-वे और एक्सप्रेस-वे में भारी भ्रष्टाचार हुआ। जल जीवन मिशन में पानी की टंकियां लगातार टूट रही है। पानी की टंकियां भाजपा के भ्रष्टाचार का भार नहीं सहन कर पा रही है। प्रदेश में हर विभाग में भ्रष्टाचार और लूट है। चिकित्सा-स्वास्थ्य व्यवस्था चौपट है। गरीबों को इलाज नहीं मिल रहा है। अस्पतालों में मरीजों को सीजनल और संक्रामक बीमारियों का भी इलाज नहीं मिल पा रहा है।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार कोई काम नहीं करती है। विरोधी दलों विशेष तौर पर समाजवादी पार्टी पर अनर्गल आरोप लगाकर बदनाम करने की साजिश करती है। जनता को गुमराह करती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि जनता के बीच रहना है। व्यवहार और भाषा में शिष्टाचार होना चाहिए। जनता सपा की सरकार बनाने के लिए तैयार है। 2027 में चुनाव जीतना ही है। जनता को भाजपा के कुशासन से छुटकारा मिलेगा इसीलिए भाजपा सपा और पीडीए से घबराई हुई है। उन्होंने कहा कि भाजपा किसान, नौजवान, मजदूर विरोधी है। भाजपा ने हर वर्ग को ठगा है। महंगाई बढ़ाकर जनता की जेब काट ली। पेट्रोल में इथेनाल की मिलावट कर गाड़ियों का इंजन खराब कर दिया। लोगों को भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि सपा सरकार में किसानों के लिए फैसले किए जाएंगे। 24 घंटे में गन्ना किसानों को गन्ने का भुगतान होगा। किसानों को समय पर खाद-बीज, पानी मिलेगा।

क्लासरूम से हॉस्टल तक नशे पर नकेल युवाओं को नशामुक्त बनाने में जुटी सरकार

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए योगी सरकार ने उच्च शिक्षण संस्थानों को नशामुक्ति अभियान का प्रमुख केंद्र बनाने की तैयारी की है। विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में अब नशामुक्त जीवन का संदेश विद्यार्थियों की नियमित दिनचर्या का हिस्सा बनाया जाएगा। इसके तहत हर कक्षा में नशामुक्ति की शपथ, सप्ताह में कम से कम एक जागरूकता व्याख्यान और विभिन्न रचनात्मक गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं।

उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने मंगलवार को विधानसभा कार्यालय में अभियान की समीक्षा की। बैठक में प्रमुख सचिव, विशेष सचिव, निदेशक उच्च शिक्षा सहित राज्य और निजी विश्वविद्यालयों के कुलपति एवं कुलसचिव वर्चुअल माध्यम से जुड़े। मंत्री ने कहा कि नशामुक्ति को केवल एक अभियान या किसी विशेष दिवस तक सीमित रखने के बजाय इसे युवाओं के जीवन में संस्कार के रूप में विकसित करने की जरूरत है। निर्देशों के अनुसार कक्षा शुरू होने से पहले विद्यार्थियों को प्रतिदिन करीब आधे से एक मिनट की नशामुक्ति शपथ दिलाई जाएगी। सप्ताह में कम से कम एक दिन शिक्षक नशे के दुष्प्रभाव और स्वस्थ जीवन के लाभ पर विद्यार्थियों से संवाद करेंगे। सरकार का जोर लगातार जागरूकता के जरिए नशे के प्रति नकारात्मक सोच और स्वस्थ जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने पर है। अभियान के लिए विश्वविद्यालय स्तर के साथ-साथ महाविद्यालय और फैकल्टी स्तर पर भी नोडल अधिकारी नामित किए जाएंगे। उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारियों को अलग-अलग क्षेत्रों की जिम्मेदारी देकर नियमित निगरानी कराई जाएगी। पहले किए गए निरीक्षणों और जांच की रिपोर्ट भी विभाग को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। छात्रावासों को लेकर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। बाहर से आने वाली सामग्री की गेट स्तर पर आवश्यक जांच के साथ वार्डन और संबंधित अधिकारी समय-समय पर आकस्मिक निरीक्षण करेंगे। नशीली सामग्री के इस्तेमाल की संभावना को शुरूआती स्तर पर रोकने के साथ विद्यार्थियों को समझाकर और जागरूक कर नशे से दूर रखने पर भी जोर दिया जाएगा।

पूर्व डीआईजी समेत कई दलों के नेताओं ने ली कांग्रेस की सदस्यता

लखनऊ। सीतापुर निवासी पूर्व डीआइजी केके चौधरी ने बुधवार को कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित समारोह में कांग्रेस के प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम ने पूर्व डीआईजी सहित भाजपा नेता मनोज कुमार चौहान, हरवंश सिंह चौहान, सपा के प्रदेश सचिव सुनील कुशवाहा को पार्टी की सदस्यता ग्रहण करायी। वहीं, सिद्धार्थनगर की राष्ट्रीय जन सरदार पार्टी के अध्यक्ष हेमन्त चौधरी ने अपनी पार्टी का कांग्रेस पार्टी में विलय करने की घोषणा की। उनके साथ पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सौरव सिंह सहित 32 प्रधान एवं 17 बीडीसी सदस्यों ने भी कांग्रेस का दामन थामा। यूपी कांग्रेस प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम की मौजूदगी में भी विभिन्न राजनीतिक दलों से जुड़े कई नेताओं ने कांग्रेस की सदस्यता ली। इनमें सपा के प्रदेश सचिव और देवरिया-कुशीनगर पूर्व सहकारी बैंक अध्यक्ष सुनील कुशवाहा तथा भाजपा ओबीसी मोर्चा के पूर्व राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं सह-प्रभारी मनोज कुमार चौहान प्रमुख हैं। इसके अलावा जनवादी पार्टी (राष्ट्रीय) के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष एडवोकेट हरकेश सिंह चौहान, अपना दल के पूर्व लोकसभा प्रत्याशी प्रो. शिव राम सिंह चौहान और भारतीय चौहान महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व बसपा प्रत्याशी राजेश चौहान ने भी कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की।

महिलाओं की आमदनी बढ़ाने पर हो जोर : केशव मौर्य

उपमुख्यमंत्री ने की अनुबंधित तकनीकी सहयोगी एजेंसियों, बैंकरों, दुग्ध उत्पादक कंपनियों के साथ समीक्षा बैठक

विशेष संवाददाता (vol)

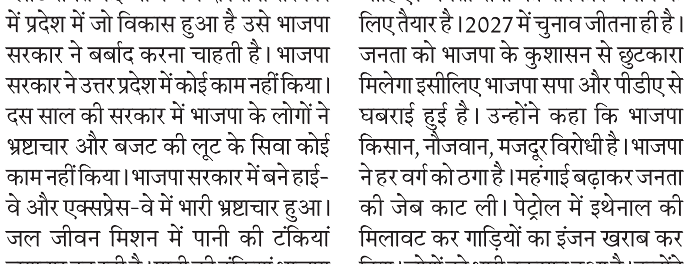

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत अनुबंधित तकनीकी सहयोगी एजेंसियों, बैंकरों, दुग्ध उत्पादक कंपनियों एवं एचसीएल संस्था के कार्यों की समीक्षा बैठक बुधवार को योजना भवन लखनऊ में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने की। बैठक में राज्य मंत्री, ग्राम्य विकास विभाग विजय लक्ष्मी गौतम विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहीं।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने उत्तर प्रदेश महिला उद्यमी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर देते हुए कहा कि एक करोड़ से अधिक महिलाओं को प्रथम किश्त के रूप में 20 हजार रुपये उपलब्ध कराये जाने हैं, जिसका ब्याज विभाग द्वारा वहन किया जाएगा। इसके बाद दूसरी किश्त के रूप में 30 हजार रुपये दिये जाएंगे। उन्होंने निर्देश दिए कि पात्र महिलाओं को ऋण उपलब्ध कराने की प्रक्रिया सरल एवं सुगम बनाई जाए। बैंकर्स को निर्देशित करते हुए उन्होंने कहा कि वे गरीब महिलाओं को ऋण उपलब्ध कराने में सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाएं और केवल लाभ कमाने की मंशा से कार्य न करें। सरकार द्वारा ब्याज का वहन किया जा रहा है, इसलिए पात्र महिलाओं को योजना का लाभ दिलाने में किसी प्रकार की बाधा नहीं आनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में 3 करोड़ महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ने तथा 1 करोड़ महिलाओं को 'लखपति दीदी' बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को केवल कर्ज उपलब्ध कराना सरकार का उद्देश्य नहीं है, बल्कि उनकी आमदनी बढ़ाना और उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना प्राथमिकता है। महिलाओं की आय बढ़ेगी तो परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और गांवों में समृद्धि का आधार तैयार होगा।

उप मुख्यमंत्री द्वारा डेवलपमेंट अल्टरनेटिव संस्था को निर्देशित किया कि मिशन के अधिकारियों के साथ 2 लाख रुपये तक के अच्छे ई-रिक्शा की पहचान कर, उस तरह के रिक्शे ही समूह की महिलाओं को उपलब्ध कराये जाएं ताकि समूह की दीदियों पर आर्थिक रूप से अधिक बोझ न पड़े और कम लागत में उनको अधिक लाभ हो। उन्होंने निर्देश दिए कि तकनीक के माध्यम से महिला स्वयं सहायता समूहों की आय बढ़ाने के प्रयास किए जाएं। इसके लिए योजना तैयार की जाए कि प्रत्येक संकुल स्तरीय संघ के पास कम से कम एक ड्रोन उपलब्ध हो।

ड्रोन के उपयोग से कृषि एवं अन्य गतिविधियों में नई तकनीक को बढ़ावा देने के साथ-साथ महिलाओं के लिए आय के नए अवसर सृजित किए जाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि बीमा क्लेम के मामलों का सभ्य, संवेदनशील एवं शालीनता के साथ समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि किसी भी गरीब महिला के साथ छल या धोखाधड़ी न हो तथा इस संबंध में अधिकारी लगातार पैनी नजर रखें। उन्होंने महिलाओं को गाय-भैंस खरीदने के लिए सरल एवं सुगम तरीके से ऋण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दुग्ध उत्पादन से महिलाएं अपनी आय बढ़ा सकती हैं और इससे प्रदेश में अधिक से अधिक महिलाओं को लखपति दीदी बनाने के लक्ष्य को गति मिलेगी। उपमुख्यमंत्री ने बैंकर्स एवं अधिकारियों को सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी एवं जागरूकता बढ़ाने के निर्देश दिए।

पर्यटकों को और अधिक पर्यावरण मित्र सुविधाएं उपलब्ध करायें

वन मंत्री ने की पीलीभीत बाघ संरक्षण फाउण्डेशन के शासी निकाय की तृतीय बैठक

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। वन विभाग मुख्यालय स्थित पारिजात कक्ष में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) वन, पर्यावरण, जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन विभाग डा. अरूण कुमार सक्सेना की अध्यक्षता में पीलीभीत बाघ संरक्षण फाउण्डेशन के शासी निकाय (गवर्निंग बॉडी) की तृतीय बैठक सम्पन्न हुई।

शासी निकाय की द्वितीय बैठक की कार्यवाही, पिछली बैठक मे लिए गए निर्णय के सापेक्ष कृत कार्यवाही, वित्तीय वर्ष 2025-26 के प्राविधानित कार्यों के विरूद्ध आय-व्यय का विवरण, पीलीभीत टाइगर कंजर्वेशन फाउण्डेशन की वित्तीय वर्ष 2024-25 एवं 2025-2026 की बैलेंस शीट का अवलोकन और अनुमोदन, पर्यटन सत्र 2026-27 के लिए प्रस्तावित दरें एवं वित्तीय वर्ष 2026-27 में पीलीभीत बाघ संरक्षण फाउण्डेशन में उपलब्ध धनराशि के सापेक्ष विभिन्न क्षेत्रों में प्रस्तावित कार्य, पीलीभीत टाइगर रिजर्व एवं अन्य एजेण्डा बिन्दुओं पर विचार-विमर्श के बाद गवर्निंग बॉडी ने प्रस्तावों का अनुमोदन किया।

मंत्री डा. अरूण कुमार सक्सेना ने पीलीभीत बाघ संरक्षण फाउण्डेशन के गठन के बाद फाउण्डेशन द्वारा किये गये कार्यों व पीलीभीत टाइगर रिजर्व के समीपवर्ती क्षेत्रों में मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं की रोकथाम के लिए किए गए प्रभावी उपायों की सराहना करते हुए कहा कि इस दिशा में निरन्तर जागरूक रहते हुए सतर्कता पूर्वक त्वरित कार्यवाही की जाए। गवर्निंग बॉडी के अध्यक्ष डा. अरूण कुमार सक्सेना ने पीलीभीत टाइगर रिजर्व में इको पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए पर्यटकों को और अधिक पर्यावरण मित्र सुविधाएं उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि मानव-वन्यजीव संघर्ष से पीड़ित ग्रामवासियों व उनके परिवारों के प्रति सहानुभूति व्यक्त करते हुए शासन द्वारा दी गयी सुविधाएं तत्काल उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। पीलीभीत टाइगर रिजर्व का प्रधानमंत्री द्वारा मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात में पीलीभीत टाइगर रिजर्व में बाघ मित्रों के कार्यों का उल्लेख करने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए समस्त अधिकारियों व कर्मचारियों को इस सफलता के लिए बधाई दी।

शासी निकाय (गवर्निंग बॉडी) की बैठक में राज्य मंत्री केपी मलिक ने कहा कि वन्यजीव विशेषकर बाघों के संरक्षण में पीलीभीत टाइगर रिजर्व ने सराहनीय कार्य किया है तथा जैव विविधता संरक्षण व संवर्द्धन व प्राकृतवास समृद्ध करने के फलस्वरूप मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं में कमी आयी है।

दिल्ली हादसा : 25 साल पुरानी इमारतों का सर्वे करायेगा एलडीए

जर्जर भवनों का होगा स्ट्रक्चरल ऑडिट, कमजोर मिलने पर मरम्मत या ध्वस्तीकरण, जोनल अफसरों को 20-20 इमारतें चिन्हित करने का लक्ष्य

लखनऊ। दिल्ली के सत्य निकेतन में पांच मंजिला पीजी भवन गिरने से सात लोगों की मौत के बाद लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) भी अलर्ट हो गया है। एलडीए अपनी विकसित कॉलोनियों में जर्जर और खतरनाक इमारतों का सर्वे कराएगा। सर्वे के बाद चिन्हित भवनों का स्ट्रक्चरल ऑडिट कराया जाएगा। कमजोर पाए जाने पर भवनस्वामी को मरम्मत कराने या भवन ध्वस्त करने के निर्देश दिए जाएंगे। कार्रवाई नहीं होने पर एलडीए आम लोगों की सुरक्षा को देखते हुए खुद ध्वस्तीकरण कराएगा।

एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने अधिकारियों को गोमती नगर, अलीगंज, जानकीपुरम, कानपुर रोड, शारदा नगर, महानगर, आशियाना समेत सभी योजनाओं में ऐसी इमारतें चिन्हित करने के निर्देश दिए हैं, जो खस्ताहाल हैं। फिलहाल 25 वर्ष से अधिक पुरानी इमारतों को सर्वे के दायरे में रखा गया है। एलडीए के सातों जोन के जोनल अधिकारियों को 20-20 भवन चिन्हित करने का लक्ष्य दिया गया है। सर्वे पूरा होने के बाद भवनों का स्ट्रक्चरल ऑडिट कराया जाएगा। जांच में भवन कमजोर मिलने पर संबंधित भवनस्वामी को जरूरी मरम्मत अथवा ध्वस्तीकरण कराना होगा। नियमों का पालन नहीं होने पर एलडीए कार्रवाई करेगा।

अवैध निर्माण पर सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई

- अलीगंज में चिन्हित 51 भवनों में 45 पर आवासीय भूखंड में व्यावसायिक गतिविधियां
- 39 ने शमन के लिए किया आवेदन

लखनऊ। अलीगंज क्षेत्र में मानकों के विपरीत और बिना स्वीकृत मानचित्र के बने व्यावसायिक निर्माण के मामले में सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को सुनवाई होगी। मामले की गंभीरता को देखते हुए एलडीए की टीम तैयारियों के साथ दिल्ली पहुंच गई है।

सुप्रीम कोर्ट में लंबित जनहित याचिका लोकनाथन बनाम तमिलनाडु राज्य सरकार के साथ लखनऊ समेत अन्य महानगरों में अवैध निर्माण का मामला भी सुनवाई के दायरे में है। अलीगंज के सेक्टर-डी में आवासीय भूखंड पर बने व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स में 22 जून को हुए अग्निकांड के बाद सुप्रीम कोर्ट ने मामले को गंभीरता से लिया था।

एलडीए ने कोर्ट को बताया था कि अलीगंज क्षेत्र में आवासीय भू-उपयोग वाले भूखंडों पर मानकों के विपरीत 51 व्यावसायिक निर्माण चिन्हित किए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर टीम ने पांच सितंबर को शहर में सर्वे किया था और छह सितंबर को वापस गई थी। एलडीए के रिकॉर्ड के मुताबिक 51 चिन्हित भवनों में पांच का भू-उपयोग

आवासीय और एक का कॉमर्शियल है। सर्वे में सामने आया कि आवासीय भूखंडों पर केवल पांच भवन ही आवासीय उपयोग में हैं, जबकि 45 में कॉम्प्लेक्स, होटल, अस्पताल और रेस्टोरेंट जैसी व्यावसायिक गतिविधियां संचालित हो रही हैं। अब कार्रवाई से बचने के लिए भवनस्वामी शमन के लिए आवेदन कर रहे हैं। चिन्हित 51 भवनों में 39 ने शमन के लिए आवेदन किया है, जबकि 17 आवेदकों ने निर्धारित धनराशि भी जमा कर दी है।

नैमिष नगर में प्लॉट महंगे, 3,800 रुपये वर्गफीट तक होगी कीमत

लखनऊ। एलडीए की दो नई आवासीय योजनाओं नैमिष नगर और वरुण विहार की लॉन्चिंग 14 सितंबर को प्रस्तावित है। इनमें सीतापुर रोड स्थित नैमिष नगर योजना में भूखंडों की प्रस्तावित दर वरुण विहार से करीब 1,000 रुपये प्रति वर्गफीट अधिक होगी। नैमिष नगर में दर करीब 3,800 रुपये और वरुण विहार में 2,800 रुपये प्रति वर्गफीट तक हो सकती है दोनों योजनाओं की बुकलेट तैयार हो चुकी है और पहले चरण में करीब 6,000 भूखंडों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण खोला जाएगा। योजनाओं का रेरा पंजीकरण भी हो चुका है। मुख्यमंत्री के हाथों शुभारंभ के बाद पंजीकरण शुरू किया जाएगा। नैमिष नगर करीब 4,100 एकड़ में विकसित होगी। यहां 800 से 5,000 वर्गफीट तक के भूखंड प्रस्तावित हैं। योजना में मेडिटेशन सेंटर, एजुकेशन हब, मेडिकल हब, कल्चरल सिटी, कम्युनिटी पार्क और शॉपिंग स्ट्रीट के साथ एक जिला-एक उत्पाद केंद्र भी विकसित किया जाएगा। वहीं आगरा एक्सप्रेस-वे के पास 6,580 एकड़ में वरुण विहार विकसित की जा रही है। यहां 1,250 से 5,000 वर्गफीट तक के करीब 22,000 भूखंड प्रस्तावित हैं। 800 एकड़ से अधिक क्षेत्र में ग्रीन बेल्ट, पार्क और वाटर बॉडीज विकसित होंगी। योजना में करीब 70 एकड़ की झील और अंतरराष्ट्रीय स्तर का गोल्फ कोर्स भी प्रस्तावित है। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार के मुताबिक दोनों योजनाओं की लॉन्चिंग की तैयारियां पूरी हैं। मुख्यमंत्री के शुभारंभ के साथ ही ऑनलाइन पंजीकरण खोल दिया जाएगा।

460 प्लॉट के लिए उमड़ा हुजूम, 8,229 लोगों ने कराया पंजीकरण

- अनंत नगर योजना के पांचवें चरण में लॉटरी से आवंटित होंगे भूखंड

लखनऊ। मोहान रोड पर विकसित हो रही एलडीए की अनंत नगर आवासीय योजना में प्लॉट पाने के लिए लोगों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। पांचवें चरण में 460 भूखंडों के लिए खोले गए ऑनलाइन पंजीकरण में अंतिम दिन बुधवार शाम सात बजे तक 8,229 लोगों ने आवेदन किया। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि इन भूखंडों का आवंटन लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा। लॉटरी की तारीख जल्द घोषित की जाएगी। करीब 785 एकड़ में विकसित हो रही अनंत नगर योजना में लगभग डेढ़ लाख लोगों के लिए आवासीय सुविधा विकसित की जा रही है। योजना का विकास अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप ग्रिड पैटर्न पर किया जा रहा है। चौड़ी सड़कों के साथ निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए भूमिगत केबल बिछाई जा रही हैं। यहां बड़े क्षेत्र में एडुटेक सिटी और करीब 130 एकड़ में पार्क व ग्रीन स्पेस विकसित किए जा रहे हैं। अपर सचिव ज्ञानेंद्र वर्मा के अनुसार योजना के पहले चार चरणों में करीब 1,700 भूखंडों का आवंटन लॉटरी से किया जा चुका है, जिसमें 35 हजार से अधिक लोगों ने भाग लिया था। पांचवें चरण में आशीष खंड के 460 भूखंडों के लिए 9 अगस्त से 9 सितंबर तक ऑनलाइन पंजीकरण कराया गया। इनमें 200 वर्गमीटर के 23, 162 वर्गमीटर के 12 और 112.5 वर्गमीटर के 425 भूखंड शामिल हैं।

पीलीभीत की मिट्टी में बासमती की खुशबू, मिलेगी आधुनिक खेती की तकनीक

वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी बासमती एवं जैविक प्रशिक्षण केंद्र का शिलान्यास

विशेष संवाददाता (vol)

पीलीभीत। पीलीभीत के बासमती चावल को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार में नई पहचान दिलाने की दिशा में बुधवार को महत्वपूर्ण पहल हुई। जिले में वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी बासमती एवं जैविक प्रशिक्षण केंद्र सह प्रदर्शन फार्म का शिलान्यास किया गया। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री जितिन प्रसाद और प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने प्रशिक्षण केंद्र की आधारशिला रखी।

कृषि विभाग की ओर से विकसित किए जा रहे इस केंद्र का उद्देश्य किसानों को गुणवत्तापूर्ण बासमती उत्पादन, आधुनिक कृषि तकनीक और जैविक खेती की वैज्ञानिक पद्धतियों से जोड़ना है। यहां किसानों को बदलती बाजार जरूरतों के अनुरूप उत्पादन और बेहतर कृषि

- प्रदर्शन फार्म में खेत पर सीखेंगे नई कृषि पद्धतियां

पद्धतियों की जानकारी दी जाएगी। प्रशिक्षण केंद्र के साथ विकसित होने वाले प्रदर्शन फार्म में आधुनिक और जैविक कृषि तकनीकों का व्यावहारिक प्रदर्शन किया जाएगा। किसान खेत पर नई तकनीकों को देखकर, समझकर और उनका प्रयोग कर सकेंगे। इससे उन्हें पारंपरिक खेती के साथ आधुनिक तकनीकों को अपनाने का प्रत्यक्ष अनुभव मिलेगा। परियोजना से पीलीभीत में बासमती की गुणवत्ता, उत्पादकता और बाजार क्षमता बढ़ाने पर जोर रहेगा। किसानों को बाजार की मांग के अनुसार उत्पादन करने और बेहतर कृषि पद्धतियां अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इससे पीलीभीत के बासमती चावल की देश-विदेश के बाजारों में पहचान मजबूत होने की उम्मीद है। केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने, उन्हें आधुनिक तकनीक से जोड़ने और कृषि क्षेत्र को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए लगातार काम कर रही हैं। वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों और बेहतर बाजार संपर्क से किसानों को अपनी उपज का बेहतर मूल्य हासिल करने के अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि पीलीभीत की मिट्टी और जलवायु बासमती उत्पादन के लिए अनुकूल हैं और यहां इसकी गुणवत्ता व उत्पादन क्षमता को और बेहतर करने की पर्याप्त संभावनाएं हैं। प्रशिक्षण केंद्र किसानों को आधुनिक एवं जैविक कृषि तकनीकों से जोड़ने के साथ गुणवत्तापूर्ण बासमती उत्पादन का प्रभावी मंच बनेगा। जितिन प्रसाद ने विश्वास जताया कि प्रशिक्षण, प्रदर्शन और तकनीकी मार्गदर्शन के जरिए यह केंद्र पीलीभीत के किसानों को नई कृषि तकनीकों से जोड़ेगा और जिले के बासमती चावल को राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय बाजार में नई पहचान दिलाने में मदद करेगा।

बैकुंठधाम में लगेगी लिफ्ट बुजुर्गों को मिलेगी राहत

विशेष संवाददाता (vol)

- 9.50 करोड़ रुपये से होगा सुंदरीकरण, एलपीजी शवदाह गृह भी तैयार

लखनऊ। गोमती नदी के किनारे स्थित बैकुंठधाम (भैंसाकुंड) में अब बुजुर्गों और दिव्यांगों को अंतिम संस्कार स्थल तक पहुंचने के लिए सीढ़ियों और रैंप का सहारा नहीं लेना पड़ेगा। नगर निगम यहां विशेष लिफ्ट लगाने जा रहा है, जिसमें जरूरत पड़ने पर शव को भी आसानी से नीचे ले जाया जा सकेगा। शहर के किसी अन्य अंतिम संस्कार स्थल पर फिलहाल इस तरह की सुविधा नहीं है।

बैकुंठधाम सड़क से करीब 20 फीट से अधिक नीचे स्थित है। अभी यहां आने-जाने के लिए रैंप और सीढ़ियों का इस्तेमाल होता है। नगर निगम ने सुंदरीकरण योजना के तहत लिफ्ट लगाने समेत विभिन्न कार्यों के लिए करीब 9.50 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया है। लिफ्ट लगाए जाने वाले स्थान पर कुछ अवैध कब्जा था। नगर निगम की टीम ने बुधवार को पुलिस बल की मौजूदगी में अभियान चलाकर इसे ध्वस्त कर दिया। इसके बाद लिफ्ट लगाने का रास्ता साफ हो गया है। नगर निगम के अवर अभियंता आरके मिश्रा ने बताया कि लिफ्ट को पर्याप्त आकार का बनाया जाएगा, ताकि उसमें बुजुर्गों के साथ शव को भी ले जाया जा सके। बैकुंठधाम के सुंदरीकरण के तहत दो एलपीजी आधारित शवदाह गृह भी बनाए गए हैं। इनसे अंतिम संस्कार के लिए लकड़ी की खपत कम होगी। नगर निगम पहले यहां हरित शवदाह गृह भी विकसित कर चुका है। इस तरह बैकुंठधाम में अंतिम संस्कार के साथ सुविधाओं और पर्यावरण संरक्षण, दोनों को ध्यान में रखकर व्यवस्थाएं विकसित की जा रही हैं।

चिकित्सा शिक्षा में सेवा भावना जरूरीः असीम अरुण

लखनऊ। किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) के संबद्ध एवं स्वास्थ्य देख-रेख विज्ञान संकाय में बुधवार को नवप्रवेशी स्नातक छात्र-छात्राओं के स्वागत एवं अभिमुखीकरण (इंडक्शन) समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) समाज कल्याण असीम अरुण ने छात्रों को चिकित्सा क्षेत्र में सेवा भावना के साथ आगे बढ़ने की सीख दी। उन्होंने कहा कि युवा छात्र भविष्य में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने में अहम योगदान देंगे। सहायक अधिष्ठाता डॉ.दीपक भागचंदानी ने नवप्रवेशी छात्रों को शपथ दिलाई। छात्रों को विश्वविद्यालय की शैक्षणिक नीतियों, पाठ्यक्रम संरचना, भविष्य की संभावनाओं तथा शैक्षणिक, अनुसंधान एवं सांस्कृतिक गतिविधियों की जानकारी दी गई। केजीएमयू की कुलपति डॉ.सोनिया नित्यानंद ने कहा कि इंडक्शन समारोह केवल नई शैक्षणिक यात्रा की शुरूआत नहीं, बल्कि समर्पण, सेवा और अनुशासन के संकल्प का अवसर भी है। इस मौके पर डॉ. विनीत शर्मा, डॉ.विनोद जैन, डॉ. रश्मि कुशवाहा, डॉ. अनुप वर्मा, डॉ. संदीप तिवारी आदि मौजूद रहे।

फैजुल्लागंज में 90 घरों में चला घर-घर स्क्रीनिंग अभियान

लखनऊ। संक्रामक रोग फैलने की सूचना मिलने पर बुधवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने फैजुल्लागंज क्षेत्र में 90 घरों में स्क्रीनिंग अभियान चलाया गया। डा. आसमा प्रभारी चिकित्साधिकारी नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र फैजुल्लागंज एवं क्षेत्रीय एएनएम एवं आशा की टीम द्वारा पुराना दाऊदनगर के मामा कालोनी एवं कैलाश विहार में 90 घरों का भ्रमण किया गया। क्षेत्र में क्लोरीन की गोलियां एंव ओआरएस पैकेट का भी वितरण किया। इसके अतिरिक्त क्षेत्र में मेडिकल मोबाइल यूनिट वाहन के माध्यम से 61 जनसामान्य को चिकित्सा सुविधा का लाभ प्रदान किया गया।

आदर्श गांव बनाने में देरी बर्दाश्त नहीं

1,878 गांवों को तत्काल मिले दर्जा, एक माह में पास कराएं 5,973 गांवों का विकास प्लान

विशेष संवाददाता (vol)

- लंपी, संचारी रोग और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लापरवाही पर सख्ती

लखनऊ। मुख्य सचिव एस.पी. गोयल ने बुधवार को मंडलायुक्तों और जिलाधिकारियों के साथ साप्ताहिक समीक्षा बैठक में विकास और जनस्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों पर अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने आदर्श ग्राम योजना के तहत लंबित कार्यों को एक माह में पूरा कराने और लंपी स्किन डिजीज, संचारी रोग, इन्फ्लुएन्जा तथा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं स्वास्थ्य सेवाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देने को कहा।

मुख्य सचिव ने कहा कि आदर्श ग्राम योजना के तहत शेष 5,973 गांवों का विलेज डेवलपमेंट प्लान तैयार कराकर जिला स्तरीय समिति से एक माह के भीतर अनुमोदित कराया जाए। वहीं 70 अंक प्राप्त कर चुके 1,878 गांवों को तत्काल आदर्श ग्राम घोषित करने के निर्देश दिए। उन्होंने चेतावनी दी कि निर्धारित अवधि में लंबित मामलों का निस्तारण नहीं हुआ तो संबंधित मुख्य विकास अधिकारी की जवाबदेही तय होगी। एक माह में पेंडेंसी समाप्त नहीं होने पर संबंधित सीडीओ के खिलाफ प्रतिकूल प्रविष्टि की कार्रवाई भी की जाएगी। प्रदेश में योजना के तहत कुल 12,382 गांव चयनित हैं। इनमें 6,409 गांवों के ड्राफ्ट विलेज डेवलपमेंट प्लान तैयार हो चुके हैं, 5,050 गांवों के प्लान अंतिम रूप ले चुके हैं और 3,861 गांव आदर्श ग्राम घोषित किए जा चुके हैं। लंपी स्किन डिजीज को लेकर मुख्य सचिव ने प्रभावित जिलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने रिंग वैक्सीनेशन, संक्रमित पशुओं को अलग रखने, वेक्टर कंट्रोल, कीटाणुशोधन और साफ-सफाई जैसे उपायों को प्राथमिकता देने को कहा। सीडीओ को हर दूसरे दिन बीमारी की स्थिति की समीक्षा करने के निर्देश दिए गए हैं। पशु चिकित्सकों की अस्पतालों में समय से उपस्थिति, गांवों में टीकाकरण शिविर और पशु सखी, पैरावेट व मैत्री को प्रशिक्षण देने पर भी जोर दिया गया। अब तक प्रदेश में 9,003 पशु प्रभावित हुए हैं, जिनका उपचार किया जा चुका है। वर्तमान में 1,430 सक्रिय मामले हैं। प्रभावित जिलों में 606 टीमें तैनात हैं और 16.08 लाख से अधिक पशुओं का टीकाकरण किया जा चुका है। प्रदेश मुख्यालय पर 33.81 लाख से अधिक वैक्सीन रिजर्व हैं। संचारी रोगों की रोकथाम के लिए हाई रिस्क क्षेत्रों में निरोधात्मक गतिविधियां तेज करने को कहा गया। इन्फ्लुएन्जा ए, एच1एन1 और सीजनल इन्फ्लुएन्जा के मामलों की समीक्षा में मुख्य सचिव ने अधिक प्रभावित जिलों में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। बाढ़ प्रभावित इलाकों में एंटी-लार्वा छिड़काव, कीचड़ की सफाई और वेक्टर जनित बीमारियों से बचाव के उपाय तेज करने के निर्देश दिए गए। मुख्य सचिव ने कहा कि पानी उतरते ही फसल क्षति का सर्वे शुरू कराया जाए, ताकि किसानों को समय से नियमानुसार मुआवजा मिल सके।

बारिश ने रोका रास्ता तो युवाओं को मिला दूसरा मौका

विशेष संवाददाता (vol

लखनऊ। भारी बारिश के कारण रोजगार के अवसर से वंचित रह गए सरोजनीनगर के युवाओं के लिए दूसरा मौका उपलब्ध कराया गया। विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह के नेतृत्व में भारत रोजगार सेवा की ओर से आयोजित भारत रोजगार महोत्सव–लखनऊ संस्करण-2 के दूसरे चरण में 200 से अधिक युवाओं के साक्षात्कार लिए गए। दोनों चरणों को मिलाकर 1,000 से अधिक युवाओं को रोजगार के अवसरों से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है।

2 सितंबर को आयोजित पहले चरण में मूसलाधार बारिश के बावजूद 817 युवाओं ने पंजीकरण कराया था। इनमें 250 अभ्यर्थियों के साक्षात्कार हुए। बारिश और अन्य अपरिहार्य कारणों से जो युवा उस दिन नहीं पहुंच सके, उनके लिए 9 सितंबर को दूसरा चरण आयोजित किया गया। रोजगार महोत्सव में टाटा मोटर्स, अडानी, एयरटेल और सैमसंग समेत प्रमुख कंपनियों के प्रतिनिधियों ने भर्ती प्रक्रिया में हिस्सा लिया।

ट्रेनी, डेटा एंट्री ऑपरेटर, वायरमैन, स्मार्ट मीटर इंस्टॉलर, प्रमोटर, स्टीवर्ड और फील्ड सेल्स एग्जीक्यूटिव समेत विभिन्न पदों के लिए अवसर उपलब्ध कराए गए। तीन साक्षात्कार केंद्रों पर एक अभ्यर्थी–एक साक्षात्कार मॉडल अपनाया गया। अभ्यर्थियों की योग्यता, कौशल और अनुभव के आधार पर उनके लिए उपयुक्त रोजगार अवसर चिन्हित किए गए। इस पहल की खास बात यह है कि चयन प्रक्रिया साक्षात्कार के बाद खत्म नहीं होगी। प्रत्येक अभ्यर्थी की स्थिति की समीक्षा की जाएगी। जिन्हें अतिरिक्त कौशल की जरूरत होगी, उन्हें रण बहादुर सिंह डिजिटल शिक्षा एवं सशक्तिकरण केंद्रों के माध्यम से निःशुल्क अपस्किलिंग और पुनःप्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के बाद उन्हें आगामी रोजगार मेले में दोबारा कंपनियों के सामने अवसर दिया जाएगा। रोजगार अभियान की आधारशिला रण बहादुर सिंह डिजिटल शिक्षा एवं सशक्तिकरण केंद्र हैं। इन केंद्रों के माध्यम से अब तक 1,250 से अधिक युवाओं को निःशुल्क डिजिटल और व्यावसायिक कौशल प्रशिक्षण दिया जा चुका है।

डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि उद्देश्य केवल रोजगार मेला आयोजित कर संख्या गिनना नहीं, बल्कि प्रत्येक युवा को रोजगार, कौशल या उद्यमिता से जोड़ना है। उनका कहना है कि जिस युवा को अतिरिक्त कौशल की जरूरत होगी, उसे प्रशिक्षित किया जाएगा और जो युवा रोजगार के बजाय उद्यमिता की राह चुनना चाहता है, उसे रोजगार देने वाला बनने के लिए तैयार किया जाएगा।

नर्सिंग संवर्ग की लंबित मांगों पर 22 तक शासनादेश का अल्टीमेटम

लखनऊ। राजकीय नर्सेस संघ उत्तर प्रदेश ने नर्सिंग संवर्ग की लंबित मांगों को लेकर शासन को 22 सितम्बर तक का समय दिया है। संघ ने कहा है कि तय समय तक मांगों पर शासनादेश जारी नहीं हुआ तो 26 सितम्बर को होने वाली कार्यकारिणी की बैठक में आंदोलन की अगली रणनीति तय की जाएगी। संघ ने चरणबद्ध आंदोलन की चेतावनी दी है।संघ के महामंत्री अशोक कुमार के मुताबिक आठ नवम्बर 2025 को हुए अधिवेशन में डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने संघ की 13 सूत्रीय मांगों में से पांच पर सहमति जताई थी। महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य समेत शासन के अधिकारियों से संघ के प्रतिनिधिमंडल की बैठक हुई। जल्द शासनादेश जारी करने का आश्वासन दिया गया था। इसके बावजूद अब तक आदेश जारी नहीं हुआ।समान काम पर भत्तों में अंतर का मुद्दासंघ ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग के नर्सिंग कर्मचारियों को पीजीआई, केजीएमयू, लोहिया संस्थान के नर्सिंग संवर्ग के समान भत्ते देने की मांग की है। संघ का कहना है कि वेतनमान, शैक्षिक योग्यता, कार्य की प्रकृति और जिम्मेदारियां समान होने के बावजूद भत्तों में अंतर है। संघ ने नर्सिंग कर्मचारियों की गृह जिले में नियुक्ति और स्थानांतरण की मांग भी उठाई है।

पालतू कुत्तों का लाइसेंस नहीं तो नगर निगम वसूलेगा जुर्माना

लखनऊ। पालतू कुत्तों के लाइसेंस को लेकर नगर निगम ने सख्ती बढ़ा दी है। बुधवार को जोन-3 के अलीगंज क्षेत्र में चंद्रलोक कॉलोनी, सेक्टर-ए, ई, आई और कपूरथला मार्ग पर विशेष जांच अभियान चलाया गया। सुबह छह बजे शुरू हुए अभियान में बिना लाइसेंस पालतू कुत्ते रखने वाले चार लोगों से 20 हजार रुपये जुर्माना वसूला गया। जुर्माना जमा कराने के बाद मौके पर ही चारों लोगों के लाइसेंस जारी कर दिए गए। अभियान के दौरान एक जर्मन शेपर्ड कुत्ते को भी जब्त किया गया। इस तरह नगर निगम के कोष में कुल 24 हजार रुपये जमा हुए। अभियान के दौरान कई ऐसे पालतू कुत्ते भी मिले, जिनका लाइसेंस और वैक्सीनेशन पूरा था। नगर निगम के अनुसार शहर में करीब 10 हजार पालतू कुत्ते पंजीकृत अथवा अपंजीकृत रूप से रखे जा रहे हैं। इनमें अभी तक करीब 3,400 के ही लाइसेंस बने हैं।

एआई शिक्षकों का विकल्प नहीं शिक्षा को नयी दिशा देने का माध्यम

विशेष संवाददाता (vol)

- शिक्षण संवाद कार्यक्रम में बोले नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा उत्तर प्रदेश

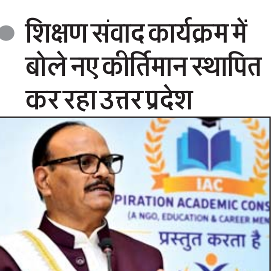

लखनऊ। राजधानी में आयोजित शिक्षक संवाद कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को लेकर रोजगार समाप्त होने की आशंका जताई जा रही है, लेकिन तकनीक के विकास के साथ रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे।

एआई को चुनौती के बजाय अवसर के रूप में स्वीकार करने की जरूरत है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की शिक्षा परंपरा अत्यंत समृद्ध रही है। तक्षशिला और नालंदा जैसे विश्वविद्यालय हमारी गौरवशाली शैक्षिक विरासत के प्रतीक हैं। आज बदलते तकनीकी दौर में शिक्षा व्यवस्था को भी समय की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित करना जरूरी है।

एआई और आधुनिक तकनीक का बेहतर उपयोग शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। डिप्टी सीएम ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश में मेडिकल शिक्षा के क्षेत्र में 83 मेडिकल कॉलेज पूरी क्षमता से काम कर रहे हैं। वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में मेडिकल शिक्षा के क्षेत्र में करीब 40 मेडिकल कॉलेज थे। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा कौशल विकास के क्षेत्र में भी लगातार कार्य किया जा रहा है, जिससे युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध हो सकें।

15 मौतों के मामले में किरायेदार को हाईकोर्ट से जमानत

अलीगंज अग्निकांड

विधि संवाददाता, लखनऊ। अलीगंज के चार मंजिला भवन में 22 जुलाई 2024 को हुए अग्निकांड में 15 लोगों की मौत के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने एक किरायेदार को जमानत दे दी है।

न्यायमूर्ति मनीष कुमार ने आरोपी सुरेश कुमार साहू की जमानत अर्जी मंजूर करते हुए कहा कि प्रथमदृष्ट्या भवन मालिक की ओर से अग्निसुरक्षा मानकों और आवश्यक सुरक्षा उपायों का पालन नहीं किया गया था।

अदालत ने पाया कि आरोपी भवन का मालिक नहीं, बल्कि तीसरी मंजिल का किरायेदार था और घटना के दिन उसका किराये का हिस्सा बंद था। कोर्ट ने यह भी नोट किया कि भवन में प्रथमदृष्टया केवल एक निकास था। आरोपी के हिस्से के बाहर लगा चैनल गेट घटना के दिन बंद था और वह मौके पर मौजूद भी नहीं था। अदालत ने कहा कि आरोपी यह अनुमान नहीं लगा सकता था कि भवन में आग लगेगी और उसके हिस्से का गेट बंद होने से जनहानि हो सकती है। रिकॉर्ड पर उपलब्ध तस्वीरों से यह भी सामने आया कि तीसरी मंजिल से छत तक बाहर से कोई सीढ़ी नहीं थी। आरोपी ने अपने हिस्से से छत तक पहुंचने के लिए लकड़ी की सीढ़ी लगा रखी थी। कोर्ट ने यह भी ध्यान दिया कि आरोपी का कोई आपराधिक इतिहास नहीं है और वह 23 जून 2026 से जेल में था।

एनईआर के पीआरओ बने हिमांशु राव

लखनऊ। हिमांशु राव ने पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल में जनसम्पर्क अधिकारी के पद का कार्यभार बुधवार को ग्रहण कर लिया है। इससे पूर्व वह पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल में मुख्य प्रचार निरीक्षक के पद पर तैनात थे। उन्होंने बीएचयू से स्नातक और टाटा इन्फोटेक से माइक्रोसॉफ्ट में डिप्लोमा किया है।

वाराणसी से मुम्बई के मध्य चलेंगी दो जोड़ी विशेष ट्रेने

लखनऊ। त्योहारों के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त संख्या को ध्यान में रखते हुए उत्तर रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए दो जोड़ी आरक्षित फेस्टिवल स्पेशल एक्सप्रेस ट्रेनें चलाई जाएंगी। ये विशेष ट्रेनें सुल्तानपुर एवं वाराणसी से लोकमान्य तिलक टर्मिनस के मध्य संचालित की जाएंगी। सुल्तानपुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस-सुल्तानपुर आरक्षित फेस्टिवल स्पेशल एक्सप्रेस 21 अक्टूबर से 11 नवंबर तक प्रत्येक बुधवार को सुल्तानपुर से कुल 4 फेरों के लिए संचालित की जाएगी। वापसी दिशा में यह ट्रेन दिनांक 22 अक्टूबर से 12 नवंबर तक प्रत्येक गुरुवार को लोकमान्य तिलक टर्मिनस से कुल 04 फेरों के लिए चलेगी। 04212 सुल्तानपुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस विशेष ट्रेन सुल्तानपुर से प्रातः 4 बजे प्रस्थान कर लखनऊ में प्रातः 06.20 बजे आगमन एवं 6.30 बजे प्रस्थान, कानपुर सेंट्रल, उरई, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, बीना, रानी कमलापति, इटारसी, खंडवा, भुसावल, नासिक रोड, इगतपुरी, कल्याण एवं ठाणे होते हुए अगले दिन लोकमान्य तिलक टर्मिनस पर 14.00 बजे पहुंचेगी। 04211 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-सुल्तानपुर विशेष ट्रेन लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 15.00 बजे प्रस्थान कर ठाणे, कल्याण, इगतपुरी, नासिक रोड, भुसावल, खंडवा, इटारसी, रानी कमलापति, बीना, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, उरई, कानपुर सेंट्रल एवं लखनऊ में 20.50 बजे आगमन एवं 21.00 बजे प्रस्थान होते हुए सुल्तानपुर 23:00 बजे पहुंचेगी। 04226/04225 वाराणसी-लोकमान्य तिलक टर्मिनस-वाराणसी आरक्षित फेस्टिवल स्पेशल एक्सप्रेस दिनांक 22 अक्टूबर से 12 नवंबर तक प्रत्येक गुरुवार को वाराणसी से कुल 04 फेरों के लिए संचालित की जाएगी। वापसी दिशा में यह ट्रेन दिनांक 23 अक्टूबर से 13 नवंबर तक प्रत्येक शुक्रवार को लोकमान्य तिलक टर्मिनस से कुल 04 फेरों के लिए चलेगी।

केजीएमयू की सर्जरी टीम को सियोल मे सम्मान

लखनऊ। केजीएमयू के गैस्ट्रो सर्जरी विभाग की टीम ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। विभाग के सीनियर रेजिडेंट डॉ. पीयूष सिंह को दक्षिण कोरिया के सियोल में आयोजित इंटरनेशनल कोलोरेक्टल रिसर्च समिट में एक्सीलेंट पोस्टर प्रेजेंटेशन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। डा. पीयूष सिंह ने विभागाध्यक्ष डॉ. अभिजीत चंद्रा के मार्गदर्शन में शोध प्रस्तुत किया। उनकी टीम में डा. जूली शाह, डॉ. महेश राजशेखरा, डॉ. आकाश अग्रवाल और डॉ. अदिवीत देब शामिल रहे। केजीएमयू की कुलपति डॉ. सोनिया नित्यानंद ने गैस्ट्रो सर्जरी विभाग की टीम को इस उपलब्धि पर बधाई दी।

स्वाइन फ्लू की पांच नये मरीजों में पुष्टि

लखनऊ। राजधानी में बुधवार को पांच नये मरीजों में स्वाइन फ्लू की पुष्टि की गयी है। इसके अलावा अब तक एनफ्लूएंजा-ए एच1एन1 के 28 रोगी अस्पताल में भर्ती थे, जिनमें से 24 व्यक्ति स्वस्थ होने के उपरान्त अस्पताल से डिस्चार्ज हो चुके है। पांच नये रोगियों में एक रोगी एडमिट तथा चार रोगी होम आइसोलेशन में है। जनपद में एक्टिव केसो की संख्या 61 है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय से प्राप्त गाइडलाइन के अनुसार, तेज बुखार के साथ सीने में दर्द, बेहोशी, रक्तचाप कम होना, सांस फूलना, नाखूनों का नीला पड़ना या बलगम में खून आने जैसे गंभीर लक्षण दिखाई देने पर मरीज को गंभीर श्रेणी में रखते हुए रियल टाइम आरटी-पीसीआर जांच कराई जानी चाहिए।

महत्वपूर्ण नंबर
वूमेन पावर लाइन 1090
पुलिस 100
2629999
पुलिस स्टेशन गंज 2622556

फायर स्टेशन
हजरतगंज- कंट्रोल रूम
9454418642
गोमती नगर-9454418657

एम्बुलेंस
मेडिकल सेवा- 102, 108

मेट्रो

नवजात की मौत पर हाईकोर्ट सख्त

कोर्ट ने पूछा-नये मेडिकल कॉलेजों में जरूरी सुविधाएं क्यों नहीं

- एक अस्पताल से दूसरे को दौड़ाते रहे जिम्मेदार, आखिरकार मौत की गोद में सो गया नवजात

विधि संवाददाता

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने सुलतानपुर के राजकीय स्वायत्त मेडिकल कॉलेज में जन्मे एक नवजात को समय पर वेंटिलेटर, ऑक्सीजनयुक्त बेड और विशेषज्ञ चिकित्सक उपलब्ध नहीं होने से हुई मौत के मामले को गंभीरता से लिया है। कोर्ट ने सरकारी अस्पतालों में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह स्थिति चिंता का विषय है। कोर्ट ने जानना चाहा है कि प्रदेश में हाल में खोले गए अन्य मेडिकल कॉलेजों में आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं और विशेषज्ञ चिकित्सक उपलब्ध हैं या नहीं। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 11 सितम्बर को नियत किया है।

पीठ ने मामले में चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव, केजीएमयू के कुलपति, डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के निदेशक, एसजीपीजीआई के निदेशक अथवा उनके द्वारा नामित किसी जिम्मेदार चिकित्सक या अधिकारी तथा सुलतानपुर के मुख्य चिकित्सा अधिकारी को अगली सुनवाई पर वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़ने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने सभी अधिकारियों को याचिका में किए गए कथनों और पूर्व के न्यायिक आदेशों का अध्ययन कर सुनवाई में उपस्थित होने को कहा है। यह आदेश न्यायमूर्ति राजन राय और न्यायमूर्ति मंजिव शुक्ला की पीठ ने आशुतोष कुमार सिंह की ओर से दाखिल एक जनहित याचिका पर पारित किया है।

याची का कहना था कि नवजात का जन्म सुलतानपुर के राजकीय स्वायत्त मेडिकल कॉलेज में हुआ था। जन्म के बाद बच्चे में जन्मजात जटिलताएं सामने आईं जिसके बाद तीमारदारों को जिम्मेदार एक अस्पताल से दूसरे को दौड़ाते रहे और आखिरकार इलाज के अभाव में वह नवजात मौत की गोद में सो गया। याची ने कहा कि कोर्ट को सरकारी तंत्र के इस असंवेदनशील रवैये पर कड़ा संज्ञान लेना चाहिए। याचिका में कहा गया कि दरअसल नवजात की हालत को देखते हुए उसे वेंटिलेटर तथा बाल शल्य चिकित्सक की आवश्यकता थी, लेकिन मेडिकल कॉलेज में न तो वेंटिलेटर उपलब्ध था और न ही बाल शल्य चिकित्सक। कोर्ट को बताया गया कि यह मेडिकल कॉलेज करीब तीन वर्ष पहले खोला गया था और इसे फेज-3 मेडिकल कॉलेज बताया गया है। इसके बाद नवजात को बेहतर उपचार के लिए किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू),

लखनऊ रेफर किया गया। हालांकि, वहां चिकित्सकों ने ऑक्सीजन सुविधा वाले बेड यानी ओ-2 बेड उपलब्ध न होने के कारण बच्चे का उपचार करने में असमर्थता जताई। इसके बाद नवजात को डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान भेजा गया, लेकिन वहां भी बेड उपलब्ध नहीं हो सका।

संस्थान ने बच्चे को एसजीपीजीआई रेफर किया, मगर वहां संबंधित विभाग में भी बेड उपलब्ध नहीं था। अंततः जन्म के 24 घंटे के भीतर नवजात की मौत हो गई। इस प्रकरण पर संज्ञान लेते हुए कोर्ट ने सुनवाई के दौरान सरकारी अस्पतालों की व्यवस्थाओं पर गंभीर टिप्पणी की। पीठ ने कहा कि यह सरकारी अस्पतालों की स्थिति है। कोर्ट ने कहा कि पहले भी विभिन्न जनहित याचिकाओं में सरकारी अस्पतालों में पर्याप्त वेंटिलेटर और अन्य चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने से जुड़े मुद्दों पर संज्ञान लिया जा चुका है। पीठ ने विशेष रूप से कहा कि जब सुलतानपुर जैसे नए मेडिकल कॉलेज में प्रसव कराए जा रहे हैं तो वहां आपात स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक विशेषज्ञ चिकित्सक और उपकरण उपलब्ध होने चाहिए। नवजात में जन्मजात जटिलता सामने आने पर विशेषज्ञ बाल चिकित्सक अथवा बाल शल्य चिकित्सक की आवश्यकता पड़ सकती है। ऐसे में यदि संबंधित विशेषज्ञ और जरूरी उपकरण ही उपलब्ध नहीं होंगे तो गंभीर मरीजों को दूसरे अस्पतालों में भेजने की स्थिति पैदा होगी।

दुर्गा शक्ति नागपाल के विरुद्ध अवमानना की सुनवाई शुरू

लखनऊ, विधि संवाददाता। गोण्डा जनपद के एक भूमि विवाद मामले की सुनवाई कर रही सिविल जज (सीनियर डिवीजन) को वहाँ की मंडलायुक्त वरिष्ठ आईएएस दुर्गा शक्ति नागपाल द्वारा फोन कर प्रभावित करने के कथित प्रयास के मामले में स्वतः संज्ञान द्वारा दर्ज आपराधिक अवमानना की याचिका पर बुधवार को सुनवाई हुई। हालांकि समय की कमी के चलते सुनवाई पूरी नहीं हो सकी, इस पर अगली सुनवायी के लिए न्यायालय ने मामले को 22 सितंबर को सूचीबद्ध करने का आदेश दिया है।

समयपूर्व रिहाई के 380 आवेदन लंबित, हाईकोर्ट ने मांगा हिसाब

- फरवरी तक 3447 में से 2570 आवेदनों का हुआ निस्तारण 1357 को मिली मंजूरी

विधि संवाददाता

लखनऊ। जेलों में बंद कैदियों की समयपूर्व रिहाई के मामलों में इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने राज्य सरकार से लंबित आवेदनों की स्थिति स्पष्ट करने को कहा है। कोर्ट ने सरकार से पूछा है कि सितंबर 2024 से फरवरी 2026 के बीच प्राप्त समयपूर्व रिहाई के 3447 आवेदनों में से शेष 380 आवेदनों का क्या हुआ। साथ ही यह भी बताने को कहा है कि सितंबर 2024 से पहले दाखिल कोई आवेदन अभी भी लंबित है या नहीं। न्यायमूर्ति राजन राय और न्यायमूर्ति मंजिव शुक्ला की पीठ ने राज्य सरकार को पूर्व के आदेशों और बुधवार को पारित आदेश के आलोक में हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है।

कोर्ट ने कहा है कि इस हलफनामे को कारागार प्रशासन एवं सुधार विभाग के अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव द्वारा देखा और अनुमोदित किया जाए। मामले की अगली सुनवाई 11 सितंबर को होगी। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से अपर मुख्य स्थायी अधिवक्ता निशांत शुक्ला ने कोर्ट को बताया कि सितंबर 2024 से फरवरी 2026 के बीच समयपूर्व रिहाई के लिए कुल 3447 आवेदन प्राप्त हुए थे। इनमें से फरवरी 2026 के अंत तक 2570 आवेदनों का निस्तारण किया जा चुका था। निस्तारित किए गए आवेदनों में 1213 आवेदन खारिज किए, जबकि 1357 आवेदनों को मंजूरी प्रदान की गई। फरवरी 2026 के अंत तक कुल 877 आवेदन लंबित रह गए थे। इसके बाद 21 मई 2026 तक इनमें से 497 और आवेदनों को मंजूरी दे दी गई। इसके परिणामस्वरूप उक्त तारीख तक कुल 3447 आवेदनों में से केवल 380 आवेदन लंबित रह गए थे। कोर्ट ने अब इन 380 आवेदनों की वर्तमान स्थिति जानने की इच्छा जताई है। पीठ ने राज्य सरकार से पूछा है कि 21 मई 2026 के बाद इन आवेदनों पर क्या निर्णय लिया गया। साथ ही यह भी स्पष्ट करने को कहा है कि सितंबर 2024 से पहले समयपूर्व रिहाई के लिए दाखिल किया गया आवेदन अभी भी लंबित है तो उसकी संख्या कितनी है और उसके लंबित रहने के क्या कारण हैं।

पीडब्ल्यूडी के प्रमुख सचिव हाईकोर्ट में तलब

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने गोण्डा जिले में 21 किलोमीटर लंबी बदहाल सड़क की मरम्मत और चौड़ीकरण के मामले में सख्त रुख अपनाते हुए लोक निर्माण विभाग के प्रमुख सचिव को 14 सितम्बर को व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में उपस्थित होने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा है कि पूर्व आदेश के बावजूद संबंधित अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कार्यवाही में शामिल नहीं हुए। यह आदेश न्यायमूर्ति आलोक माथुर और न्यायमूर्ति अमिताभ कुमार राय की पीठ ने महेंद्र कुमार त्रिपाठी की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया है। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि 10 अगस्त 2026 को प्रमुख सचिव, लोक निर्माण विभाग को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कोर्ट की कार्यवाही में शामिल होने का निर्देश दिया गया था। इसके बावजूद वह कोर्ट की कार्यवाही में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित नहीं हुए। इसे गंभीरता से लेते हुए कोर्ट ने अब उन्हें व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का निर्देश दिया है। मामले में पूर्व में कोर्ट ने गोण्डा की करीब 21 किलोमीटर लंबी एक एमडीआर श्रेणी की सड़क की खराब स्थिति पर भी चिंता जताई थी। 28 जनवरी 2026 को कोर्ट ने गोण्डा के मुख्य अभियंता को मौके पर निरीक्षण कर सड़क की स्थिति की रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था। साथ ही सड़क के संबंधित हिस्सों की तस्वीरें भी दाखिल करने को कहा था।

पति ने गला दबाकर की थी महिला की हत्या

लखनऊ। तालकटोरा इलाके में किराए के मकान में रहने वाले सैलून के कर्मचारी रोहित ने प्रेम संबंध के शक में पत्नी रागिनी (29) की गला दबाकर हत्या की थी। फिर उसका शव पारा स्थित निजी मकान पर लेकर चला गया। ससुरालीजनों के संदेह पर पारा पुलिस ने रागिनी का मंगलवार को पोस्टमार्टम कराया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला दबाकर हत्या की पुष्टि हुई है। मृतका के पिता ने तालकटोरा थाने में आरोपी पति के खिलाफ हत्या की एफआईआर करवाई है।

घटना स्थल तालकटोरा थाने होने के नाते मुकदमा दर्ज कर आरोपी को पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। उन्नाव थाना कोतवाली के एबी नगर निवासी राकेश कुमार के मुताबिक बेटी रागिनी का विवाह नौ साल पहले पारा भपटामऊ जाहिद नगर के रोहित के साथ हुआ था। राकेश का आरोप है कि बीते दो साल से आरोपी रोहित पत्नी पर किसी दूसरे के साथ संबंध होने का शक जताते हुए मारपीट करता था। रोहित कृष्णा नगर के एक सैलून में काम करता था। उसकी आठ साल की बेटी है राकेश का आरोप है कि मंगलवार को रोहित ने कॉल करके रागिनी की मौत की सूचना दी थी। फिर रागिनी का शव तालकटोरा में किराये के मकान से लेकर अपने जाहिद नगर घर चला गया था। वहां पर पहुंचने ससुरालीजनों ने बेटी के शरीर पर चोट के निशान देखे तो रोहित से पूछताछ की और पोस्टमार्टम कराने को कहा।

इस पर आरोपी रोहित आनाकानी करने लगा। ससुरालीजनों की सूचना पर पारा पुलिस ने पहुंचकर शव कब्जे लेकर पोस्टमार्टम कराया। तालकटोरा थाना प्रभारी कुलदीप दुबे ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला दबाकर हत्या की पुष्टि हुई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और घटना स्थल होने के कारण मामले की एफआईआर मृतका के पिता राकेश की ओर से तालकटोरा थाने में दर्ज की गई है।

करोड़ों की सरकारी जमीन पर कब्जे का आरोप, मंडलायुक्त से जांच की मांग

- शिकायतकर्ता ने भू-माफिया व कर्मचारियों की भूमिका पर उठाये सवाल
- सदरौना में बंजर दर्ज भूमि पर प्लॉटिंग और निर्माण का दावा

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। सरकारी भूमि को कथित भू-माफियाओं के कब्जे से मुक्त कराने और पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर मानक नगर निवासी अभिषेक यादव ने मंडलायुक्त लखनऊ को शिकायती पत्र भेजा है। शिकायत में सरोजनी नगर तहसील क्षेत्र के ग्राम सदरौना स्थित करोड़ों रुपये कीमत की सरकारी भूमि पर कथित कब्जा कर प्लॉटिंग और निर्माण कराए जाने का आरोप लगाया गया है। शिकायतकर्ता ने मामले में राजस्व विभाग के कुछ कर्मचारियों की भूमिका पर भी सवाल उठाते हुए उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। शिकायती पत्र में बताया गया है कि ग्राम सदरौना में खसरा संख्या 2017, जिसका रकबा 0.2700 हेक्टेयर तथा खसरा संख्या 2018, जिसका रकबा 0.172 हेक्टेयर है, सरकारी अभिलेखों में बंजर भूमि के रूप में दर्ज है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि उक्त भूमि पर कथित रूप से रामकृष्ण शुक्ला, अनुभव शुक्ला और मनीष यादव द्वारा कब्जा कर प्लॉटिंग कराई जा रही है और भूखंडों की बिक्री के साथ-साथ निर्माण कार्य भी कराया जा रहा है।

अभिलेखों में बंजर, मौके पर प्लॉटिंग का आरोप : अभिषेक यादव के मुताबिक सरकारी अभिलेखों में भूमि की स्थिति बंजर दर्ज होने के बावजूद मौके पर उसका व्यावसायिक उपयोग किया जा रहा है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि भूमि की कीमत करोड़ों रुपये होने के कारण इस पर कथित रूप से कब्जा कर प्लॉटिंग का खेल चल रहा है। उन्होंने मंडलायुक्त से राजस्व अभिलेखों और मौके की स्थिति का मिलान कराकर वास्तविक स्थिति सामने लाने की मांग की है।

राजस्व कर्मचारियों की भूमिका पर भी सवाल : शिकायत में नगर निगम लखनऊ में कार्यरत लेखपाल अनुपम मिश्रा समेत तहसील स्तर के कुछ क्षेत्रीय कर्मचारियों की भूमिका को संदिग्ध बताया गया है। आरोप है कि मामले की पूर्व में कई बार शिकायत किए जाने के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया कि संबंधित कर्मचारियों की ओर से अधिकारियों को कथित तौर पर गुमराह करने वाली कई बार झूठी रिपोर्ट प्रेषित कर शिकायतों का निस्तारण कराया गया।

आईजीआरएस निस्तारण पर उठाए सवाल : शिकायतकर्ता ने मुख्यमंत्री की आईजीआरएस व्यवस्था का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि कई शिकायतों में शिकायतकर्ता से वास्तविक रूप से संपर्क किए बिना ही फर्जी तरीके से रिपोर्ट लगाकर मामलों को निस्तारित किया जा रहा है। उन्होंने मांग की है कि इस प्रकरण में मौके पर राजस्व अधिकारियों की टीम भेजकर भूमि की पैमाइश, अभिलेखों की जांच और मौके की स्थिति का सत्यापन कराया जाए।

बेनामी संपत्तियों की जांच और मुकदमे की मांग : अभिषेक यादव ने मंडलायुक्त से कथित कब्जे की जांच के साथ ही आरोपित लोगों और संबंधित कर्मचारियों की संपत्तियों की भी जांच कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यदि जांच में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा, प्लॉटिंग अथवा नियमों के विपरीत निर्माण की पुष्टि होती है तो संबंधित लोगों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कठोर कार्रवाई की जाए। शिकायतकर्ता ने लंबे समय से एक ही पटल और सर्किल में कार्यरत कर्मचारियों व अधिकारियों के स्थानांतरण की मांग भी उठाई है। साथ ही सरकारी भूमि के संरक्षण को लेकर उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जारी आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित कराने की मांग की गई है। अभिषेक यादव ने मंडलायुक्त से पूरे प्रकरण की स्थानीय स्तर पर निष्पक्ष और पारदर्शी जांच कराने, सरकारी भूमि की पैमाइश कराकर उसे कथित कब्जे से मुक्त कराने तथा दोषी पाए जाने वाले लोगों और कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। शिकायत पत्र बुधवार को डाक के माध्यम से मंडलायुक्त कार्यालय भेजा गया।

खाते से जालसाजों ने उड़ाये 99,500 रुपये

लखनऊ। कृष्णानगर थाना क्षेत्र के एलडीए कालोनी में रहने वाले एक बैंक खाताधारक के खाते से साइबर जालसाज ने धोखाधड़ी कर 99,500 रुपये पार कर हड़प लिये। कृष्णा नगर कोतवाली प्रभारी पी के सिंह ने बताया थाना क्षेत्र स्थित एलडीए कॉलोनी निवासी राजेन्द्र कुमार के मुताबिक उनका कृष्णानगर, कानपुर रोड स्थित यूको बैंक में खाता संचालित है। बीते 25 अगस्त मंगलवार की शाम करीब 5:03 बजे उनके खाते से धोखाधड़ी के जरिए 99,500 रुपये निकाल लिए। खाते से रकम निकलने की जानकारी होने पर उन्होंने साइबर सेल सहित स्थानीय कृष्णा नगर कोतवाली में पुलिस से लिखित शिकायत की है। पुलिस के अनुसार पीड़ित की शिकायत पर जांच के बाद बुधवार शाम आई एक्ट की धारा में मुकदमा दर्ज किया गया है।

पल्सर बाइक चोरी, मुकदमा दर्ज

लखनऊ। आशियाना थाना क्षेत्र स्थित एमरॉल्ड मॉल के सामने खड़ी बाइक चोरों ने पार कर दी। पीजीआई थाना क्षेत्र स्थित वृंदावन योजना निवासी आदर्श सिंह पुत्र शिव सिंह के अनुसार वह बीते छह सितंबर की शाम आशियाना थाना क्षेत्र स्थित एमरॉल्ड मॉल अपनी बाइक संख्या यूपी 33 सी क्यू 8419 पल्सर बाइक से गए थे और अपनी उक्त बाइक को मॉल के सामने सड़क किनारे खड़ी की। कुछ देर बाद वापस लौटने पर बाइक मौके से गायब मिली। जिसकी खोजबीन के बाद उन्होंने आठ सितंबर मंगलवार को स्थानीय आशियाना थाने में पुलिस से लिखित शिकायत की है। आशियाना थाना प्रभारी गजेन्द्र राय ने बताया पीड़ित की शिकायत पर अज्ञात चोर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश की जा रही है।

ग्रामीणों ने दो भैंस चोरों को पकड़ा

माल। क्षेत्र में चोरों के आतंक से ग्रामीण परेशानी झेलने को मजबूर हैं। इसी क्रम में मंगलवार आधी रात को चोरों ने एक किसान के दरवाजे बंधी भैंस को चोरी कर भाग निकले। जबकि उनके दो साथियों को ग्रामीणों ने दौड़ा कर पकड़ लिया और तीन चोर भैंस लेकर फरार हो गये। दोनों चोरों को पिटाई के बाद पुलिस के हवाले कर दिया। माल थाना अंतर्गत गुमसेना पंचायत के मजरे बक्शी खेड़ा गांव निवासी रमेश के मुताबिक उनके मकान के सामने भैंस बंधी थी। मंगलवार रात लगभग डेढ़ बजे चोर आ पहुंचे और एक भैंस चोरी करके निकल गये। इसी बीच रमेश की नींद खुल गयी। रमेश ने शोर मचा दिया। तो ग्रामीणों ने दौड़ा कर दो चोरों को पकड़ लिया। जिनकी ग्रामीणों ने पिटाई करने के बाद पुलिस बुलाकर सौंप दिया। पकड़े गये चोरों ने राजवीर पुत्र गोलू, आयुष पुत्र तुलसी, रवि पुत्र अज्ञात, करन पुत्र अज्ञात और मिलन पुत्र अज्ञात सभी निवासी मांझी निकरोजपुर गांव के निवासी हैं। पकड़े गये चोरों आयुष और राजवीर मौके पर पकड़े गये, जबकि मिलन, रवि और करन तीनों चोर रमेश की लगभग सवा लाख कीमत की भैंस डाले में लाद कर भाग निकले। पुलिस को ग्रामीणों ने चोरों को सवेरे लगभग नौ बजे सौंपा था लेकिन पुलिस ने ना तो अभी तक मुकदमा दर्ज किया है और न ही भैंस को ही बरामद कर पायी है। ग्रामीणों ने आशंका व्यक्त की है कि पुलिस चोरों से साठ गांठ कर छोड़ न दे। समाचार लिखे जाने तक पुलिस ने कोई कार्य वाही नहीं किया।

लविवि कर्मचारी परिषद ने हाईकोर्ट के निर्णय का किया स्वागत

- कर्मचारी परिषद ने कहा कि कर्मचारी हितों की रक्षा के लिए परिषद यह लड़ाई आगे भी रखेगा जारी

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने कर्मचारी परिषद कार्यकारिणी को भंग करने के निर्णय को गलत स्वीकार करते हुए यह मान लिया कि उसके पास इस आशय का अधिकार नहीं था कि वह कार्यकारिणी को भंग करें अथवा नये चुनाव अधिकारी की नियुक्ति करें। कुलसचिव कार्यालय द्वारा जारी पत्रांक में उल्लेख किया गया है कि कुलसचिव ने इससे पूर्व 27 अप्रैल को जारी अपने पत्रांक द्वारा कर्मचारी परिषद का कार्यकाल एक वर्ष मानते हुए कि वर्तमान कार्यकारिणी भंग किये जाने तथा लखनऊ विश्वविद्यालय कर्मचारी परिषद संविधान के प्राविधान के दृष्टिगत अगला चुनाव कराने के लिए चुनाव अधिकारी नामित किया था।

विश्वविद्यालय कर्मचारी परिषद ने कुलसचिव के आदेश को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में वाद दायर किया था। कुलसचिव ने हाईकोर्ट के समक्ष प्रस्तुत अपने पत्रांक 03 सितम्बर में यह स्वीकार किया कि कर्मचारी परिषद कार्यकारिणी का कार्यकाल एक नहीं तीन साल का 30 अप्रैल 2026 तक था और अवधि पत्र 27 अप्रैल 2026 जारी होने के तिथि तक समाप्त नहीं हुई थी जब कार्यकारिणी को बर्खास्त किया गया था। इस सम्बन्ध में कुलसचिव पत्रांक /निष्प्रभावी हो गया है। जिसे उच्च न्यायलय ने स्वीकार कर लिया है तथा निर्णय से संतुष्ट न होने पर लविवि कर्मचारी परिषद को पुनः प्रत्यावेदन प्रस्तुत करने की अनुमति प्रदान किया है।

लखनऊ विश्वविद्यालय कर्मचारी परिषद के अध्यक्ष राकेश यादव एवं महामंत्री संजय शुक्ला ने उच्च न्यायालय के निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि कुलसचिव ने ट्रेड यूनियन एक्ट 1926, औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 का खुला उल्लंघन करने एवं लखनऊ विश्वविद्यालय कर्मचारी परिषद संविधान के विपरीत जाकर कार्यकारिणी भंग करने तथा चुनाव अधिकारी की नियुक्त किये जाने का आदेश निकाला था, जिसे वापस लेने को मजबूर होना पड़ा है।

कर्मचारी नेताओं ने कहा कि कर्मचारी परिषद का संचालन विवि प्रशासन अथवा कुलसचिव की इच्छा से नही उसके संविधान व ट्रेड यूनियन एक्ट 1926 के प्राविधानों के अनुरूप होगा। कर्मचारी हितों की रक्षा के लिए परिषद यह लड़ाई आगे भी जारी रखेगा तथा कुलसचिव के हस्तक्षेप स्वीकार नहीं किया जाएगा। लविवि कर्मचारी परिषद इस सम्बन्ध में पुनः प्रत्यावेदन प्रस्तुत करेगा।

कनिष्ठ सहायक, लिपिक का चयन परिणाम जारी

लखनऊ। अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की सम्मिलित कनिष्ठ सहायक, कनिष्ठ लिपिक, सहायक स्तर (तृतीय) टंकण परीक्षा के परिणाम जारी कर दिए गए हैं। आयोग के मुताबिक अंतिम चयन परिणाम में क्षैतिज आरक्षण के अंतर्गत चयनित अभ्यर्थी अपनी-अपनी मूल श्रेणी में समाहित हैं। आयोग के अनुमोदन के बाद विभिन्न विभागों के 5339 पदों के सापेक्ष चयनित 5329 अभ्यर्थियों के अनुक्रमांक की सूची तथा कट ऑफ अंक आयोग की वेबसाइट पर अपलोड कर दिए गए हैं। चयनित अभ्यर्थियों के पद तथा विभाग आवंटन की सूचना अलग से प्रकाशित की जाएगी। आयोग ने यह भी साफ कर दिया है कि अंतिम चयन परिणाम उच्च न्यायालय रिट याचिका, विशेष अपीलों में पारित होने वाले आदेशों के अधीन होंगे।

गणेश कुमार बने अपर शिक्षा निदेशक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश शैक्षिक (सामान्य शिक्षा संवर्ग) सेवा समूह क श्रेणी के अधिकारी गणेश कुमार को अपर शिक्षा निदेशक के पद पर प्रोन्नति दी गई है। अभी तक वह संयुक्त निदेशक के पद पर कार्यरत थे और अब उनकी पदोन्नति अपर शिक्षा निदेशक के पद पर हुई है। माध्यमिक शिक्षा विभाग के उप सचिव चंद्र प्रयाग मिश्र की ओर से इनकी पदोन्नति का आदेश बुधवार को जारी कर दिया गया।

भाषा विवि में नये लोकपाल की नियुक्ति

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों की शिकायतों के प्रभावी, निष्पक्ष एवं समयबद्ध निस्तारण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद की बैठक में लिए गए निर्णय के क्रम में लखनऊ विश्वविद्यालय से सेवानिवृत्त प्रो. वीके शर्मा को विश्वविद्यालय का नया लोकपाल नामित किया गया है। यह नियुक्ति विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के छात्र शिकायत निवारण संबंधी प्रावधानों के अनुरूप कुलपति प्रो. अजय तनेजा द्वारा की गई है।

यूजीसी के प्रावधानों के अनुसार लोकपाल विद्यार्थियों की शिकायत निवारण व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यदि किसी विद्यार्थी की शिकायत का समाधान विश्वविद्यालय की स्टूडेंट ग्रिवांस रिड्रेसल कमेटी (एसजीआरसी) के स्तर पर नहीं हो पाता है, तो विद्यार्थी निर्धारित प्रक्रिया के तहत लोकपाल के समक्ष अपील कर सकता है। लोकपाल संबंधित मामले में दोनों पक्षों को सुनने के बाद उचित निर्णय दे सकता है तथा विद्यार्थी की शिकायत के समाधान के लिए उपयुक्त राहत प्रदान करने के संबंध में आदेश पारित कर सकता है। यूजीसी के नियमों में लोकपाल से प्राप्त अपीलों के निस्तारण के लिए लगभग 30 दिनों के भीतर समाधान का प्रयास करने का प्रावधान भी है। लोकपाल की नियुक्ति से विद्यार्थियों को अपनी शैक्षणिक एवं विश्वविद्यालयीय गतिविधियों से जुड़ी शिकायतों के समाधान के लिए एक स्वतंत्र और प्रभावी मंच मिलेगा। इससे विश्वविद्यालय में पारदर्शिता, जवाबदेही और विद्यार्थी-केंद्रित प्रशासन को और मजबूती मिलने की उम्मीद है।

बस खराब, चालक-परिचालक परेशान

लखनऊ। आलमबाग बस अड्डे पर बुधवार को सुबह 5 बजे से 9 बजे तक संचालन प्रभावित रहा। चालकों परिचालकों ने प्रदर्शन के दौरान कहा कि आए दिन गाड़ी खराब हो जाती है, बारिश के चलते इनकम कम होने को लेकर अक्सर ड्यूटी रोक दी जाती है। चालकों परिचालकों का कहना है कि अगर लगातार इनकम अच्छी आ रही है किसी एक दिन इनकम कम होती है तो ड्यूटी न रोकी जाए। एआरएम के आश्वासन के बाद धरना खत्म हुआ। सभी ने अधिकारियों से कहा की हम लोग इनकम बढ़ाने मे पूरी कोशिश करते है लेकिन लगातार बारिश होने और कभी गाड़ी खराब होने से इनकम पर फर्क पड़ता है, धरने पर यूनियन नेता कन्हैया और जमाल सहित कई नेता मौजूद रहे।

बरसों पुरानी खराब सड़क का कराया उद्घाटन

लखनऊ। सरोजिनी नगर प्रथम वार्ड के हनुमान पुरी गली नंबर 6 में वर्षों से खराब पड़ी सड़क के निर्माण कार्य का पार्षद श्रीमती गीता देवी गुप्ता द्वारा उद्घाटन किया गया। लंबे समय से सड़क की बदहाल स्थिति के कारण क्षेत्रवासियों को आवागमन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। क्षेत्रवासियों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए पार्षद ने सड़क निर्माण कार्य को प्राथमिकता के आधार पर कराया। इस मौके पर क्षेत्र मंत्री संजय गुप्ता भी उपस्थित रहे। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास और जनता की मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाना प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में सड़क, नाली, प्रकाश एवं अन्य विकास कार्य लगातार कराए जा रहे हैं, ताकि आम जनता को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। वर्षों से खराब पड़ी इस सड़क की समस्या से क्षेत्रवासियों को राहत दिलाने के लिए सड़क निर्माण कार्य कराया गया है। उन्होंने कहा कि वार्ड के विकास कार्य आगे भी निरंतर जारी रहेंगे। कार्यक्रम में अशोक कुमार द्विवेदी, सुनील कुमार, सरोजिनी सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। क्षेत्रवासियों ने सड़क निर्माण कार्य के लिए पार्षद का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि लंबे समय से चली आ रही समस्या के समाधान से लोगों को आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मालती देवी आदि बनाम अमरजीत आदि अंतर्गत धारा 116 उ.प्र. राजस्व संहिता, वाद सं.-डी 20264680000632 न्यायालय अतिरिक्त अधिकारी सदर, सुलतानपुर में विचाराधीन है। जिसमें विपक्षी रामहेत पुत्र राम कलप, निवास- ग्राम पलहीपुर, परगना मीरानपुर, जिला सुलतानपुर एवं वर्तमान पता - बाबाजी का पुरवा, शाहपुर, रन्केडीह, परगना मीरानपुर, तहसील सदर, जिला सुलतानपुर को नोटिस तामील न होने के कारण न्यायालय के आदेश दिनांक- 05.09.2026 के अनुपालन में सूचित किया जाता है कि वे दिनांक- 11.09.2026 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष रखें, अन्यथा एकपक्षीय कार्यवाही की जायेगी।

'एकेडमिक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' योजना को मिली मंजूरी

- राष्ट्रीय रैंकिंग प्राप्त विभागों एवं संबद्ध कॉलेजों को मिलेगी 70% तक पाठ्यक्रम संशोधन व नवाचारी मूल्यांकन की विशेष फ्लेक्सिबिलिटी

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने उच्च शिक्षण संस्थानों में राष्ट्रीय स्तर की गुणवत्ता प्रतिस्पर्धा, नवाचार और शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से निर्णय लेते हुए 'एनआईआरएफ रैंकिंग-लिंक्ड एकेडमिक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्कीम' शुरू करने का प्रस्ताव तैयार किया है। इस अभिनव योजना का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय के विभागों, संकायों, संस्थानों और संबद्ध महाविद्यालयों द्वारा राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) रैंकिंग में अर्जित उत्कृष्टता को मान्यता देते हुए उन्हें विषय-विशिष्ट अकादमिक फ्लेक्सिबिलिटी प्रदान करना है। कोई भी संकाय, विभाग, संस्थान या उच्च शिक्षण संस्थान/संबद्ध महाविद्यालय जिसने एनआईआरएफ की संबंधित रैंकिंग सूची में स्थान प्राप्त किया हो अथवा एनआईआरएफ द्वारा प्रकाशित मान्यता प्राप्त रैंकिंग बैंड में जगह बनाई हो, वह 'एकेडमिक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' के रूप में मान्यता प्राप्त करने का पात्र होगा। यह फ्लेक्सिबिलिटी प्रदर्शन-आधारित, विषय-विशिष्ट और समयबद्ध समीक्षा के अधीन होगी। यदि कोई संस्थान आगामी एनआईआरएफ रैंकिंग चक्रों में पात्रता बनाए रखने में असफल रहता है, तो यह मान्यता वापस ली जा सकेगी।

'एकेडमिक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' के रूप में मान्यता प्राप्त संस्थानों को अपने विशिष्ट उत्कृष्टता क्षेत्र में अभूतपूर्व फ्लेक्सिबिलिटी प्राप्त होगी। पाठ्यक्रम संबंधी फ्लेक्सिबिलिटी के तहत ये केंद्र विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम में 70 प्रतिशत तक संशोधन करने, नए अंतःविषयक कार्यक्रम विकसित करने, अन्य अग्रणी संस्थानों के साथ संयुक्त कार्यक्रम संचालित करने तथा उभरते व प्रयोगात्मक विशिष्ट पीजी एवं डॉक्टोरल कार्यक्रम तैयार करने के लिए स्वतंत्र होंगे। इसमें ओपन-बुक परीक्षा, केस-आधारित मूल्यांकन, कैपस्टोन प्रोजेक्ट, उद्योग-संबद्ध मूल्यांकन, सतत आंतरिक मूल्यांकन और प्रायोगिक कौशल-आधारित परीक्षण शामिल हैं। इसके अलावा वे बाहरी विषय विशेषज्ञों को परीक्षक के रूप में आमंत्रित करने और अपने प्रश्न बैंक तैयार करने में भी सक्षम होंगे।

लविवि कुलपति प्रो. जय प्रकाश सैनी ने कहा कि एनआईआरएफ उच्च शिक्षण संस्थानों के शिक्षण, अनुसंधान और समग्र प्रदर्शन का प्रामाणिक राष्ट्रीय पैमाना है। विश्वविद्यालय का विश्वास है कि जो कॉलेज और विभाग गुणवत्ता, शोध संस्कृति और छात्र परिणामों के दम पर राष्ट्रीय पहचान बनाते हैं, उन्हें प्रशासनिक बंधनों से मुक्त कर अकादमिक नवाचार की स्वतंत्रता मिलनी चाहिए।

अखिलेश यादव से लोकदल अध्यक्ष ने की मुलाकात

लखनऊ। लोकदल अध्यक्ष चौधरी सुनील सिंह ने बुधवार को सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से लोहिया ट्रस्ट में मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच आगामी 2027 उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा हुई।

मुलाकात के बाद चौधरी सुनील सिंह ने कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर बातचीत सकारात्मक रही है। उन्होंने कहा कि यह केवल राजनीतिक मुलाकात नहीं थी, बल्कि बेहद आत्मीय और पारिवारिक माहौल में हुई मुलाकात रही। सुनील सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश में किसानों, युवाओं, मजदूरों और आम जनता के मुद्दे बेहद महत्वपूर्ण हैं। 2027 में प्रदेश की राजनीति को नई दिशा देने के लिए समान विचारधारा वाले लोगों और दलों के बीच संवाद जरूरी है। उन्होंने कहा कि आज की मुलाकात को सकारात्मक रूप से देखा जाना चाहिए और आने वाले समय में 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर बातचीत आगे भी जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता बदलाव चाहती है और किसानों, युवाओं तथा आम लोगों के हितों को केंद्र में रखकर ही आगामी राजनीतिक रणनीति तैयार की जाएगी।

गणेश चतुर्थी 14 को, विधि-विधान से घर-घर विराजेंगे गणपति बप्पा

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। भगवान गणेश को हिंदू धर्म में प्रथम पूजनीय देवता और विघ्नों का नाश करने वाला माना गया है। किसी भी शुभ कार्य की शुरूआत से पहले गणपति की आराधना करने की परंपरा है। भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी से देशभर में गणेश उत्सव का शुभारंभ होता है। इस दौरान घरों और सार्वजनिक पंडालों में गणपति बप्पा की प्रतिमा स्थापित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जाती है।

गणेश चतुर्थी के नजदीक आते ही भक्तों में उत्साह बढ़ने लगता है। बाजारों में सजावट और पूजा सामग्री की खरीदारी शुरू हो जाती है, वहीं जगह-जगह गणेश पंडाल सजाए जाने लगते हैं। धार्मिक मान्यता है कि गणपति की श्रद्धापूर्वक पूजा करने से जीवन में आने वाली परेशानियां कम होती हैं और घर में सुख, शांति एवं समृद्धि का वास होता है। पंचांग के अनुसार, वर्ष 2026 में गणेश चतुर्थी का पर्व 14 सितंबर, सोमवार को मनाया जाएगा। चतुर्थी तिथि का आरंभ 14 सितंबर को सुबह 7 बजकर 6 मिनट पर होगा, जबकि इसका समापन अगले दिन 15 सितंबर को सुबह 7 बजकर 44 मिनट पर होगा। उदया तिथि के अनुसार गणेश चतुर्थी का व्रत और गणपति स्थापना 14 सितंबर को ही की जाएगी।

कब होगा गणपति विसर्जन ?: गणेश उत्सव के समापन पर गणपति बप्पा की प्रतिमा का विसर्जन किया जाता है। वर्ष 2026 में अनंत चतुर्दशी 25 सितंबर, शुक्रवार को पड़ रही है। इसी दिन बड़े स्तर पर गणपति विसर्जन किया जाएगा। हालांकि, हर परिवार और क्षेत्र में विसर्जन की अलग परंपराएं हो सकती हैं। कई भक्त डेढ़ दिन, 3 दिन, 5 दिन या 7 दिन बाद भी गणेश प्रतिमा का विसर्जन करते हैं। वहीं सार्वजनिक गणेश उत्सवों में आमतौर पर अनंत चतुर्दशी के दिन भव्य विसर्जन शोभायात्रा निकाली जाती है।

- **गणेश स्थापना की तिथि: 14 सितंबर 2026, सोमवार**
- **चतुर्थी तिथि प्रारंभ: 14 सितंबर, सुबह 7:06 बजे**
- **गणपति पूजा का शुभ समय: सुबह 11:02 बजे से दोपहर 1:31 बजे तक**

कैसे करें गणपति स्थापना : सबसे पहले गणपति स्थापना के स्थान की साफ-सफाई करें, फिर चौकी पर साफ कपड़ा बिछाकर भगवान गणेश की प्रतिमा को स्थापित करें। पूजा का संकल्प लेते हुए भगवान गणेश का ध्यान करें और उन्हें आचमन और पूजा सामग्री अर्पित करें। इसके बाद भगवान गणेश को रोली, अक्षत, सिंदूर, फल, फूल और दूर्वा अर्पित करें। पूजा का दौरान ऊं गं गणपतये नमः का जाप करें, फिर आरती और कथा सुनें।

गणेश जी को अर्पित करें दूर्वा : भगवान गणेश को दूर्वा घास बहुत ही प्रिय होती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, गणेश जी की पूजा में दूर्वा की गांठें बनाकर भगवान गणेश को अर्पित करना शुभ होता है। इसके अलावा भगवान गणेश को मोदक भी काफी प्रिय होता है जिसे जरूर अर्पित करना चाहिए।

गणेश चतुर्थी पर क्यों है चंद्रमा देखना वर्जित: भाद्रपद माह की चतुर्थी पर चंद्र दर्शन करना वर्जित होता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन चंद्रमा के दर्शन करने से झूठा कलंक लगता है। इससे भगवान कृष्ण से जुड़ी कथा प्रचलित है।

भगवान गणेश जी की मूर्ति को आकर्षक रूप देने का काम तेज

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। छोटी और आकर्षक गणेश प्रतिमा का निर्माण कार्य पूरा होने के बाद उसका सजावट करने वाली महिला सुरेखा ने बताया कि इन छोटी, बड़ी और आकर्षक मूर्तियों को सजाने में भी काफी समय लगता है। घर के काम से समय निकालकर भगवान गणेश की इन प्रतिमाओं को सजाने के लिए गणेश जी को पगड़ी पहनाना, लेस स्टोन जैसी चीजें सजावट करके इन मूर्तियों को आकर्षक रूप दिया जा रहा है।

कई पैटर्न और डिजाइन में तैयार की गयी गणेश प्रतिमा: मूर्तिकार अमित सेन ने बताया कि हर साल की तरह इस बार भी गणेश प्रतिमा का निर्माण कार्य पिछले 2 महीने से किया जा रहा है। 8 इंच से लेकर लगभग 14 फीट तक की गणेश प्रतिमाओं का निर्माण किया जा रहा है। मूर्ति की कीमत लगभग 1500 रुपए से लेकर 11 हजार रुपये तक होंगी। मूर्तिकार को उम्मीद है कि इस बार ग्राहकी और बाजार भी अच्छा रहेगा।

इको फ्रेंडली हैं मूर्तियां: उन्होंने बताया कि जिन लोगों ने उन्हें मूर्ति तैयार करने का ऑर्डर दिया था उनकी मूर्तियां तैयार हो चुकी हैं, जबकि कई लोग एडवांस बुकिंग करा रहे हैं। उन्होंने बताया कि गणेश चतुर्थी पर सभी मूर्तियां इको फ्रेंडली बनाई गई हैं। इन मूर्तियों को कच्ची मिट्टी से बनाया गया है, यानी विसर्जन के वक्त नदी में बहते ही सिर्फ पांच मिनट के अंदर ही यह पूरी मिट्टी की तरह पानी में घुल जाएंगी, जिससे नदी को नुकसान नहीं होगा।

भक्तों को भा रहे कोलकाता और बॉम्बे वाले गणपति : गणेश चतुर्थी नजदीक आते ही लखनऊ के बाजारों में बप्पा की धूम है। निरालानगर समेत शहर के तमाम इलाकों में दुकानों पर सजी रंग-बिरंगी गणपति मूर्तियां भक्तों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। मिट्टी, गोबर, और प्राकृतिक रंगों से बनी ये मूर्तियां न केवल देखने में आकर्षक हैं बल्कि पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दे रही हैं। इस बार भक्तों के बीच सबसे ज्यादा चर्चा में हैं कोलकाता वाले गणपति, बॉम्बे वाले गणपति और डब्ल्यू आकर के गणपति। निरालानगर में दुकान लगाने वाले रामकुमार गौरव ने बताया कि गणेश चतुर्थी का बेसब्री से इंतजार रहता है। यह त्योहार ढेर सारी खुशियां लेकर आता है। पिछले कई सालों से वह मूर्तियां का कारोबार कर रहे हैं। महाराष्ट्र से लेकर कोलकाता जैसे शहरों से मूर्तियां मंगाते हैं। इस बार कई तरह की मूर्तियां आई हैं। इनमें कोलकाता और बॉम्बे वाले गणपति बप्पा की मूर्ति भक्तों की पहली पसंद बनी हुई है। दूसरे दुकानदार ने बताया कि 5,00 लेकर 35,000 तक की गणेशजी की मूर्तियां उनके यहां हैं। भक्तों को डब्ल्यू गणपति जी काफी पसंद आ रहे हैं। इनकी सूड़ पूरी तरह से टेढ़ी है। इस वजह से मूर्ति का नाम डब्ल्यू गणपति पड़ा है। आकार और सजावट के हिसाब से इनकी कीमत अलग-अलग है।

कोलकाता वाले गणपति सादगी की मिसाल: कोलकाता से आई गणपति मूर्तियां विशेष मिट्टी से तैयार की जाती हैं। इन्हें प्राकृतिक रंगों से रंगा जाता है और गहनों या भारी सजावट से नहीं सजाया जाता। इको-फ्रेंडली मूर्तियां होने की वजह से ये भक्तों की पहली पसंद बन चुकी हैं। शुद्धता और सादगी का ये अनूठा मेल शहर के पर्यावरण-प्रेमी भक्तों को खासा भा रहा है।

बॉम्बे वाले गणपति का शाही अंदाज: अगर किसी मूर्ति की शाही सजावट देखकर मन खुश हो जाता है, तो वह है बॉम्बे वाले गणपति। इन मूर्तियों की खूबसूरत नक्काशी, चमकदार रंग और बारीक डिजाइन भक्तों को मोहित कर रहे हैं। दुकानदारों के मुताबिक, सबसे ज्यादा बुकिंग इन्हीं मूर्तियों की हो रही है। जिन घरों में धूमधाम से बप्पा का स्वागत होता है, वहां बॉम्बे वाले गणपति की डिमांड सबसे अधिक है।

कान्हा के छठोत्सव में मुस्कुरायी लक्ष्मण नगरी, जयकारों से गूंजा शहर

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लक्ष्मण की नगरी की हर शाम निराली है। बुधवार को श्रीकृष्ण के छठोत्सव के उल्लास में लक्ष्मण नगरी मुस्कुरा उठी। लक्ष्मण नगरी में हर ओर शाम ढलने के साथ शुरू हुआ उल्लास देर रात तक चरम पर पहुंच गया। कई स्थानों पर श्रद्धालुओं को नंदलाल को पालने में झुलाने का अवसर भी दिया गया। यही नहीं मंदिरों की ओर से फेसबुक व सोशल मीडिया के अन्य प्लेटफार्म से भी आयोजन का प्रसारण कर श्रद्धालुओं को घर में ही दर्शन कराए गए। छठोत्सव के साथ ही श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के आयोजन का समापन हो गया। कई जगह गुरुवार को छठी उत्सव मनाया जायेगा।

इन मंदिरों में भी हुई पूजा: नाका के इस्कॉन मंदिर, आलमबाग के सनातन मंदिर में श्रीराम दरबार के बीच श्रीकृष्ण के अवतरण की झांकी का छठोत्सव के साथ समापन हुआ। रिजर्व पुलिस लाइन में मंदिर परिसर में सुरक्षा इंतजामों के साथ छठोत्सव मनाया गया। बंगलाबाजार के श्रीराम जानकी मंदिर और चंद्रिका देवी मंदिर में भी पूजन के साथ देर रात श्रीकृष्ण की आरती के साथ छह दिवसीय उत्सव का समापन हुआ।

कानपुर रोड एलडीए कॉलोनी शनि मंदिर, इंद्रलोक कॉलोनी के इंद्रेश्वर मंदिर, मानस नगर के तुलसी मानस मंदिर, श्री संकट मोचन मंदिर के अलावा बड़ा व छोटा शिवाला, संदोहन देवी मंदिर व गुलाचिन मंदिर समेत सभी मंदिरों में पूजन के साथ छठोत्सव मनाया गया। वहीं घरों में भी छठोत्सच मनाकर श्रीकृष्ण की झांकी को विसर्जित की गई। आशियाना की अंजू रघुवंशी ने बताया कि घर में झूला बनाकर श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप की पूजा की गई। परिवार के सभी लोगों ने मिलकर पूजन किया। कृष्णानगर की मानस नगर निवासी रंजना सिंह ने बताया कि पूजन और प्रसाद वितरण के साथ समापन हुआ।

मनकामेश्वर मंदिर धूमधाम से मनी भगवान की छठी: मनकामेश्वर मंदिर की महंत दिव्यागिरी महाराज के गद्दी पर आसीन होने के 18 वर्ष पूर्ण होने के सुअवसर पर आज मठ में भव्य 'गद्दी दिवस' व भगवान की छठी समारोह का आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर मंदिर परिसर को अलौकिक रूप से सजाया गया और दिनभर विविध धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रही।

इसी पावन अवसर पर लड्डू गोपाल जी की पारंपरिक 'छठी' का उत्सव भी बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। बाल रूप और कृष्ण वेशभूषा में सजे 'बाल कृष्ण गोरक्ष' की उपस्थिति ने सभी श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। समारोह के दौरान वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान की छठी पूजन संपन्न हुआ और महंत दिव्यागिरी महाराज की विशेष आरती उतारी गई। आरती के पश्चात परंपरा का निर्वहन करते हुए महंत दिव्यागिरी महाराज ने दही की मटकी तोड़ी, जिस पर पूरा परिसर जय श्री कृष्णा और हर-हर महादेव के जयकारों से गूंज उठा। इस अवसर पर भगवान को विशेष कढ़ी-चावल और माखन-मिश्री का भोग लगाकर श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरित किया गया। इस कार्यक्रम में शहर के अनेक गणमान्य व्यक्ति, साधु-संत और भारी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

गाजे बाजे के साथ निकली रामडोल झांकी शोभायात्रा

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। भगवान श्रीकृष्ण की छठी के शुभ अवसर पर पल्टन छावनी में स्थित श्रीराधाकृष्ण मन्दिर से बुधवार शाम गाजे बाजे के साथ रामडोल झांकी शोभायात्रा निकाली गई। हाथी घोड़ा पालकी, जै कन्हैया लाल की के जयकारों के बीच मन्दिर परिसर से शुरू हुई शोभायात्रा सेक्टर ए सीतापुर रोड योजना कालोनी, पल्टन छावनी, आदिशक्ति मां विन्ध्याचल देवी मन्दिर, सेक्टर-क्यू व राम-राम बैंक चौराहा सहित विभिन्न क्षेत्रों से होते हुए वापस मन्दिर परिसर पहुँचकर समाप्त हुई। जगह-जगह भक्तों ने शोभायात्रा का स्वागत व भगवान श्रीकृष्ण की आरती की। जिसके पश्चात आयोजित विशाल भंडारे में सैकड़ो भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। शोभायात्रा में आयोजक ओम प्रकाश यादव व अमित यादव, सत्य प्रकाश मिश्रा, रेखा यादव, मालती यादव, संजू, शम्भू शरण वर्मा सहित काफी संख्या में भक्तगण मौजूद रहे।

राम प्यारी राधा कृष्ण मंदिर में धूमधाम से मनाया गया छठी उत्सव

लखनऊ। भगवान कृष्ण का छठी उत्सव बुधवार को याहियागंज स्थित राम प्यारी राधा कृष्ण मंदिर में धूमधाम से मनाया गया। छठी उत्सव पर त्यागी परिवार की ओर भजन कीर्तन संध्या का आयोजन किया गया। महिला कीर्तन मंडली ने भक्तिमय भजनों से भक्तों को आनंदित किया। कार्यक्रम के समापन पर भगवान का भोग लगा हुआ प्रसाद वितरण किया गया। याहियागंज के राम प्यारी राधा कृष्ण मंदिर में पिछले पांच दिनों से क्षीर सागर में हजारों फण वाले शेषनाग की शय्या पर विश्राम करते श्रीकृष्ण एवं सुदर्शन चक्र वाले सिंहासन पर विराजमान राधा कृष्ण की मनमोहक स्वचालित झांकी भक्तों अपनी ओर आकर्षित कर रही थी। खास बात झांकी के लिए मंदिर को अमरनाथ गुफा में परिवर्तित कर दिया था जिसमें बर्फ के विशाल का पहाड़, रंगबिरंगी लाइटों एवं फूलों से सजाया गया था। कार्यक्रम संयोजक अजय त्यागी ने बताया कि हजारों की संख्या झांकी देखने प्रतिदिन भक्तगण आ रहे है।

कान्हा की छठी पर निकली भव्य पालकी यात्रा

लखनऊ। नगर पंचायत अमेठी में बुधवार को भगवान श्रीकृष्ण की छठी का पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कन्हैया जी की भव्य पालकी यात्रा निकाली गई। पालकी यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने शामिल होकर भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन किए। पूरे नगर में जय कन्हैया लाल की, हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की और नंद घर आनंद भयो के जयघोष गूंजते रहे।

भव्य पालकी यात्रा का शुभारंभ शहजादपुर स्थित श्री राम-जानकी ठाकुरद्वारा से हुआ। इसके बाद विभिन्न मंदिरों की पालकियां क्रमवार यात्रा में शामिल होती गईं। श्री हनुमान मंदिर शहजादपुर, श्री राधा-कृष्ण मंदिर, श्री राधा-कृष्ण ठाकुरद्वारा, श्री राम-जानकी मंदिर बाजार, श्री कृष्ण प्रणामी मंदिर मुंशीगंज तथा बरुआ की कृष्ण पालकी यात्रा में शामिल हुईं। पालकी यात्रा जैसे-जैसे नगर के विभिन्न मार्गों से होकर आगे बढ़ी, श्रद्धालुओं की संख्या भी बढ़ती गई। जगह-जगह लोगों ने पुष्प वर्षा कर पालकी का स्वागत किया। महिलाओं और बच्चों में विशेष उत्साह देखने को मिला। श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण की आरती कर पूजा-अर्चना की और सुख-समृद्धि की कामना की। भक्ति गीतों, ढोल-नगाड़ों और भगवान श्रीकृष्ण के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। कई स्थानों पर स्थानीय लोगों ने श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद और पेयजल की व्यवस्था भी की। पालकी यात्रा में शामिल श्रद्धालु भक्ति में सराबोर होकर नाचते-गाते नजर आए।

राधा-कृष्ण ने भक्तों के संग खेली फूलों की होली

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। मित्तल परिवार की ओर से अमीनाबाद रोड स्थित न्यू गणेशगंज में श्रीकृष्ण छठी उत्सव धूमधाम से मनाया गया। झांकी संयोजक अनुपम मित्तल ने बताया कि शहर की एकमात्र डिजिटल मूविंग जन्माष्टमी झांकी में बरसाना होली का दृश्य दिखाया गया। वहीं सांस्कृतिक मंच पर राधा कृष्ण की फूलों की होली के अलावा रोहित ग्रुप ने भक्तिमय गीतों पर नृत्यों की रंगारंग प्रस्तुति दी। सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ आज बृज में होली रे रसिया, होली खेले रघुवीरा अवध में... पर राधा कृष्ण रूपी बच्चों ने भक्तों के संग फूलों की होली खेल वातावरण को भक्तिमय बना दिया। 20 फीट ऊंची दही हांडी प्रतियोगिता खालसा ग्रुप की टीम ने जीता। नृत्य-गायन स्पर्धा में रिया यादव को प्रथम, परी श्रीवास्तव को द्वितीय तथा शिवांशी को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। श्रीकृष्ण जन्मोत्सव समिति ने नृत्य गायन स्पर्धा के विजयी बच्चों के संग सभी प्रतिभागी बच्चों, दही हांडी प्रतियोगिता के विजेता टीम को स्मृति चिन्ह एवं पुरस्कार से सम्मानित किया। सांस्कृतिक संध्या के दूसरे चरण में रोहित ग्रुप ने गणेश वंदना, शंकरजी का तांडव, हनुमानजी का राम से बड़ा राम का नाम, राधा-कृष्ण का मयूर नृत्य पर नृत्य नाटिकाओं की मनमोहक प्रस्तुति देकर भक्तजनों को मंत्र मुग्ध कर दिया। डिजिटल मूविंग जन्माष्टमी झांकी में राधा व गोपियां श्रीकृष्ण के साथ होली के मस्ती भरे गीतों पर नृत्य कर रही है। नृत्य करते हुए राधा कृष्ण पर ग्वाल वालों की टोलियां ने रंग गुलाल उड़ाकर एवं पिचकारियों से रंगों की बौछार कर बरसाना की होली का आनंद ले रहे है। इस मौके पर डिजिटल मूविंग झांकियों, झांकी स्थल में खूबसूरत लाइटिंग के लिए अग्रवाल इलेक्ट्रिकल, चौक के अंकुर एवं सतीश लाइट हाउस के सतीश कश्यप, स्वचालित झांकियों के मूर्तिकार पवन चौरसिया को क्षेत्रीय पार्षद शशि गुप्ता, गिरीश गुप्ता, श्रवण अग्रवाल तथा अनुपम प्रकाश ने अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया।

संतान की लंबी उम्र के लिए माताएं आज रखेंगी पिठोरी अमावस्या व्रत

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। संतान की लंबी उम्र, अच्छे स्वास्थ्य और सुखी जीवन की कामना से माताएं कई तरह के व्रत और धार्मिक अनुष्ठान करती हैं। पिठोरी अमावस्या भी ऐसा ही एक पर्व है, जिसे संतान के कल्याण और परिवार की सुख-समृद्धि से जोड़कर देखा जाता है। इस दिन 64 देवियों की पूजा करने की परंपरा है। हिंदू पंचांग के अनुसार, पिठोरी अमावस्या भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि को मनाई जाती है। 2026 में पिठोरी अमावस्या 10 सितंबर, गुरुवार को मनाई जाएगी। इस दिन माताएं संतान की सुख-समृद्धि और दीर्घायु की कामना से व्रत रखकर 64 देवियों की पूजा करती हैं। अलग-अलग क्षेत्रों में इस पर्व को स्थानीय परंपराओं के अनुसार अलग नामों से भी जाना जाता है। महाराष्ट्र और कुछ अन्य क्षेत्रों में इससे जुड़ी लोक परंपराएं विशेष रूप से प्रचलित हैं। पिठोरी अमावस्या भाद्रपद कृष्ण अमावस्या के दिन रखा जाने वाला व्रत है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस दिन माताएं अपनी संतान के अच्छे स्वास्थ्य, लंबी आयु और सुखी जीवन की कामना से व्रत करती हैं।

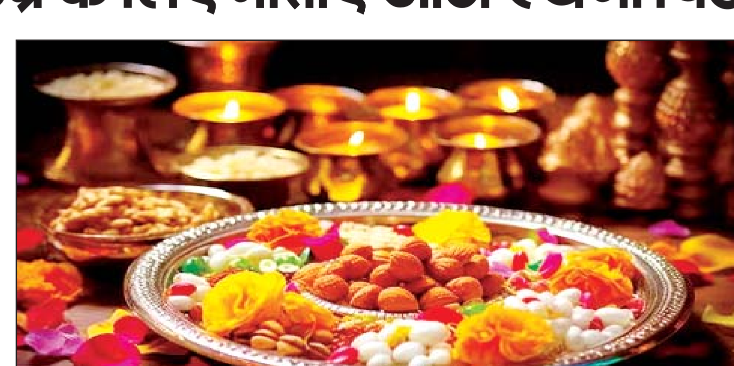

पिठोरी अमावस्या का धार्मिक महत्व: पिठोरी अमावस्या को मातृशक्ति और संतान के बीच प्रेम एवं आस्था का प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन श्रद्धापूर्वक देवी-देवताओं की पूजा और व्रत करने से संतान के जीवन में सुख-शांति और समृद्धि आती है। अमावस्या तिथि होने के कारण इस दिन पितरों के लिए तर्पण, दान और प्रार्थना करने की भी परंपरा है। धार्मिक मान्यताओं में इसे परिवार की सुख-शांति और पूर्वजों के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने का अवसर माना गया है। हालांकि, संतान की आयु या स्वास्थ्य से जुड़े फल धार्मिक आस्था और मान्यताओं का हिस्सा हैं; इन्हें निश्चित चिकित्सकीय परिणाम के रूप में नहीं लेना चाहिए।

पिठोरी अमावस्या की पूजा विधि: सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और साफ-सुथरे कपड़े पहनें। पूजा स्थान की सफाई करने के बाद संतान के सुखी, स्वस्थ और मंगलमय जीवन की कामना करते हुए व्रत का संकल्प लें। चावल या गेहूं के आटे को गूंथकर छोटी-छोटी प्रतीकात्मक प्रतिमाएं तैयार करें। इन्हें साफ चौकी पर वस्त्र बिछाकर व्यवस्थित रूप से स्थापित करें। अपनी परंपरा के अनुसार माता दुर्गा का भी पूजन करें। देवी प्रतिमाओं पर जल अर्पित करें। इसके बाद रोली, कुमकुम, हल्दी, अक्षत, फूल और अन्य पूजन सामग्री अर्पित करें। श्रद्धानुसार चुनरी और सुहाग सामग्री भी चढ़ाई जा सकती है। पूजा के दौरान दीपक जलाएं और पिठोरी अमावस्या की व्रत कथा का श्रवण या पाठ करें। इसके बाद देवी की आरती करें और संतान के उज्ज्वल भविष्य की प्रार्थना करें। देवी को घर में तैयार किया हुआ सात्विक भोग अर्पित करें। पूजा पूरी होने के बाद प्रसाद परिवार के सदस्यों में बांटें।

पिठोरी अमावस्या व्रत के नियम: माताएं अपनी संतान के कल्याण की कामना से व्रत रखती हैं। दिनभर सात्विक विचार और आचरण रखने की कोशिश करें। पूजा स्थल और घर की साफ-सफाई रखें। अपनी परंपरा के अनुसार निराहार या फलाहार व्रत किया जा सकता है। स्वास्थ्य संबंधी परेशानी होने पर कठिन उपवास करने के बजाय चिकित्सकीय सलाह को प्राथमिकता दें। पूजा में देवी-देवताओं को श्रद्धापूर्वक भोग और प्रसाद अर्पित करें। अमावस्या के अवसर पर जरूरतमंदों को अन्न, वस्त्र या अपनी सामर्थ्य के अनुसार दान करना शुभ माना जाता है।

संक्षेप

शाहगंज के तहसीलदार सौरभ निलंबित

जौनपुर। राजस्व मामलों के समयबद्ध निस्तारण में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ सरकार ने कड़ा रुख अपनाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर राजस्व परिषद ने पांच तहसीलदारों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। शाहगंज तहसीलदार सौरभ कुमार को निलंबित कर दिया गया है।निलंबन की खबर फैलते ही प्रशासन में हड़कम्प मचा हुआ है।राजस्व परिषद ने स्पष्ट किया है कि यह कार्रवाई किसी एक अभियान तक सीमित नहीं है। लंबित राजस्व वादों के निस्तारण की लगातार निगरानी की जाएगी और अपेक्षित प्रगति नहीं मिलने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई जारी रहेगी।

प्रतिबंधित मांझे के खिलाफ दिया ज्ञापन

जौनपुर। कलेक्ट्रेट परिसर में किलर मांझा प्रतिबंध अभियान समिति ने बुधवार को सिटी मजिस्ट्रेट को मांग पत्र सौंपा। समिति ने प्रतिबंधित मांझे के खिलाफ सख्त और प्रभावी कानून बनाने की मांग की है। यह मांग जानलेवा मांझे से हो रही लगातार मौतों और गंभीर चोटों के मद्देनजर की गई है। ज्ञापन में बताया गया है कि पतंग उड़ाना हमारी परंपरा का हिस्सा है, लेकिन जानलेवा मांझा अब आम लोगों के लिए खतरा बन गया है। राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने 11 जुलाई 2017 को नायलॉन, सिंथेटिक और गैर-जैव अपघटनीय मांझे के निर्माण, बिक्री, भंडारण और उपयोग पर रोक लगाने के साफ निर्देश दिए थे। इसके बावजूद, प्रतिबंधित मांझे की बिक्री और इस्तेमाल पर पूरी तरह रोक नहीं लग पा रही है। जिले में मांझे से हुई घटनाओं का जिक्र करते हुए बताया गया कि 11 दिसंबर 2025 को शिक्षक संदीप तिवारी और 14 जनवरी 2026 को डॉ. समीर हाशमी की गर्दन कटने से मौत हो गई। पिछले दस महीनों में दो दर्जन से ज्यादा लोग मांझे से गंभीर रूप से घायल हुए हैं। हाल ही में, 06 सितंबर 2026 को सुजल मौर्य और उनके भाई सानू मौर्य भी मांझे की चपेट में आकर गंभीर रूप से जख्मी हुए थे।

शराब के साथ दो को किया गिरफ्तार

जौनपुर। नवागत आबकारी निरीक्षक ने सदर क्षेत्र के कई स्थानों पर अवैध शराब की बिक्री को लेकर छापेमारी किया। छापेमारी के दौरान सीहीपुर रेलवे लाइन के पास दो व्यक्तियों को 52 शीशी अवैध शराब के साथ गिरफ्तार कर लिया मुखबिर से मिली सूचना पर जफराबाद, कजगाव, कबुलपुर व शहर के कई स्थानों पर मै टीम छापेमारी किया छापे के दौरान मुखबिर ने सूचना मिली के लाइनबाजार के सीहीपुर रेलवे क्रासिंग के पास दो व्यक्तियों द्वारा अवैध शराब बेचने का काम किया जा रहा है। सूचना मिलते ही श्रीमती देविका शुक्ला टीम के साथ पहुंच कर घेरबन्दी करवाकर दोनो व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया।उनके पास से 52 शीशी शराब बरामद हुई। उन्होंने बताया कि अभी इसी प्रकार की छापेमारी के क्रमः चलता रहेगा।

आयुष्मान योजना से रीढ़ की हड्डी का निःशुल्क ऑपरेशन

सोनभद्र। दोनों पैरों में कई महीनों से ताकत नहीं होने के कारण चलने-फिरने में असमर्थ 34 वर्षीय युवक का आयुष्मान भारत योजना के तहत नेशनल हॉस्पिटल एवं ट्रामा सेंटर, धर्मशाला रोड में रीढ़ की हड्डी का जटिल ऑपरेशन निःशुल्क किया गया। वरिष्ठ हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. अखिलेश पटेल ने सात सितंबर को सफल ऑपरेशन किया। चिकित्सक के अनुसार मरीज की हालत में सुधार है और जल्द ही उसके चलने-फिरने में सक्षम होने की उम्मीद है। राबर्ट्सगंज निवासी रवि, पुत्र स्वर्गीय रामप्यारे, पिछले कई महीनों से दोनों पैरों में कमजोरी और सुन्नपन के कारण चल नहीं पा रहे थे। परिजन उपचार को लेकर परेशान थे। चिकित्सकों की सलाह पर रवि ने पांच सितंबर को नेशनल हॉस्पिटल के वरिष्ठ हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. अखिलेश पटेल से परामर्श लिया। जांच में रीढ़ की हड्डी के 2 वर्टेब्रा में फ्रैक्चर पाया गया, जिसके कारण दोनों पैरों में सुन्नपन और कमजोरी आ गई थी।मरीज और परिजनों की सहमति के बाद सात सितंबर को ऑपरेशन किया गया। डॉ. अखिलेश पटेल ने बताया कि ऑपरेशन सफल रहा है और मरीज की स्थिति में सुधार हो रहा है। जल्द ही वह सामान्य रूप से चलने-फिरने में सक्षम हो सकता है। आयुष्मान भारत योजना के तहत निःशुल्क उपचार मिलने से मरीज और उसके परिजनों ने राहत की सांस ली। अस्पताल की प्रबंध निदेशक डॉ. आरपी सिंह और डॉ. अखिलेश पटेल के नेतृत्व में उपचार किए जाने पर परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन के प्रति आभार जताया।

करमा महोत्सव बनेगा सोनभद्र की जनजातीय संस्कृति की पहचान

सोनभद्र। सोनभद्र की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, लोक परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को देश-दुनिया तक पहुंचाने के लिए इस वर्ष करमा महोत्सव को भव्य स्वरूप दिया जाएगा। महोत्सव को जनपद की सांस्कृतिक पहचान के रूप में स्थापित करने की तैयारी शुरू हो गई है। बुधवार को सर्किट हाउस सभागार में समाज कल्याण राज्य मंत्री संजीव गौड़ की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में तैयारियों और प्रस्तावित कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की गई।

राज्य मंत्री संजीव गौड़ ने कहा कि करमा महोत्सव का आयोजन भव्य, गरिमापूर्ण और भावपूर्ण तरीके से किया जाए। सोनभद्र की जनजातीय संस्कृति की अपनी विशिष्ट पहचान है। महोत्सव के माध्यम से जिले की लोक परंपराओं, कला, संस्कृति और विरासत को व्यापक मंच मिलेगा। उन्होंने अधिकारियों को सभी तैयारियां बेहतर समन्वय के साथ समयबद्ध ढंग से पूरी करने के निर्देश दिए।

उन्होंने बताया कि करमा महोत्सव का शुभारंभ चोपन ब्लॉक के कोटा गांव से होगा। इसमें प्रशासन के साथ महोत्सव से जुड़े कार्यकर्ता भी सहभागिता करेंगे। आयोजन में जनजातीय समाज की परंपराओं और सांस्कृतिक स्वरूप को प्रमुखता दी जाएगी। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने कहा कि महोत्सव को प्रभावी और व्यापक स्वरूप देने के लिए विस्तृत रूपरेखा तैयार की जाए। जनजातीय विरासत को बेहतर ढंग से प्रस्तुत करने के साथ ही व्यापक प्रचार-प्रसार की प्रभावी कार्ययोजना बनाई जाए, ताकि सोनभद्र की विशिष्ट संस्कृति अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचे। उन्होंने सभी व्यवस्थाएं समय से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। बैठक में अनुसूचित जनजाति आयोग के उपाध्यक्ष जीत सिंह खरवार, सीडीओ जागृति अवस्थी, क्षेत्रीय मंत्री रामसुंदर निषाद, जिला समाज कल्याण अधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह भदौरिया, जिला पंचायत राज अधिकारी नामिता शरण, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

हमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी थीम पर शुरू हुआ राष्ट्रीय पोषण माह

सोनभद्र। सुपोषित भारत के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से जिले में बुधवार से नौवां राष्ट्रीय पोषण माह शुरू हो गया। ह्यहमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी थीम पर चलने वाला यह अभियान 08 अक्टूबर तक जारी रहेगा। अभियान के दौरान सभी आंगनवाड़ी केंद्रों को पोषण, स्वास्थ्य, देखभाल और बाल विकास से जुड़ी सामुदायिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बनाने पर जोर दिया जाएगा।

जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने बताया कि पोषण अभियान को जनभागीदारी के माध्यम से जनआंदोलन का स्वरूप दिया जाना है। निर्धारित गतिविधि कैलेंडर के अनुसार जिले के सभी आंगनवाड़ी केंद्रों पर जनप्रतिनिधियों और समुदाय की सहभागिता से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि अभियान में आहार विविधता, पर्याप्त प्रोटीन, आंगनवाड़ी केंद्रों पर ताजा पका भोजन, सामुदायिक स्वामित्व एवं जवाबदेही तथा बच्चों के पोषण और प्रारंभिक उद्दीपन पर विशेष ध्यान रहेगा। बच्चों, गर्भवती महिलाओं और धात्री माताओं को संतुलित एवं पौष्टिक आहार तथा स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक किया जाएगा। इसके अलावा प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा (ईसीसीई), मोटापा नियंत्रण और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए वोकल फॉर लोकल जैसे विषयों पर भी गतिविधियां होंगी। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत पात्र महिलाओं को मिलने वाले लाभ और नकद हस्तांतरण की जानकारी भी लोगों तक पहुंचाई जाएगी। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि पोषण माह को केवल विभागीय कार्यक्रम तक सीमित न रखते हुए जनआंदोलन का रूप दिया जाए, ताकि पोषण, स्वास्थ्य और बाल विकास का संदेश जिले के प्रत्येक परिवार तक पहुंच सके। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता समुदाय के सहयोग से बच्चों और महिलाओं को बेहतर पोषण संबंधी व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित करेंगे।

बहुआयामी व्यक्तित्व के स्वामी थे यादवेन्द्र दत्त दुबे

जौनपुर। राजा यादवेंद्र दत्त की 27वीं पुण्यतिथि बुधवार को राजा श्रीकृष्णदत्त इंटरमीडिएट कॉलेज में श्रद्धापूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम में वक्ताओं ने राजा साहब के बहुआयामी व्यक्तित्व, सामाजिक सरोकारों, जनसेवा और जरूरतमंदों के प्रति उनकी संवेदनशीलता को याद करते हुए उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला।

कॉलेज के प्रबंधक डॉ. सत्यराम प्रजापति ने कहा कि राजा यादवेंद्र दत्त बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। वे कई भाषाओं के विद्वान होने के साथ ही समाज के प्रति गहरी संवेदना रखने वाले व्यक्तित्व थे। उनका जीवन सामाजिक सेवा और जनकल्याण के लिए समर्पित रहा।उप प्रबंधक जियाराम यादव ने कहा कि राजा साहब के हृदय में गरीबों और जरूरतमंदों के लिए विशेष स्थान था। उन्होंने अपने संबोधन में राजा साहब के सामाजिक सरोकारों और जनसेवा से जुड़े अनेक प्रसंगों का उल्लेख किया।कॉलेज के सेवानिवृत्त प्रवक्ता अशोक कुमार तिवारी ने कहा कि बाढ़ जैसी आपदा के समय सरकारी सहायता पहुंचने से पहले ही राजा साहब की ओर से गरीबों और बाढ़ पीड़ितों तक राहत सामग्री पहुंच जाती थी। यह उनके सेवाभावी और संवेदनशील व्यक्तित्व का प्रमाण था।वरिष्ठ पत्रकार श्याम नारायण पांडेय ने राजा साहब के राम मंदिर निर्माण आंदोलन में कारसेवा से जुड़े प्रसंगों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि राजा यादवेंद्र दत्त का सामाजिक एवं धार्मिक क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। प्रधानाचार्य डॉ. संजय चैबे ने राजा यादवेंद्र दत्त के व्यक्तित्व एवं कृतित्व की चर्चा करते हुए कहा कि राजा साहब जैसा व्यक्तित्व न भूतो न भविष्यति रहा है। उनके आदर्श और समाजसेवा की भावना आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनी रहेगी। संचालन लेफ्टिनेंट बृजभूषण यादव ने किया। प्रवक्ता प्रेमचंद, डॉ. विश्वनाथ, डॉ. बृजेश सिंह, सत्य प्रकाश सिंह, राम प्रताप, डॉ. रमेश, पवन कुमार साहू, राघवेंद्र सिंह, नागेंद्र प्रसाद, अनिल, सुभाष, रंजना चौरसिया, रंजन प्रजापति, पूजा सिंह सहित कॉलेज के शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने दबोचा

आजमगढ़। जनपद के सिधारी थाना पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे में चार माह से अधिक समय से फरार चल रहे 25 हजार के पुरस्कार घोषित वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी टेम्पो व अन्य सवारी वाहनों में महिलाओं को निशाना बनाकर उनके बैग और झोले की चेन काटकर जेवरात, नगदी व अन्य कीमती सामान चोरी करने वाले संगठित गिरोह का सदस्य था। पुलिस के मुताबिक आरोपी की पहचान सलटू राम (65) पुत्र रामचरन राम, निवासी नसरूद्दीनपुर, थाना तहबरपुर, वर्तमान पता काशीराम आवास जाफरपुर, थाना सिधारी, आजमगढ़ के रूप में हुई है। उसके खिलाफ थाना जीयनपुर में गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज था और गिरफ्तारी के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार ने 25 हजार का इनाम घोषित किया था।

पुलिस के अनुसार, 23 जून 2024 को भवरनाथ से दोहरीघाट जा रही एक महिला का टेम्पो में बैग चोरी हुआ था, जिसमें सोने के जेवरात रखे थे। इस मामले की विवेचना में सलटू राम सहित अन्य की संलिप्तता सामने आई थी। इसके अलावा 7 अक्टूबर 2024 को हाफिजपुर चौराहे से जीयनपुर जा रही महिला के झोले की चेन काटकर जेवर चोरी करने के मामले में भी आरोपी की संलिप्तता प्रकाश में आई। इन्हीं आपराधिक गतिविधियों के आधार पर सलटू राम सहित अन्य के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की गई थी। पुलिस के अनुसार गिरोह के सदस्य सामान्य यात्रियों की तरह टेम्पो में बैठते थे और मौका मिलते ही विशेष रूप से महिलाओं के बैग व झोले की चेन काटकर सामान चोरी कर लेते थे। बाद में चोरी किए गए जेवरात व अन्य सामान को बेचकर धनराशि आपस में बांट लेते थे। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत प्रभारी निरीक्षक विनय कुमार सिंह ने पुलिस टीम के साथ मुखबिर की सूचना पर 9 सितंबर 2026 को करीब 10.30 बजे पहलवान तिराहा के पास से सलटू राम को गिरफ्तार कर लिया। आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद आरोपी को न्यायालय भेज दिया गया। गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक विनय कुमार सिंह, कांस्टेबल सन्नी कुमार सिंह, कांस्टेबल हिमांशु सिंह बघेल और महिला कांस्टेबल पूजा यादव शामिल रहीं।

156 बीघा पहाड़ पर अवैध कब्जा, मुख्यमंत्री से कार्रवाई की मां

मीरजापुर। सदर तहसील के ग्राम पहाड़ी भोजपुर, तप्पा-84, परगना कंतित में राज्य सरकार की पहाड़ी भूमि पर अवैध कब्जे को लेकर मुख्यमंत्री को शिकायती पत्र दिया गया है। गांव निवासी पप्पू विश्वकर्मा उर्फ कपूरचन्द निवासी पहाड़ी भोजपुर ने मुख्यमंत्री को संबोधित पत्र में बताया कि आराजी नं. 415 (30 बीघा 6 बिस्वा) व आराजी नं. 547 (126 बीघा 12 बिस्वा) कुल 156 बीघा से अधिक की पहाड़ ग्राम सभा की संपत्ति है। गांव के कुछ लोग इस पर पक्के-कच्चे मकान बनवाकर लाखों रुपये में बाहरी लोगों को बसाने का आरोप है। आरोप है कि विरोध करने पर गाली-गलौज, जान से मारने की धमकी व फर्जी मुकदमे में फंसाने की धमकी दी जा रही है।

एन. फ्रैंकलिन जयकुमार ने ग्रहण किया एनसीएल सीएमडी का पदभार

सोनभद्र। कोल इंडिया लिमिटेड की सिंगरौली स्थित अनुषंगी कंपनी नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) के नए अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक (सीएमडी) के रूप में एन. फ्रैंकलिन जयकुमार ने मंगलवार को कार्यभार ग्रहण किया। श्री जयकुमार को खनन क्षेत्र में 34 वर्षों से अधिक का समृद्ध अनुभव है। उन्होंने भारत और विदेश में भूमिगत एवं खुली मशीनीकृत कोयला खदानों के साथ ही लिग्नाइट खनन एवं परिचालन में विभिन्न महत्वपूर्ण दायित्व निभाए हैं। एनसीएल सीएमडी का पदभार ग्रहण करने से पूर्व वे कोल इंडिया की अनुषंगी कंपनी साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) में निदेशक (तकनीकी/संचालन) के पद पर कार्यरत थे। एसईसीएल में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने खदानों के आधुनिकीकरण और मशीनीकरण को बढ़ावा देने के साथ कोयला उत्पादन, प्रेषण एवं अधिभार हटाव में कंपनी के रिकॉर्ड प्रदर्शन में महत्वपूर्ण योगदान दिया।उन्होंने एसईसीएल में सौर ऊर्जा, ग्रीन मोबिलिटी, कोल गैसीफिकेशन और एनर्जी स्टोरेज जैसी दीर्घकालिक विकास पहलों का भी नेतृत्व किया। इसके अलावा कोयले की सैंपलिंग प्रक्रिया में तकनीक आधारित ऑटोमेशन और पारदर्शिता को बढ़ावा देने में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कचरे के अंबार से परेशान ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

जिला संवाददाता(vol)

सोनभद्र। म्योरपुर कस्बे में स्टेज स्कूल के पास समेत सार्वजनिक स्थानों पर कचरे का अंबार लगा होने से ग्रामीणों में आक्रोश है। बुधवार को ग्रामीणों ने तत्काल साफ-सफाई कराने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया।

ग्रामीणों का आरोप है कि सफाई कर्मी नियुक्त होने के बावजूद नियमित सफाई नहीं हो रही है। स्टेज स्कूल के पास, बड़ौदा बैंक के सामने और खेल मैदान में जगह-जगह कचरा जमा है। बारिश के कारण कचरा सड़ने से दुर्गंध फैल रही है, जिससे संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ गया है।

स्थानीय खेल मैदान में प्रदर्शनी मेला लगा है। दर्शकों के बैठने के लिए बनाई गई सीढ़ियों पर भी कचरा जमा है, जिससे लोगों को परेशानी हो रही है।

- बारिश में सड़ रहे कचरे से दुर्गंध, बीमारी का खतरा बढ़ा

ग्रामीणों ने सहायक विकास अधिकारी पंचायत से सार्वजनिक स्थानों की तत्काल सफाई कराने की मांग की।

ग्रामीण नशीम, शशि अग्रहरी, संदीप अग्रहरी, दिव्यांशु सोनी, राजकुमार सोनी, विजय सोनी और कार्तिक केशरी ने कार्रवाई की मांग की है। सहायक विकास अधिकारी पंचायत अजय कुमार सिंह ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है। सफाई कर्मचारी को भेजकर शीघ्र कचरा हटवाया जाएगा।

विकास योजना के कार्यों की मण्डलायुक्त ने की समीक्षा

जिला संवाददाता

मीरजापुर, 9 सितम्बर 2026। मण्डलों में संसद सदस्य स्थानीय क्षेत्र विकास योजना (एमपीलैड्स) के कार्यों की संसद सदस्यों को आमंत्रित करते हुए वर्ष में एक बार मण्डलायुक्त राजेश प्रकाश द्वारा समीक्षा किये जाने की उप्र शासन की व्यवस्था के क्रम में मण्डलायुक्त सभागार में बैठक आयोजित की गयी।

इस बैठक में सांसद के प्रस्तावों की स्वीकृति, कार्यों को निर्धारित समय सीमा के अन्दर पूर्ण करने तथा निर्माण संस्थाओं को प्रथम किस्त की धनराशि समयान्तर्गत अवमुक्त किये जाने की स्थिति के सम्बन्ध में चर्चा की गयी।योजना के जनपद स्तर पर क्रियान्वयन हेतु उप्र शासन द्वारा निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया यथा सांसद से प्रस्ताव प्राप्त होने के 45 दिनों के अन्दर कार्य की स्वीकृति, स्वीकृति के 3 माह के अन्दर संस्था से कार्य प्रारम्भ कराकर प्रथम किस्त अवमुक्त कराये जाने तथा 1 वर्ष के अन्दर प्रत्येक दशा में कार्य पूर्ण कराने के लिए मण्डल के तीनों जनपदों के जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी तथा परियोजना निदेशक डीआरडीए को मण्डलायुक्त राजेश प्रकाश द्वारा निर्देश दिये गये।जनपद मीरजापुर में वर्ष 2023-24 के स्वीकृत 3 तथा वर्ष 2024-25 के स्वीकृत 2 कार्य अधूरे पाये गये। लगभग ढाई वर्ष पूर्व स्वीकृत बाबू उपरौध इण्टर कालेज लालगंज में छात्राओं के लिए शौचालय निर्माण कार्य अपूर्ण रहने व कार्य पर धन अवमुक्त न किये जाने पर मण्डलायुक्त द्वारा जनपद की कार्यप्रणाली पर अप्रसन्नता व्यक्त की गयी। जनपद सोनभद्र में वर्ष 2023-24 के 3 विद्यालयों तथा वर्ष 2024-25 के 1 विद्यालय में स्वीकृत शिक्षण कक्षों का निर्माण अधूरा पाया गया। वर्ष 2025-26 में स्वीकृत 1 कार्य भूमि विवाद के कारण सांसद राबर्ट्सगंज द्वारा अनारम्भ बताया गया। जनपद भदोही में वर्ष 2025-26 के स्वीकृत 13 कार्यों तथा वर्ष 2026-27 के स्वीकृत 1 इण्टरलाकिंग कार्य पर 3 माह से लेकर सवा साल तक का समय व्यतीत हो जाने के उपरान्त भी संस्था से कार्य प्रारम्भ न करा पाने व संस्था को प्रथम किस्त न अवमुक्त कर पाने की स्थिति पर मण्डलायुक्त द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त की गयी। मण्डलायुक्त द्वारा जनपदों को निर्देश दिये गये कि मुख्य विकास अधिकारी निर्माण संस्थाओं के साथ साप्ताहिक समीक्षा बैठक करते हुए वर्ष 2023-24 व 2024-25 के अपूर्ण कार्यों को प्रत्येक दशा में 15 अक्टूबर 2026 तक पूर्ण करा लें एवं कार्यपूर्ति प्रमाण पत्र अवश्य प्राप्त कर लें। योजना के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य को निर्धारित समय सीमा 1 वर्ष के अन्दर ही पूर्ण कराने के निर्देश दिये गये।

कचहरी की बदहाली पर अधिवक्ताओं ने डीएम से लगायी गुहार

जिला संवाददाता(vol)

- टीन शेड के नीचे बैठने को मजबूर वादकारी और अधिवक्ता, पक्का वादकारी कक्ष बनाने की मांग

दुद्धी (सोनभद्र)। स्थानीय कचहरी परिसर और तहसील मुख्यालय में मूलभूत सुविधाओं के अभाव से अधिवक्ताओं और वादकारियों को हो रही परेशानी को लेकर बार एसोसिएशन दुद्धी का प्रतिनिधिमंडल बुधवार को जिलाधिकारी चर्चित गौड़ से मिला। अधिवक्ताओं ने समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग करते हुए जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि जिला मुख्यालय से बाह्य न्यायालय व तहसील दुद्धी की दूरी अधिक होने के कारण क्षेत्र के वादकारियों और अधिवक्ताओं को पहले से ही काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इसके बावजूद कचहरी परिसर में पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। मुख्य गेट के दोनों ओर अधिवक्ता और वादकारी टीन शेड के नीचे बैठने को विवश हैं। गर्मी, बारिश और ठंड के मौसम में यहां बैठना मुश्किल हो जाता है। छोटे बच्चों के साथ आने वाले वादकारियों को भी परेशानी झेलनी पड़ती है। खुले में बैठने के कारण महत्वपूर्ण फाइलों और सामान की सुरक्षा को लेकर भी खतरा बना रहता है। अधिवक्ताओं ने टीन शेड हटाकर पर्याप्त क्षेत्रफल में सुविधायुक्त पक्का वादकारी कक्ष बनवाने की मांग की। साथ ही कचहरी परिसर की सुरक्षा के लिए चहारदीवारी, मुख्य गेट, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था और सीसीटीवी कैमरे लगाने की मांग रखी।

ज्ञापन में बार एसोसिएशन के क्षतिग्रस्त सभागार की मरम्मत के साथ फॉल सीलिंग, पेंटिंग, मार्बल सीट, हाईलाइटर, एसी और पूर्ण इलेक्ट्रिक वायरिंग कराने की मांग भी की गई।

प्रतिनिधिमंडल में बार एसोसिएशन अध्यक्ष कुलभूषण पाण्डेय, प्रेमचंद यादव, जितेंद्र श्रीवास्तव सहित अन्य अधिवक्ता शामिल रहे।

युवक को पीटा ,दी जान से मारने की धमकी पांच नामजद समेत आठ पर केस दर्ज

मीरजापुर। जिले में दबंगों की दबंगई कायम है जिन्हें ना तो पुलिस का भय है ना ही सरकार के कानून व्यवस्था और उसकी सख़्ती का यूपी के मिर्जापुर जिले से वायरल हो रहा एक वीडियो कानून व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े कर रहा है। बताया जाता है कि दीदी के घर से बाइक से लौट रहे युवक को रास्ते में दबंगों ने रोककर जंगल में ले जाने और बेल्ट व डंडे से पीटने का मामला सामने आया है। आरोप है कि आरोपितों ने मारपीट का बाकायदा वीडियो बनाया और किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। बाद में पीड़ित के पिता की तहरीर पर पुलिस ने पांच नामजद समेत आठ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। जानकारी के मुताबिक हलिया थाना क्षेत्र के सोठिया खुर्द निवासी मुमताज पुत्र मेंहदी हसन ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनका पुत्र मोहम्मद सैफ 6 सितंबर को अपनी दीदी के घर राजपुर गया था। वहां से सुपर स्प्लेंडर बाइक से वापस आते समय सुखड़ा नहर बेलगवा पुल के पास उसके रिश्तेदार मामा के लड़के नौशाद पुत्र फरीद निवासी राजपुर, जाने आलम पुत्र बबलू, शहबान पुत्र गुलाम जाबिर, मन्नान पुत्र मेराज और मनीष पटेल निवासीगण लायन बेलन बरौंधा तथा तीन अज्ञात लोगों ने उसे रोक लिया। आरोप है कि शहबान और नौशाद जबरन उसकी बाइक पर बैठ गए और उसे मुरलिया जंगल ग्राम राजपुर में ले गए। वहां सभी ने बारी-बारी से हाथ, बेल्ट और डंडे से उसकी पिटाई की। पिटाई के दौरान वीडियो भी बनाया और धमकी दी कि यदि घटना किसी को बताई तो इससे भी बुरा अंजाम होगा और जान से मार देंगे। इस संबंध में थाना हलिया में मुकदमा दर्ज किया गया है। घटना स्थल थाना से 08 किमी दक्षिण दिशा में है।थानाध्यक्ष राजीव कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि पांच नामजद और तीन अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले की विवेचना उपनिरीक्षक चरण सिंह यादव को सौंपी गई है, साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। दूसरी ओर लालगंज क्षेत्राधिकारी ने भी इस मामले में कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं उन्होंने कहा है कि कानून हाथ में लेकर कानून का माखौल उड़ानें वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

दुर्घटना को दावत दे रहे सड़क पर बने गड्ढे

आजमगढ़। आजमगढ-वाराणसी राजमार्ग स्थित रानी की सराय से कोटिला तक हाईवे सडक पर बने गड्ढे दुर्घटना को दावत दे रहे हैं। बारिश में गड्ढों मे पानी भरने से गुजरने वाले वाहन अनियंत्रित होकर पलट जा रहे है। जिससे राहगीर आए दिन चोटिल हो रहे हैं। कोटिला से बेलइसा तक सड़क स्टेट हाईवे की है। कोटिला में त्रिमुहानी पर ही बीच सड़क में करीब चार फीट का गड्ढा हो गया है। हालत ये है कि आने जाने वाले वाहन आये दिन इस दिन गड्ढे में पलटने से बचते हैं। इसी स्थान के आस पास दो माह में दो मौत की भी घटना हो चुकी है। इसके साथ ही पटेलनगर, सोनवारा मोढ़ मध्य भाग, स्टेट बैंक के समीप, सहीदवारा समेत अन्य जगहों पर भी हाईवे की सड़क पर जगह-जगह गड्ढे हो गये हैं। सड़क की दशा देख ऐसा प्रतीत होता है यह हाईवे नहीं गावों के लिंक मार्ग की सड़क है। सड़क पर बने गड्ढे से सबसे अधिक समस्या बारिश के समय हो रही है। क्षेत्र के रिषभ चैरसिया, संतोष कुमार, विमल कुमार आदि ने सड़क पर बने गड्ढों को भरने की मांग की है।

अवैध मादक पदार्थ बनाने वाले चार तस्कर गिरफ्तार

जौनपुर। जिले के थाना केराकत पुलिस व स्वाट की संयुक्त टीम द्वारा अवैध मादक पदार्थ का निर्माण एवं तस्करी करने वाले गैंग के चार अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 317 ग्राम निर्मित एमडीएमए 660 ग्राम अर्धनिर्मित निर्माण में प्रयुक्त सामग्री, 9,500 नकद व 02 चार पहिया वाहन बरामद। बरामद मादक पदार्थ एवं सामग्री की अनुमानित अन्तर्राष्ट्रीय कीमत करीब ड़ेढ करोड़ रुपये है। अपर पुलिस अधीक्षक देहात ने बताया कि संयुक्त कार्रवाई में केराकत के स्टेशन रोड स्थित ग्राण्ड वेलकम रेस्टोरेंटध्होटल पर दबिश देकर चार अभियुक्तों को अवैध रूप से एमडीएमए का निर्माण करते हुए गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों में शशांक मौर्या उर्फ सम्राट उर्फ लालू पुत्र विनय कुमार मौर्या, निवासी सैदनपुर, थाना लाइन बाजार, सुनील सोनकर पुत्र कन्हैया लाल सोनकर, निवासी मछली गली नरहन, थाना केराकत, ,राहुल सोनकर पुत्र सुरेश सोनकर उर्फ बबलू, निवासी मोहल्ला शेखजादा, थाना केराकत, तथा शिवशंकर कुमार पुत्र राजेन्द्र राम उर्फ बाबू, निवासी मुड़ैला, थाना चन्दवक, जनपद जौनपुर है।

किशोरी के साथ सामूहिक दुराचार

जौनपुर। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के एक गांव में मंगलवार देर रात किशोरी के साथ सामूहिक दुराचार का मामला सामने आया है। पीड़िता के परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। किशोरी को मेडिकल परीक्षण के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। पीड़िता की मां के मुताबिक, मंगलवार रात करीब 10:30 बजे किशोरी ने पेट में दर्द होने की बात कही और घर से करीब 50 मीटर दूर स्थित शौचालय चली गई। आरोप है कि शौचालय से बाहर निकलते ही पहले से घात लगाए तीन लोगों ने उसे पकड़ लिया और पास के मकई के खेत में खींच ले गए। वहां आरोपियों ने किशोरी की आंखों पर पट्टी बांधकर उसके साथ सामूहिक दुराचार किया।परिजनों के मुताबिक, किशोरी के रोने और चिल्लाने की आवाज सुनकर उसकी मां की नींद खुल गई। मां जब मौके की ओर पहुंची तो आरोपी किशोरी को खेत से बाहर फेंककर फरार हो गए। इसके बाद परिजनों ने तत्काल 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया और परिजनों को तहरीर देने के लिए सरायख्वाजा थाने भेज दिया।रात करीब तीन बजे परिजन थाने पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल की छानबीन करने के साथ पीड़िता और उसके परिजनों से पूछताछ की। सीओ सदर के मुताबिक, घटना के पदार्फाश के लिए एसओजी और सर्विलांस टीम को लगाया गया है। थाना पुलिस की दो टीमें भी आरोपियों की तलाश और घटना की जांच में जुटी हैं।

प्रसिद्ध शिव मंदिर में महामृत्युंजय जाप का शुभारंभ

लालगंज, मीरजापुर। स्थानीय क्षेत्र के गंगहरा कलां गांव में स्थित प्रसिद्ध शिव मंदिर में महामृत्युंजय जाप का शुभारंभ हुआ। आयोजक पत्रकार प्रभाशंकर दुबे ने बताया कि यह कार्यक्रम 7 दिन तक चलेगा। महामृत्युंजय मंत्र के वैदिक मंत्रोच्चार से पूरा वातावरण भक्ति मय हो गया। ब्राह्मणों द्वारा सामूहिक मंत्र का जाप कर भगवान भोलेनाथ की आराधना की। आयोजन से जुड़े आचार्य पंडित नारायण प्रसाद चौबे ने बताया कि महामृत्युंजय मंत्र भगवान शिव को समर्पित अत्यंत शक्तिशाली वैदिक मंत्र माना जाता है। इसका जाप स्वास्थ्य, दीघार्यु भय से मुक्ति और मानसिक शांति की कामना के लिए किया जाता है। उन्होंने कहा कि श्रद्धापूर्वक इस मंत्र का जाप करने से भगवान भोलेनाथ की कृपा प्राप्त होती है और मनोकामनाएं पूर्ण होती है। इस मौके पर विजय शंकर दुबे, अतुल कुमार दुबे, राम अनुज दुबे, मुन्नी देवी, लक्ष्मी देवी, शीतल पांडे, जया देवी आदि मौजूद रहे।

घायल पिता की मौत के बाद बेटे ने अज्ञात बाइक चालक के विरुद्ध दर्ज कराया मुकदमा

ड्रमंडगंज, मीरजापुर। क्षेत्र के दुर्जनीपुर गांव स्थित नेशनल हाईवे पर पेट्रोल पंप के पास बीते 28 अगस्त को हुए बाइक की टक्कर से घायल बाइक सवार की उपचार के दौरान प्रयागराज स्थित स्वरूप रानी अस्पताल में बीते 31 अगस्त को मौत हो गई थी।इस संबंध में मृतक के पुत्र ने बुधवार को अज्ञात बाइक चालक के खिलाफ विभिन्न धाराओं मुकदमा दर्ज कराया है।दी गई तहरीर में प्रयागराज जिले के कोरांव थाना के शिवपुर हटवारा गांव निवासी मृतक के पुत्र रामनरेश ने बताया कि पिता छोटेलाल अपने समधी पंचम लाल निवासी तिलाव, थाना लालगंज के साथ बाइक से कोरांव के शिवपुर छड़गड़ा गांव स्थित रिश्तेदारी में गए थे। रिश्तेदारी से वापस लौटते समय दुर्जनीपुर गांव स्थित पेट्रोल पंप के पास अज्ञात मोटरसाइकिल चालक ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। जिससे दोनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। लालगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद पिता की हालत गंभीर देख प्रयागराज के स्वरूप रानी अस्पताल में भर्ती करवाया जहां इलाज के दौरान बीते 31 अगस्त को उनकी मौत हो गई।

संक्षेप

जिला कांग्रेस कमेटी विधि प्रकोष्ठ की कार्यकारिणी गठित

मथुरा। जिला कांग्रेस कमेटी विधि प्रकोष्ठ की एक महत्वपूर्ण बैठक सेठबाड़ा स्थित जिला कार्यालय पर आयोजित की गई। जिलाध्यक्ष अक्षय कांत पाठक की अध्यक्षता में हुई इस बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन को मजबूत बनाना और विधि प्रकोष्ठ को अधिक सक्रिय व प्रभावी बनाना था, जिसके तहत नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष अजय शर्मा एडवोकेट ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने हमेशा संविधान, लोकतंत्र और न्याय के मूल्यों की रक्षा के लिए संघर्ष किया है। उन्होंने पदाधिकारियों से आह्वान किया कि वे अधिवक्ताओं और आम जनता के बीच जाकर संविधान द्वारा दिए गए अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाएं और जरूरतमंदों को न्याय दिलाने में अपनी अहम भूमिका निभाएं। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष अक्षयकांत पाठक एडवोकेट ने कहा कि मौजूदा समय में संविधान और लोकतांत्रिक संस्थाओं की रक्षा के लिए अधिवक्ताओं की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ गई है। नई कार्यकारिणी कांग्रेस की नीतियों और विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाते हुए संगठन को और अधिक सुदृढ़ करेगी। इस अवसर पर नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत कर उन्हें संगठन हित में पूरी सक्रियता से काम करने की प्रेरणा दी गई। कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष अजय शर्मा, महामंत्री संगठन मनोज गौड़, अश्विनी शुक्ला, विष्णु शर्मा और सुरेश शर्मा सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता और पार्टी पदाधिकारी उपस्थित रहे। उपाध्यक्ष राहुल उपाध्याय, योगेश सिसोदिया, राहुल अमीन, अपूर्व दुबे और विनोद चैधरी, महासचिव गोपाल रावत, संदीप भारद्वाज, आशीष चौधरी, अविनाश पाठक, दिलशाद खान डेविड, सत्यवीर ठाकुर, योगेश निषाद, नितिन शर्मा, दीपक पथसारिया और हेमंत बघेल। सचिव नीरज निषाद, आशीष शर्मा, उमेश गौड़, सिद्धार्थ शर्मा, धीरज कुमार निर्मल, धर्मेंद्र चौधरी, धीरज शर्मा, मोहित शर्मा, गिरधारी गोला और हदश सारस्वत नियुक्त किए गए है।

जर्जर छत से गिरा प्लास्टर, बाल-बाल बचे यात्री, मची भगदड़

मथुरा। मथुरा जंक्शन के प्रतीक्षा गृह में बुधवार को जर्जर छत का मोटा प्लास्टर अचानक भरभराकर नीचे गिर गया, जिससे यात्रियों में भगदड़ मच गई। हादसे के वक्त बेंच पर बैठे यात्री बाल-बाल बच गए। घटना ने स्टेशन भवन की जर्जर हालत और यात्रियों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मथुरा रेलवे जंक्शन स्टेशन के प्रतीक्षा गृह की जर्जर छत बुधवार को यात्रियों के लिए खतरे का सबब बन गई। अचानक छत का मोटा प्लास्टर भरभराकर नीचे गिर पड़ा। हादसे के समय प्रतीक्षा गृह में बड़ी संख्या में यात्री ट्रेन का इंतजार कर रहे थे और बेंचों पर बैठे थे। गनीमत रही कि प्लास्टर गिरने से कुछ ही पल पहले वहां बैठे यात्री बच गए। वरना कई यात्री गंभीर रूप से घायल हो सकते थे। प्लास्टर गिरते ही तेज आवाज के साथ अफरातफरी मच गई। बेंच पर बैठे यात्री और आसपास के लोग घबराकर भाग खड़े हुए। नीचे गिरे प्लास्टर के मोटे टुकड़े स्टेशन भवन की जर्जर हालत की तस्वीर बयां कर रहे थे। यात्रियों ने कहा कि छत की हालत पहले से खराब है, लेकिन मरम्मत नहीं होने से कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। घटना ने स्टेशन पर यात्रियों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं।

संस्कृति विवि के छात्रों ने बताया फिजियोथेरेपी का महत्व

मथुरा। विश्व फिजियोथेरेपी दिवस के मौके पर संस्कृति विश्वविद्यालय के फिजियोथेरेपी विभाग ने फिजियोथेरेपी के योगदान, स्वास्थ्य, गतिशीलता और जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में इसके महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए कई गतिविधियों और प्रतियोगिताओं का सफलतापूर्वक आयोजन किया।

इस अवसर पर फिजियोथेरेपी के विद्यार्थियों ने रील-मेकिंग, रंगोली-मेकिंग, स्लोगन राइटिंग और डिबेट जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी रचनात्मकता, ज्ञान, बातचीत के कौशल और टीम भावना का प्रदर्शन किया। इन गतिविधियों ने छात्रों को अपने विचारों को रचनात्मक रूप से व्यक्त करने के लिए एक बेहतरीन मंच प्रदान किया। साथ ही, इन्होंने बीमारी की रोकथाम, पुनर्वास (रिहैबिलिटेशन), कामकाज में आत्मनिर्भरता और समग्र स्वास्थ्य-कल्याण में फिजियोथेरेपी की भूमिका को भी उजागर किया। फिजियोथेरेपी विभाग के शिक्षकों ने बताया कि फिजियोथेरेपी ने अनगिनत लोगों को चोट, बीमारी या सर्जरी के बाद ताकत, गतिशीलता और आत्मविश्वास वापस पाने में मदद की है। यह सिर्फ पुनर्वास से कहीं बढ़कर है, यह आत्मनिर्भरता बहाल करने और समग्र स्वास्थ्य को बेहतर बनाने का मार्ग प्रशस्त करता है। विश्व फिजियोथेरेपी दिवस हर साल 8 सितंबर को मनाया जाता है, ताकि इस क्षेत्र के महत्व को पहचाना जा सके और इसमें शामिल पेशेवरों को सम्मानित किया जा सके। इस विश्व फिजियोथेरेपी दिवस पर, हम उन फिजियोथेरेपिस्टों के महत्वपूर्ण योगदान को भी याद करते हैं जो स्वास्थ्य लाभ में सहायता करने, पुरानी बीमारियों का प्रबंधन करने और स्वस्थ, अधिक सक्रिय जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए अथक प्रयास करते हैं। लोगों में जागरूकता के लिए आयोजित की गई प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों ने फिजियोथैरेपी के तरीकों और स्वस्थ्य निर्माण में इनके प्रयोगों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। विद्यार्थियों ने रंगोली-मेकिंग, स्लोगन राइटिंग और डिबेट जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से बताया कि कैसे लोगों को चोट, बीमारी या सर्जरी के बाद ताकत, गतिशीलता और आत्मविश्वास वापस पाने में फिजियोथैरेपी से मदद मिलती है। शिक्षकों ने पूरे कार्यक्रम के दौरान छात्रों की सक्रिय भागीदारी, रचनात्मकता, उत्साह और प्रयासों की सराहना की।

लंदन में बैरिस्टर की पढ़ाई करेंगे जीएलए विधि के छात्र रौनक उपमन्यु

मथुरा। जीएलए विश्वविद्यालय संस्थान के विधि संकाय के प्रतिभाशाली छात्र रहे रौनक उपमन्यु की उपलब्धियों को देखते हुए उन्हें लंदन की क्वीन मैरी लॉ यूनिवर्सिटी में बैरिस्टर (एलएलएम) की शिक्षा अर्जित करने का अवसर मिला है, जहां उनकी पढ़ाई एवं अन्य खर्चे जीएलए यूनिवर्सिटी संस्थान वहन करेगा। छात्र बैरिस्टर की पढ़ाई के लिए गुरुवार को लंदन के लिए रवाना होंगे।

विदित रहे कि जीएलए के विधि छात्र रहे एडवोकेट रौनक उपमन्यु ने मून एवं यूथ पार्लियामेंट की 596 डिबेटो में भाग लिया और 312 प्रथम पुरस्कार हासिल कर देश भर में इतिहास रचा है तथा इस वर्ष ऑल इंडिया बार काउंसिल का भी पहली बार में ही टेस्ट पास कर लिया है।

राष्ट्रीय स्तर पर भी जीएलए की श्रेष्ठ विधि शिक्षा, प्रशिक्षण और शैक्षणिक गुणवत्ता की ऐसी छाप छोड़ी है, जो एक मिसाल बनी है। छात्र ने अब तक देशभर के प्रतिष्ठित आईआईटी दिल्ली में पांचवीं बार लगातार एमयूएन जीत कर श्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। जीएलए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति नारायण दास अग्रवाल ने कहा कि यह उपलब्धि केवल एक विद्यार्थी की व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि उसकी प्रतिभा, परिश्रम और जीएलए विविकी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के उत्कृष्ट समन्वय का परिणाम है। रौनक उपमन्यु ने जिस प्रकार राष्ट्रीय स्तर पर अपनी तर्कशक्ति, वक्तृत्व कौशल और विधिक समझ का प्रदर्शन किया है, वह निश्चित रूप से अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत है। लंदन में बैरिस्टर की पढ़ाई के लिए जीएलए द्वारा सहयोग प्रदान करना विश्वविद्यालय की उस प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिसमें प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ने के लिए हरसंभव अवसर उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। हमें विश्वास है कि रौनक भविष्य में विधि के क्षेत्र में देश और ब्रज का नाम और अधिक गौरवान्वित करेंगे। कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता ने कहा कि रौनक उपमन्यु की उपलब्धि उनकी मेहनत, आत्मविश्वास और अद्भुत वक्तृत्व कौशल का परिणाम है। लंदन में बैरिस्टर की पढ़ाई का अवसर उनकी प्रतिभा को वैश्विक मंच प्रदान करेगा। सीएफओ डॉ. विवेक अग्रवाल ने कहा कि रौनक की उपलब्धि जीएलए के विद्यार्थियों की प्रतिभा और विवि की शैक्षणिक प्रतिबद्धता को दर्शाती है। लंदन में उनकी उच्च शिक्षा के लिए विश्वविद्यालय का सहयोग उनके उज्ज्वल भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। वहीं विधि संकाय के डीन प्रो. सोमेश धमीजा ने रौनक उपमन्यु को बधाई दी।

17 सितंबर को होगा प्रेस क्लब का भव्य शपथ ग्रहण समारोह

टूंडला। प्रेस क्लब की मासिक बैठक बुधवार को रेल कोच रेस्टोरेंट पर क्लब के संरक्षक राजू उपाध्याय की उपस्थिति एवं अध्यक्ष राधेश्याम चौहान की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में क्लब की कार्यकारिणी के विस्तार सहित आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक के दौरान अध्यक्ष राधेश्याम चौहान ने आगामी 17 सितंबर को प्रेस क्लब के पदाधिकारियों का भव्य शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किए जाने की विधिवत घोषणा की। उन्होंने कहा कि समारोह को गरिमापूर्ण एवं भव्य रूप देने के लिए सभी पदाधिकारी एवं सदस्य मिलकर तैयारियों को अंतिम रूप देंगे। बैठक में क्लब की आगामी गतिविधियों, संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा पत्रकारों के हितों से जुड़े विषयों पर भी चर्चा की गई। इस अवसर पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष सोमेंद्र पौनियां, सचिव अरुण रावत, कोषाध्यक्ष राष्ट्रदीप जैन, सह सचिव विवेक शर्मा, सुनील गर्ग, योगेंद्र सिंह सहित प्रेस क्लब के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे।

● **अध्यक्ष राधेश्याम चौहान ने की विधिवत घोषणा, कार्यकारिणी विस्तार व आगामी कार्यक्रमों पर हुई चर्चा**

जीआरपी टूंडला ने चोर को मोबाइल समेत दबोचा

टूंडला। ट्रेनों एवं रेलवे स्टेशनों पर अपराधों की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे चेकिंग अभियान के तहत जीआरपी टूंडला पुलिस ने एक शातिर चोर को चोरी के मोबाइल के साथ गिरफ्तार किया है। 9 सितंबर को उपनिरीक्षक परविन्द्र कुमार भाटी पुलिस टीम के साथ स्टेशन क्षेत्र में चेकिंग कर रहे थे। मुखबिर की सूचना पर प्लेटफॉर्म संख्या 1/02 के पूर्वी छोर से संदिग्ध युवक को घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। तलाशी में उसके पास से रेडमी नोट-9 प्रो मैक्स मोबाइल बरामद हुआ। पकड़े गए आरोपी की पहचान अभिषेक कुमार पुत्र अशोक कुमार निवासी रचना पुरम, नई बस्ती रेलवे रोड, थाना टूंडला के रूप में हुई। पूछताछ में आरोपी ने 30 जून की रात ट्रेन के स्लीपर कोच से यात्री का बैग चोरी करने की बात स्वीकार की। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया। गिरफ्तारी करने वाली टीम में थाना प्रभारी निरीक्षक विश्वनाथ मिश्र उपनिरीक्षक परविन्द्र कुमार भाटी, कांस्टेबल देवेन्द्र सिंह एवं हरेश कुमार शामिल रहे।

जन्मभूमि से कर्मभूमि तक गूंजेगा युवा शक्ति का संकल्प

मथुरा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) की ओर से बड़नगर से वाराणसी तक ऐतिहासिक बाइक यात्रा निकाली जाएगी। करीब 250 बाइकों का यह काफिला युवाओं में सेवा, समर्पण, अनुशासन और राष्ट्र निर्माण की भावना को मजबूत करने का संदेश देगा।पुष्पांजलि स्थित भाजपा कार्यालय में आयोजित बैठक में भाजयुमो के प्रदेश कोषाध्यक्ष एवं बृज क्षेत्र प्रवासी नरेंद्र भाटी ने यात्रा की तैयारियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह यात्रा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जन्मभूमि बड़नगर और कर्मभूमि वाराणसी को सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक रूप से जोड़ने का प्रतीक बनेगी। उन्होंने बताया कि यात्रा दोनों दिशाओं से संचालित होगी। एक दल बड़नगर से वाराणसी के लिए रवाना होगा, जबकि दूसरा दल वाराणसी से बड़नगर की ओर प्रस्थान करेगा। इस दौरान 10 पवित्र नदियों का जल बड़नगर से वाराणसी ले जाया जाएगा और वाराणसी से मां गंगा का जल बड़नगर लाकर विभिन्न पवित्र नदियों के जल से जलाभिषेक किया जाएगा। आयोजकों का कहना है कि इस अनूठी पहल का उद्देश्य भारत की विविध सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपराओं को एक सूत्र में पिरोते हुए राष्ट्रीय एकता का संदेश देना है। भाजपा महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सार्वजनिक जीवन युवाओं के लिए सेवा, सुशासन और राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा है तथा यह यात्रा उसी संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम बनेगी। बैठक में कार्यकताओं ने यात्रा को सफल बनाने के लिए तैयारियों को गति देने, स्वागत कार्यक्रमों को व्यवस्थित करने तथा अधिक से अधिक युवाओं की सहभागिता सुनिश्चित करने पर विचार-विमर्श किया।इस अवसर पर युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष भाजपा महानगर उपाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह प्रधान ललित गौतम, महामंत्री आकाश चैधरी, मंत्री मनोज ठाकुर सौनोठ, अंकुर गुर्जर, जिला मीडिया प्रभारी श्याम शर्मा, बृजेश अहेरिया, प्रणय पाराशर, वत्सल भाटिया, राहुल राजावत, शशांक शर्मा पार्षद, पवन शर्मा पुष्पेंद्र सिकरवार, संजीव गुलाटी, दिलीप राघव, प्रवीण चैहान, रामू गुर्जर, दिनेश आदि मौजूद थे।

रिफाइनरी में हुआ हिंदी कार्यशाला और प्रतियोगिता का आयोजन

मथुरा। राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के निदेर्शानुसार मथुरा रिफाइनरी द्वारा बुधवार दोपहर नराकास (नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति), मथुरा के तत्वावधान में सदस्य कार्यालयों और मथुरा रिफाइनरी के लिए एक विशेष हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत इंडियन ऑयल के राजभाषा गीत के साथ हुई। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में मथुरा रिफाइनरी के महाप्रबंधक (कर्मचारी सेवाएँ) अभिनव गोस्वामी, मुख्य प्रबंधक (कर्मचारी सेवाएँ) एम.के. उपाध्याय और वरिष्ठ प्रबंधक (सीसी, सीएसआर) विवेक शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। स्वागत संबोधन देते हुए महाप्रबंधक (कर्मचारी सेवाएँ) अभिनव गोस्वामी ने कहा कि राजभाषा हिंदी हमारे प्रशासनिक कार्यों को सरल, सुगम और प्रभावी बनाने का एक सशक्त माध्यम है। यह केवल अभिव्यक्ति का साधन नहीं, बल्कि हमें हमारी जड़ों और संस्कृति से जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण कड़ी भी है। उन्होंने कहा कि आज के डिजिटल युग में तकनीकी उपकरणों के माध्यम से कार्यालयीन कार्यों में हिंदी का प्रयोग और अधिक सहज हो गया है। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य केवल नियमों की जानकारी देना नहीं, बल्कि कार्यालयों में हिंदी के व्यावहारिक प्रयोग को बढ़ावा देना है।

प्रथम सत्र में दीपक कुमार साह, वरिष्ठ अधिकारी (हिंदी व सीएसआर) ने कार्यालयीन कार्यों में राजभाषा हिंदी के नियम-अधिनियमों के अनुपालन और हिंदी समन्वयकों की भूमिका पर विस्तृत जानकारी दी। द्वितीय सत्र में कार्यशाला के दूसरे चरण में काहूत (केएएचओओटी) के माध्यम से ह्ललाइव हिंदी प्रतियोगिताह्व का आयोजन किया गया। इस दौरान नराकास, मथुरा की वार्षिक पत्रिका ह्लब्रज रश्मिह्व के रचनाकारों को प्रतिभागिता पुरस्कार प्रदान किए गए। अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

महिलाओं और छात्राओं पर अश्लील इशारे करने वाला युवक गिरफ्तार

फिरोजाबाद। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में संदिग्ध वाहन एवं व्यक्तियों की चेकिंग तथा गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना मटसेना पुलिस की मिशन शक्ति टीम ने एक युवक को महिलाओं एवं छात्राओं पर अश्लील गाने बजाने और इशारे करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार बुधवार को मिशन शक्ति टीम इटौरा चौराहे के पास चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पंडित रामकिशन महाराज इंटर कॉलेज इटौरा से आगे महिलाओं एवं स्कूल की छात्राओं को देखकर अश्लील गाने और इशारे कर रहे युवक को पुलिस ने पकड़ लिया। गिरफ्तार युवक की पहचान सतेन्द्र पुत्र जयपाल सिंह, निवासी ग्राम किंदरपुर, थाना मटसेना, जनपद फिरोजाबाद के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध धारा 296 बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज कर अग्रिम विधिक कार्रवाई कर आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया है।पुलिस के मुताबिक आरोपी के विरुद्ध पूर्व में भी आयुध अधिनियम के तहत थाना मटसेना में मुकदमा दर्ज है। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष विमलेश कुमार त्रिपाठी, उपनिरीक्षक नाजिम हेड कांस्टेबल जितेन्द्र सिंह हेड कांस्टेबल गुलफान खां एवं महिला कांस्टेबल सुषमा शामिल रहीं।

श्रीकृष्ण की लीलाओं के रंगों में सजा गीता शोध संस्थान

मथुरा। भगवान श्रीकृष्ण की नगरी में तीन दिनों तक रंग, रेखा और भाव के माध्यम से उनकी दिव्य लीलाओं को कैनवास पर साकार करने वाला ह्यश्री कृष्ण नेशनल आर्ट वर्कशॉप-2026ह्व बुधवार को गीता शोध संस्थान में संपन्न हुआ। देश के विभिन्न हिस्सों से आए 20 ख्यातिप्राप्त चित्रकारों ने अपनी-अपनी कला शैलियों में श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं, राधा-कृष्ण प्रेम, माखन चोरी, गौ-प्रेम, बांसुरी, गिरिराज धारण और ब्रज की सांस्कृतिक परंपराओं को चित्रों में जीवंत किया। समापन समारोह की मुख्य अतिथि सांसद एवं अभिनेत्री हेमा मालिनी ने एक-एक चित्रकार के पास जाकर उनके चित्रों का अवलोकन किया। उन्होंने चित्रों के विषय, शैली और उनमें निहित भाव को समझा तथा कलाकारों से उनकी रचनाओं के बारे में जानकारी ली। चित्रकारों ने भी अपनी कल्पना और चित्र के पीछे की कथा से उन्हें अवगत कराया।

कैनवास पर उकेरी गई कृष्ण लीलाओं को देखकर हेमा मालिनी अत्यंत प्रभावित हुईं। उन्होंने कहा कि उन्हें आश्चर्य है कि केवल दो दिनों में कलाकारों ने इतनी सुंदरता और भावपूर्ण ढंग से श्रीकृष्ण की लीलाओं को रंगों में उतार दिया। उन्होंने कहा कि ब्रज में भगवान श्रीकृष्ण की अनेक लीलाएं हुई हैं और उन्हें चित्रों के माध्यम से सहेजने का यह सिलसिला आगे भी जारी रहना चाहिए। उन्होंने उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के अधिकारियों से आग्रह किया कि भविष्य में चित्रांकन शिविर की अवधि तीन दिन के बजाय पांच दिन की जाए, क्योंकि एक उत्कृष्ट और भावपूर्ण चित्र तैयार करने में कलाकार को समय चाहिए।

इस मौके पर उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद की सी ई ओ लक्ष्मी नागप्पन ने सांसद हेमा मालिनी सहित श्री कृष्ण नेशनल आर्ट वर्कशॉप-2026 में प्रतिभाग करने वाले सभी चित्रकारों का आभार जताया। पटना की चित्रकार अलका दास ने परिषद द्वारा आयोजित कार्यशाला की सराहना करते हुए गीता शोध संस्थान में की गई व्यवस्थाओं की भी प्रशंसा की। पद्मश्री शांति देवी ने मधुबनी चित्रकला शैली की विशेषताओं पर प्रकाश डाला। पद्मश्री चित्रकार श्रीमती शांति देवी ने अपनी विशिष्ट मधुबनी शैली में जन्म के बाद वासुदेव द्वारा बालकृष्ण को सिर पर रखकर यमुना पार ले जाने के प्रसंग को अत्यंत प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। उनकी रचना में मधुबनी शैली की पारंपरिक रेखाओं और रंगों के साथ प्रसंग का भाव पक्ष विशेष रूप से उभरकर आया। ग्रेटर नोएडा की श्रीमती कंचन प्रकाश ने बज्जिका शैली में भगवान श्रीकृष्ण द्वारा गिरिराज पर्वत धारण करने की लीला को आकर्षक रूप दिया। उज्जैन की श्रीमती सुमन डोंगरे ने राधा-कृष्ण और सखियों के प्रेम, माधुर्य एवं रासभाव को अपनी विशिष्ट शैली में चित्रित किया। इंदौर की श्रीमती अलका झा ने बांसुरी बजाते श्रीकृष्ण और राधा की प्रेममयी छवि को कैनवास पर उतारा। अलीगढ़ के मंगलायतन विश्वविद्यालय में फाइन आर्ट की फैकल्टी प्रो. पूनम रानी ने बालकृष्ण की वैणी गूथन लीला को अपने चित्र का विषय बनाया। चित्रकार महेंद्र सिंह ने आधुनिक शैली के माध्यम से ब्रज की संगीत परंपरा और श्रीकृष्ण से जुड़े संगीत के भाव को कैनवास पर अभिव्यक्त किया। महेश चंद्र शर्मा ने वैदिक मंत्रोच्चार एवं शंखवादन कराया।

जिलाधिकारी ने हरी झंडी दिखाकर किया नवें राष्ट्रीय पोषण माह का शुभारंभ

फिरोजाबाद। प्रधानमंत्री के सुपोषित भारत के विजन को साकार करने के उद्देश्य से जनपद में बुधवार को नवें राष्ट्रीय पोषण माह (9 सितंबर से 8 अक्टूबर) तक का औपचारिक शुभारंभ जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने मुख्य विकास अधिकारी शत्रोहन वैश्य के साथ किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने हरी झंडी दिखाकर पोषण जागरूकता प्रचार वाहन को रवाना किया, इस वर्ष के राष्ट्रीय पोषण माह की मुख्य थीम है, हमारी आंगनबाड़ी हमारी जिम्मेदारी इसका मुख्य उद्देश्य आंगनबाड़ी केंद्रों को पोषण देखभाल और बाल विकास हेतु सामुदायिक नेतृत्व वाली कार्यवाही के केंद्र के रूप में स्थापित करना तथा आंगनबाड़ी केंद्र के प्रति सामूहिक, स्वामित्व और जवाबदेही को सुदृढ़ बनाना है। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि पोषण अभियान एक बहुविभागीय समन्वय का अभियान है, इसमें बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार, स्वास्थ्य शिक्षा ग्राम विकास तथा अन्य संबंधित विभाग एक साथ मिलकर काम करें, जिससे कोई भी बच्चा जनपद में कुपोषित न रहें।

अस्पतालों में मरीजों को न हो कोई असुविधा : जिलाधिकारी

फिरोजाबाद। डीएम संतोष कुमार शर्मा ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जिले के सरकारी अस्पतालों व मेडिकल कॉलेज में आने वाले किसी भी मरीज को इलाज के लिए इंतजार न करना पड़े और न ही उसे किसी प्रकार की असुविधा या परेशानी का सामना करना पड़े। जन सामान्य के स्वास्थ्य और सुगम इलाज को लेकर अत्यंत संवेदनशील जिलाधिकारी ने सख्त रूख अपनाते हुए स्वास्थ्य विभाग एवं मेडिकल प्रशासन की व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के कड़े निर्देश जारी किए हैं। डीएम द्वारा मेडिकल कॉलेज और ट्रॉमा सेंटर प्रशासन को निर्देशित किया गया है कि वर्तमान समय में वायरल बुखार एवं मौसमी बीमारियों से पीड़ित मरीजों की सुविधा हेतु पृथक ओपीडी एवं विशेष काउंटर संचालित किए जाए। डीएम ने सख्त निर्देश दिए हैं की वायरल बुखार से पीड़ित मरीजों को पर्ची बनवाने के लिए कतारों में खड़ा न होना पड़े मरीजों को सीधे संबंधित डॉक्टर देखेंगे और डॉक्टर अपनी पंजिका में मरीज का नाम व विवरण दर्ज करते हुए तत्काल उनका उपचार प्रारंभ करेंगे। इसके लिए पर्याप्त संख्या में डॉक्टरों की ड्यूटी भी लगाई जाए, अस्पतालों की व्यवस्थाओं की सततनिगरानी और मरीजों को निर्बाध सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए डीएम ने डिप्टी कलेक्टर अंकित वर्मा को विशेष रूप से नामित किया गया है, नामित अधिकारी प्रतिदिन मेडिकल कॉलेज एवं ट्रॉमा सेंटर की व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण व पर्यवेक्षण करेंगे तथा दैनिक रिपोर्ट सीधे डीएम को प्रस्तुत करेंगे। डीएम ने अंत में कहा कि प्रत्येक नागरिक का स्वास्थ्य और उसका सुगम उपचार हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। अस्वस्थ्यता की स्थिति में किसी भी मरीज या उसके परिजन को किसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी न झेलनी पड़े, इसके लिए प्रशासन प्रतिबद्ध है।

17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलेगा 'सेवा संकल्प अभियान'

फिरोजाबाद। आगामी 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले 31 दिवसीय सेवा सुशासन और संकल्प अभियान को सफल बनाने के लिए जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी शत्रोहन वैश्य सहित विभिन्न विभागों के जनपद स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभियान को पूरी तरह जनहितैषी, जनकल्याणकारी एवं आमजन के लिए उपयोगी बनाया जाए।

उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य समाज के प्रत्येक नागरिक, विशेषकर वंचित एवं पात्र वर्ग को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराना और उन्हें योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ दिलाना है।जिलाधिकारी ने कहा कि अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए सभी विभागाध्यक्ष एवं अधिकारियों को सौंपी गई जिम्मेदारियों का पूरी निष्ठा लगन और समयबद्धता के साथ निर्वहन करना होगा। विकासखंड स्तर पर बहुउद्देशीय सेवा शिविर एवं स्वास्थ्य मेलों का आयोजन कराने के निर्देश भी दिए गए, ताकि ग्रामीणों को मौके पर ही विभिन्न योजनाओं का लाभ एवं पात्रता स्वीकृति मिल सके। बैठक में केंद्र एवं राज्य सरकार की उपलब्धियों का विवरण तैयार करने के साथ ही विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित लाभार्थियों

● **जनकल्याणकारी योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ पात्रों तक पहुंचाने पर जोर**

की सफलता की कहानियों के वीडियो डाटा तैयार करने पर भी चर्चा हुई। अभियान के दौरान आशीर्वाद का दिया25 करोड़ बच्चों के सपनों का भारतनमो सेवा गाथा आंगन का उत्सव एवं सेवा ज्योति यात्रा जैसी विभिन्न थीम पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिलाधिकारी ने कहा कि सेवा संकल्प और सुशासन अभियान का मुख्य उद्देश्य नागरिक से लाभार्थी तक की दूरी समाप्त कर योजनाओं का शत-प्रतिशत सैचुरेशन हासिल करना है। बैठक में परियोजना निदेशक सुभाष चंद्र त्रिपाठी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार, डीपीआरओ उपायुक्त उद्योग सहायक श्रमायुक्त डीसी मनरेगा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

वृंदावन पहुंची हनुमान अंश की प्रोड्यूसर अनुप्रिया, लिया संत प्रेमानंद का आशीर्वाद, संतों ने किया सम्मानित

मथुरा। धर्मनगरी वृंदावन में बुधवार को मशहूर फिल्म ह्यहनुमान अंशह्व की 21 वर्षीय युवा निमार्ता अनुप्रिया नागर को रामायणी सम्मान से सम्मानित किया गया। रामायणी रिसर्च काउंसिल की ओर से आयोजित सम्मान समारोह में ब्रज के प्रमुख संतों ने अनुप्रिया को सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और आशीर्वाद दिया। सम्मान समारोह से पहले अनुप्रिया नागर ने अपने परिवार के साथ प्रसिद्ध संत प्रेमानंद महाराज के दर्शन किए और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। संत प्रेमानंद महाराज ने उन्हें आशीर्वाद देते हुए कहा कि वे सत्य और धर्म के मार्ग पर चल रहीं हैं। इसलिए उन्हें जो चाहिए वो मिलेगा। सपरिवार वृन्दावन पहुंचने पर रामायण रिसर्च काउंसिल की ओर से उन्हें सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान अपने अनुभव साझा करते हुए अनुप्रिया नागर ने बताया कि बाबा नीब करौरी महाराज के जीवन पर आधारित फिल्म ह्यहनुमान अंशह्व का निर्माण करीब 1 करोड़ 75 लाख रुपये के सीमित बजट में किया गया है। उन्होंने फिल्म को मिली सफलता का श्रेय बाबा नीब करौरी महाराज के आशीर्वाद को दिया। अनुप्रिया नागर ने कहा कि वह भविष्य में भी भारतीय संस्कृति, सनातन परंपरा और धर्म से जुड़े विषयों पर फिल्में बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उनकी इस सोच की कार्यक्रम में मौजूद संतों ने सराहना की और उन्हें आगे बढ़ने का आशीर्वाद दिया। अनुप्रिया ने कहा कि उनका उद्देश्य भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक परंपराओं और सनातन मूल्यों से जुड़े विषयों को सिनेमा के माध्यम से प्रभावी रूप से प्रस्तुत करना है। उन्होंने कहा कि युवाओं तक भारतीय आध्यात्मिक विरासत और प्रेरणादायी प्रसंगों को आधुनिक माध्यमों से पहुंचाना आज के समय की आवश्यकता है।कार्यक्रम से पूर्व अनुप्रिया नागर अपने परिजनों के साथ संत प्रेमानंद महाराज के दर्शन के लिए भी पहुंचीं जहां उन्होंने आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके पश्चात आयोजित सम्मान समारोह में संतों ने उनके प्रयासों की सराहना की और उन्हें आगे भी इसी दिशा में कार्य करने का आशीर्वाद दिया।

अवैध इमारतों का कहर

बात चाहे दिल्ली की हो या लखनऊ मुंबई की, बिल्डिंग हादसे होते रहते हैं और जब कोई बड़ा हादसा हो जाता है, तब कुछ दिन के लिए प्रशासन सतर्कता दिखाता है और फिर कुंभकर्णी नींद सो जाता है। बस यही लापरवाही या कहें भ्रष्टाचार शहरों में ऐसी बिल्डिंगों बनाने और उनके कॉमर्शियल उपयोग को बढ़ावा देता है, जो वास्तव में बिल्डिंग नहीं बल्कि बम हैं। दिल्ली देश की राजधानी है अथवा मौत की इमारतों का महानगर है ! यह इसलिए कहना पड़ रहा है, क्योंकि हाल ही में मालवीय नगर के एक अवैध, संकरे कथित होटल में अग्निकांड हुआ, जिसमें 22 जिंदगियां राख हो गयीं। कभी राजेन्द्र नगर में बारिश का पानी भर जाता है, उसमें करंट भी प्रवाहित होने लगता है, नतीजतन आधा दर्जन युवा छात्र अचानक लाश बन जाते हैं। वे आईएएस बनने का सपना लिए पढ़ाई कर रहे थे, लेकिन मौत ने सब कुछ छीन लिया। कभी लक्ष्मीनगर में हादसा हुआ और फिर युवा जिंदगियों पर विराम लग गया। इसी जुलाई में ही रोहिणी में इमारत गिरी, साकेत और करोल बाग में हादसे हुए। मुस्तफाबाद में 11 मौतें इससे पहले हो चुकी थीं। ये हादसे, मौतें नहीं, बल्कि हत्याएं हैं, क्योंकि बचने के बंदोबस्त शून्य थे। अब संभ्रांत कॉलोनी मोतीबाग के पास सत्य निकेतन में भी एक 5-मंजिला इमारत जमींदोज हो गई जिसमें 7 की मौत और 12 घायल हो गये। इन तमाम इमारतों में एक तथ्य साझा है कि सभी अवैध थीं। न अग्नि शमन विभाग का एनओसी, न नगर निगम का एनओसी, स्वीकृत मंजिलों से अधिक मंजिलों का निर्माण और कई इमारतें तो सालों पुरानी थीं, जिनका रखरखाव भी नहीं किया गया था। सत्य निकेतन वाली इमारत भी 36 साल पुरानी बताई गई है। उस पर विभाग ने सील लगा दी थी, लेकिन फिर न जाने कैसे, वह सील भी खुल गई और यह हत्याकांड हो गया। इस इमारत की तीन मंजिलें अवैध थीं, क्योंकि उसे भूतल और पहली मंजिल बनाने की ही अनुमति दी गई थी, लेकिन भूतल के ऊपर भी चार मंजिलों का निर्माण कर लिया गया। दिल्ली नगर निगम के एक पूर्व चेयरमैन और फायर ब्रिगेड के पूर्व निदेशक ने चौंका देने वाला खुलासा किया है कि दिल्ली में करीब 75 लाख इमारतें हैं। उनमें से करीब 1.75 लाख इमारतों के नक्शे पास हैं। शेष सभी इमारतें अवैध और अतिक्रमण की हैं। देश की राजधानी में 1731 अनधिकृत कॉलोनियां हैं। उनमें से 1511 को अधिकृत, नियमित करने के मद्देनजर पीएम-उदय योजना के तहत रखा गया है। एक पुख्ता वोट बैंक की तैयारी, लेकिन यह कितना भयावह यथार्थ है ! यदि इन अवैध, अनधिकृत इलाकों में कोई इमारत भरभरा कर गिर पड़ती है, तो कल्पना कीजिए कि नुकसान कितना होगा ? सरकार मुआवजा भी नहीं देगी। आखिर ये अनधिकृत कॉलोनियां कैसे उभर आईं ? किसने इन्हें बनाया और सरकार में किसने इनकी मदद की ? ये इमारतें कांग्रेस, भाजपा और आम आदमी पार्टी की सरकारों के दौरान बनी होंगी, लिहाजा कोई एक चेहरा या पार्टी खलनायक नहीं है। इस भ्रष्ट हम्माम में सभी नंगे हैं। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने अप्रैल, 2025 के बाद से 241.51 एकड़ जमीन पुनः वापस ली है या प्रक्रिया में है। इसके अलावा, 235 एकड़ से अधिक जमीन पर जो अतिक्रमण, अवैध कब्जे थे, उन्हें मुक्त कराने का अभियान भी तय किया गया है। एक अनुमान है कि 70-75 फीसदी दिल्ली में अवैध या अतिक्रमण वाले कब्जे या निर्माण हैं। यही हाल अधिकांश शहरों में। उत्तर प्रदेश के शहरों में भी अधिकांश इमारतें अवैध हैं। बहरहाल सत्य निकेतन की जो इमारत गिरी है, उसमें डिब्बेनुमा कुछ कमरे बनाए गए थे, जिन्हें हॉस्टल का नाम दिया गया था। एक कमरे में, एक बिस्तर का किराया 15,000-18,000 रुपए माहवार वसूल रहे थे। संकरे रास्ते, संकरी-एकतरफा सीढ़िया और आपातकालीन बंदोबस्त शून्य थे। ऐसी इमारत के बेसमेंट में, बरसात के मौसम में, भरे पानी की स्थिति में कुछ निर्माण-कार्य किया जा रहा था। कुल मिलाकर ऐसी अवैध इमारतों में मौत का पूरा इंतजाम होता है।

उत्तर भारत के अधिकांश शहरों में अवैध इमारतों की भरमार है और इनका जमकर कॉमर्शियल उपयोग हो रहा।

विचार

ज्ञान द्वारा जिनके पाप धुल गए, वे ईश्वर का ध्यान धरने वाले, तन्मय हुए, उसमें स्थिर रहने वाले और उसी को सर्व मानने वाले लोग मोक्ष पाते हैं।

-श्रीमद्भागवत गीता.

यदि हमारे जीवन को हरा-भरा रखने हेतु, हमारे साथ प्रभु का पक्षपात है। यादें पंख हैं, जो उड़ने को पुरुषार्थ देती हैं।

-माखन लाल चतुर्वेदी.

वेदों के अध्ययन का सार है सत्य भाषण। जीवन का सार है इन्द्रिय संयम और इन्द्रिय संयम का सार है मोक्ष।

-महाभारत.

जब दुष्ट लोग गुट बना लें, तब सज्जनों को भी संगठित हो जाना चाहिए। अन्यथा एक-एक करके सबकी ही बलि चढ़ जायेगी।

-डिक्सन.

संगठन में अपार शक्ति है। संगठित होकर ही शक्तिशाली शत्रुओं पर विजयपायी जा सकती है।

-कौटिल्य.

ताकि मतदाताओं की पहचान सुरक्षित रहे

शाहिद ए चौधरी

मतदाता की गोपनीयता को सुरक्षित रखने के लक्ष्य का समर्थन करते हुए चुनाव आयोग ने प्रस्ताव को लागू करने के संदर्भ में कुछ व्यावहारिक व कानूनी चुनौतियों को भी व्यक्त किया, जिनमें बूथ-अनुरूप सत्यापन व वीवीपीएटी से संबंधित चिंताएं भी शामिल हैं।

भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायाधीश जॉयमाल्या बागची व न्यायाधीश वी मोहना की खंडपीठ ने 1 सितम्बर 2026 को केंद्र सरकार से कहा कि वह ईवीएम (इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन) में रिकॉर्ड किये गये मतों को गिनने के लिए टोटलाइजर (सामूहिक गणना करने वाला उपकरण) मशीनों के उपयोग की संभावना की समीक्षा करें ताकि बूथ-अनुसार मतदान पैटर्न की गोपनीयता को सुरक्षित रखा जा सके और व्यक्तिगत बूथ पर मतदाताओं को पहचानने व प्रताड़ित किये जाने की आशंका को रोका जा सके। गौरतलब है कि अक्सर यह देखने में आया है कि मतदाता की पहचान हो जाती है कि उसने किसके पक्ष में अपने मत का प्रयोग किया और फिर दूसरा प्रत्याशी या उसके समर्थक संबंधित मतदाता के विरुद्ध हिंसा करते हैं या उसे धमकाते हैं। इस किस्म की अप्रिय वारदातों को रुकवाने के उद्देश्य से योगेश गुप्ता व इमरान खान ने 2014 में सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की थी, यह मांग करते हुए कि चुनाव आयोग को निर्देश दिया जाये कि वह एक चुनाव क्षेत्र के विभिन्न पोलिंग स्टेशनों पर पड़े मतों को मिश्रित कर दे ताकि प्रत्याशी उन क्षेत्रों में मतदाताओं को धमकियां न दे सकें जिनमें उन्हें ठुकरा दिया गया था।

आगे बढ़ने से पहले यह जान लेते हैं कि टोटलाइजर (सामूहिक गणना करने वाला उपकरण) क्या है ? यह मतों की सामूहिक गणना का एक प्रस्ताव है, जिसका उद्देश्य प्रत्याशियों को किसी एक पोलिंग बूथ पर वोटिंग पैटर्न जानने से रोकना है। टोटलाइजर से होता यह है कि लगभग 14 पोलिंग बूथों पर डाले गये मतों को एक साथ गिन लिया जाता है। वर्तमान में प्रत्येक बूथ पर पड़े मतों को अलग-अलग गिना जाता है। टोटलाइजर को भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, बंग्लुरु और इलेक्ट्रॉनिक्स कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, हैदराबाद ने विकसित किया है। दरअसल, टोटलाइजर एक इंटरफेस है, जिसे 14 ईवीएम के समूह के मुख्य कंट्रोल यूनिट से जोड़ दिया जाता है। टोटलाइजर का नतीजा बटन दबाने से मालूम हो जाता है कि 14 ईवीएम पर किस प्रत्याशी को कुल कितने कितने वोट मिले हैं और यह भी जाहिर नहीं होता है कि किस मतदान क्षेत्र में मतदान का पैटर्न क्या रहा ? योगेश गुप्ता व इमरान खान ने टोटलाइजर की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका इसलिए दायर की थी ताकि प्रत्याशियों को उन क्षेत्रों के मतदाताओं को धमकाने से रोका जा सके जिन्होंने उन्हें ठुकरा दिया था। बात सिर्फ धमकाने व हिंसा की ही नहीं है, देखने में तो यह भी आया है कि सांसद व विधायक मतदाताओं से कहते हैं, 'मैं तुम्हारा काम क्यों करूं, तुम्हारे क्षेत्र में विकास कार्य क्यों कराऊं, जब तुम लोग मुझे वोट देते ही नहीं।' चुने जाने के बाद सांसद व विधायक अपने पूरे क्षेत्र के प्रतिनिधि होते हैं, लेकिन उनमें से कुछ ने सार्वजनिक तौरपर घोषणा की कि अमुक जाति व अमुक धर्म के सदस्य उनके पास किसी काम के लिए न आयें क्योंकि उन्हें लगता है कि वे लोग उनके पक्ष में मतदान नहीं करते। यह लोकतंत्र के लिए गंभीर चिंता का विषय है, क्योंकि इससे समाज में भेदभाव व नफरत फैलती है। इस पर त्वरित प्रभाव से रोक लगनी चाहिए। इसलिए इस जनहित याचिका का महत्व बढ़ जाता है। याचिकाकर्ताओं ने अपनी याचिका में महाराष्ट्र के पूर्व उप-मुख्यमंत्री अजित पवार द्वारा दी गई तथाकथित धमकी का उदहारण दिया है कि आम चुनाव के दौरान बारामती चुनाव क्षेत्र के मतदाताओं को धमकी देते हुए कहा था कि उनकी पार्टी एनसीपी (राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी) ईवीएम रीडिंग्स से मतदान पैटर्न को जान लेगी और जिस क्षेत्र ने उसे ठुकराया होगा उसकी जल आपूर्ति बंद करा दी जायेगी। भारत में बूथों को आमतौर से भौगोलिक दृष्टि से मार्क किया जाता है।

वोट की सामूहिक गणना

अगर अलग-थलग या समूह में रह रहे सामाजिक गुट हैं, जैसा कि ग्रामीण भारत के अधिकांश हिस्सों में स्थिति है (और शहरी स्लमों में भी यह चलन तेजी से बढ़ता जा रहा है), तो यह संभव है कि उस विशेष समुदाय को पहचान लिया जाये, जिसकी उस पोलिंग बूथ या स्टेशन पर अधिक संख्या है और जिसने एक खास दिशा में मतदान किया हो। आधुनिक भू-स्थानिक टूल्स के आगमन से आज न सिर्फ.मतदान केंद्र के ट्रेंड व सामाजिक सेटिंग के पारस्परिक संबंध को जानना आसान हो गया है बल्कि कारण संबंधी अंतर्दृष्टि भी हासिल की जा सकती है। याचिकाकर्ताओं ने यह डर 2014 में व्यक्त किया था।

आज 12 साल बाद तो यह डर अधिक विकराल हो गया है- वोट काटना, वोट बढ़ाना, वोट चोरी आदि के आरोप हैं। जिला प्रशासन के कहने पर बूथों पर मतदान प्रक्रिया को भी धीमा करने की खबरें हैं ताकि जिस प्रत्याशी को प्रशासन विजयी बनाना चाहता है, उसके अनुमानित विरोधी मतदाताओं को उनके अधिकार से वंचित किया जा सके। इसके बावजूद केंद्र सरकार ने हमेशा ही टोटलाइजर का विरोध किया है। केंद्र ने 2017 में सुप्रीम कोर्ट से कहा था कि बूथ-अनुरूप वोटिंग पैटर्न के कारण मतदाताओं को धमकाया नहीं जाता है और बूथ-अनुरूप नतीजे घोषित करने को रोकने की आवश्यकता नहीं है। केंद्र का कहना था कि जब एक प्रत्याशी को मालूम हो जाता है कि अमुक बूथ पर उसे कम समर्थन मिला है, तो वह उस क्षेत्र का समर्थन प्राप्त करने के लिए अधिक मेहनत करता है। फिर 2018 में एडिशनल सोलिसिटर जनरल मनिंदर सिंह ने तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश दीपक मिश्रा के नेतृत्व वाली खंडपीठ से कहा था कि टोटलाइजर के कारण मतगणना आरंभ होने से पहले ही डाटा उल्लंघन हो सकता है। हाल ही में केंद्र ने फिर इसी डर को दोहराया। फलस्वरूप अदालत ने इस डर पर प्रतिक्रिया के लिए चुनाव आयोग को दो सप्ताह का समय दिया। विधि आयोग ने अपने शपथपत्र के जरिये अदालत को बताया कि तत्कालीन गृहमंत्री राजनाथ सिंह के नेतृत्व में मंत्रियों के समूह ने सितम्बर 2018 में तय किया था कि 'मीडिया एक्टिविज्म के इस दौर में बड़े पैमाने पर वोटर्स को धमकी/प्रताड़ित नहीं किया जा सकता'।

दूसरी ओर चुनाव आयोग निरंतरता के साथ टोटलाइजर के पक्ष में रहा है। उसने सबसे पहले इसका सुझाव 2008 में डॉ. मनमोहन सिंह की सरकार को दिया था। फिर 2018 में उसने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि 'वोटों की गिनती करने के लिए टोटलाइजर के इस्तेमाल का समय आ गया है'। यह समर्थन वर्तमान सुनवायी चक्र में भी जारी रहा है। चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि वह पहले भी टोटलाइजर सिस्टम के लिए केंद्र सरकार से सिफारिश कर चुका है। मतदाता की गोपनीयता को सुरक्षित रखने के लक्ष्य का समर्थन करते हुए चुनाव आयोग ने प्रस्ताव को लागू करने के संदर्भ में कुछ व्यवहारिक व कानूनी चुनौतियों को भी व्यक्त किया, जिनमें बूथ-अनुरूप सत्यापन व वीवीपीएटी से संबंधित चिंताएं भी शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा है कि वह ईवीएम द्वारा रिकॉर्ड की गईं वोटों को गिनने के लिए टोटलाइजर सिस्टम इस्तेमाल करने पर अपनी राय दे। अदालत ने खासतौर से यह जानना चाहा कि क्या ऐसी व्यवस्था लागू करने में कोई रुकावट है और क्या इसकी वजह से कोई नकारात्मक प्रभाव होगा ? चुनाव आयोग से भी कहा गया है कि वह अपना प्रस्ताव सरकार को दे।

सोशल मीडिया

हर बार बीजेपी सरकार का वही शर्मनाक पैटर्न, हादसे से पहले रोकथाम नहीं, उसके बाद बयान बाजी। छोटे अफसरों पर जवाबदेही मढ़ दी जाती है और असली बचे रहते हैं। राहुल गांधी.

महिलाएं अब केवल पढ़ाई और रोजगार के अवसरों तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि अपनी आबादी के अनुपात में प्रत्येक क्षेत्र में बराबर की भागीदारी भी बनेंगी। सीएम योगी.

बुलंदशहर में हेलीपैड पर एक बूंद भी जलभराव नहीं है, केवल जबरदस्ती का सीमेंट, गारा दिखा कर शासन के गुप चुप निर्दश पर कार्यक्रम को रद करने का बहाना ढूंढ रहा है। अखिलेश यादव

साधना की शक्ति

अंतर्दृष्टि

जीवन में सही मार्ग पर चलने के लिए महापुरुषों का मार्गदर्शन जरूरी होता है। महापुरुषों का मार्गदर्शन, साधना और ज्ञान हमेशा मनुष्य का पारिष्कार कर उनमें दैव प्रवृत्तियों एवं सद् चिंतन का विकास करते हैं। साधारण इंसान हमेशा ऐसे कृत्यों में संलग्न रहते हैं जिसमें भोग, लिप्सा जैसी चेष्टाएं प्रधान होती हैं लेकिन महापुरुष हमेशा ऐसी प्रवृत्तियों से दूर लोक कल्याण एवं अध्यात्म चिंतन में रत रहते हैं। मनुष्य अनेकानेक क्षुद्र योनियों के कुसंस्कारों से लदे होते हैं। शिश्नोदर परायण पशु प्रवृत्तियों में ही उनका मन रमता और प्रयत्न चलता है। इस स्तर से उबर कर मानवी गरिमा के क्षेत्र में प्रवेश करने की प्रक्रिया आध्यात्म तत्वज्ञान और साधन विधान के सहारे ही संभव होती है। उसका आलोक अंतराल में प्रवेश करता है तो पुण्य परमार्थ की दो प्रवृत्तियां उभरती हैं। पुण्य अर्थात आत्मसंयम, परमार्थ अर्थात् सत्प्रवृत्ति संवर्द्धन में उत्साह। इन्हीं के समन्वय को देवत्व कहते हैं। महामानवों का यह कार्य क्षेत्र है। उनकी विचारणा एवं तत्परता इन्हीं दो प्रयोजनों पर केन्द्रित होती हैं। फलतः वे स्वयं कृतकृत्य होते हैं और अपने सम्पर्क क्षेत्र में शालीनता का वातवरण उत्पन्न करने में चंदन वृक्ष का उदाहरण बनते हैं। यह आध्यात्म क्षेत्र ही देव मानवों की, नर-रत्नों की खदान है। इस विद्या का जब जितना प्रचलन, विस्तारण होता है तब उसी अनुपात में वैयक्तिक प्रखरता और सामूहिक समर्थता की अभिवृद्धि होती है। सर्वतोमुखी प्रगति का पथ प्रशस्त होता है। चेतना में उत्कृष्टता का स्तर बढ़ने से स्वल्प साधनों को मिल बांटकर खाया और संतोषपूर्ण रहा जा सकता है। जबकि इसमें कमी पड़ने पर आपस में टकराने और नारकीय दुष्प्रवृत्तियों से सवत्र अशांति उत्पन्न करते हैं। भले ही सम्पदा के पर्वत ईर्द-गिर्द ही क्यों न खड़े रहें। इन तथ्यों पर ध्यान देने से आध्यात्म तत्वज्ञान और साधन विधान की व्यवहारिक गरिम प्रकट होती है। यह प्रतिफल ऐसे हैं, जिन्हें अपनाये जाने पर मनुष्य में देवत्व का उदय होना निश्चित है। जहां सज्जनता बढ़ेगी वहां अपनी इसी धरती पर स्वर्ग जैसा वातावरण बिखरा-बिखरा फिरेगा। यही है आध्यात्म की विभूतिवान परिणति, जिसके लिए उसे विचारशीलों द्वारा असाधारण महत्व दिया गया है और उसके महात्मों का वर्णन अलंकारिक आकर्षणों सहित व्यक्त किया है। इसे दुर्भाग्य ही कहना चाहिए कि चेतना को नरक से उबार कर स्वर्ग में पहुंचाने वाली इस विधा को जादूगरी बाजीगरी की पंक्ति में बिठा दिया गया। प्रचलन में अध्यात्म का अर्थ कौतुक, कौतूहल, चमत्कार जैसा माना जाता है और उस आधार पर छुटपुट सी हेराफेरी करने पर विपुल अकर्मण्य लोग परुषार्थ के बल पर वैभव खरीदने में सफल नहीं होते तो इन हथकण्डों के सहारे सम्पत्तिवान और यशस्वी बनने की बात सोचते हैं।

शिष्टाचार भेंट का दौर

व्यंग्यलोक

आज का दौर विष्ठाचारियों की शिष्टाचार भेंटों का दौर है। और मैं विष्ठाचार भेंट स्पेशलिस्ट हूं। इसलिए विष्ठाचारियों से शिष्टाचार भेंट करने के मौके तलाशता तराशता रहता हूं। विष्ठाचार की इसी शिष्टाचार भेंट की कड़ी में कल मेरी अपने इलाके के मशहूर दुनियादारी में फंसों को उल्लू बनाने वाले बाबा सुरूर खान से विष्ठाचार भेंट हुई। अबके वजह प्याज था। विष्ठाचार ही विष्ठाचार में विष्ठाचार भेंट के दौरान सीना चौड़ा कर उन्होंने बताया कि वे अपनी चिल्म के बूते हारे हुए नेता को जीता सकते हैं। वे अपनी चिल्म के बूते पर अल्पमत वाले नेता को कुर्सी पर बिठवा उससे भेड़ों का रेवड़ हंकवा सकते हैं। वे अपनी चिल्म के बूते जेल में बंद नेता को भी चुनाव जितवा सकते हैं। विष्ठाचार भेंट के दौरान पूरे आत्मविश्वास से उन्होंने बताया कि वे लोकतंत्र के तांत्रिकों की शक्तियों को अपनी खुली आंखों से अंधों को भी दिखा सकते हैं। सबके प्रधानमंत्री भले ही सबके प्रधानमंत्री न हों, पर वे पूरे लोकतंत्र के बेताज बादशाह हैं। वे सभी चिल्मों के सम्राट हैं। वे हर टूटी नाव के घाट हैं। विष्ठाचार भेंट के दौरान उन्होंने मेरे कान में फुसफुसाया कि वे अपनी चिल्म द्वारा पलक झपकते देश की बेरोजगारी को हवा करने का इल्म रखते हैं। पर वे नहीं चाहते कि वे देश से बेरोजगारी खत्म करें। क्योंकि अगर वे अपनी चिल्म से देश की बेरोजगारी खत्म कर देंगे तो देश में आगामी चुनाव किस मुद्दे को लेकर लड़े जाएंगे ? विष्ठाचार भेंट के दौरान उन्होंने यह भी मेरे कान में फुसफुसाया वे अपनी चिल्म के द्वारा पलक झपकते ही देश के धार्मिक उन्मांद को खत्म करने का इल्म रखते हैं। पर वे चाहते हुए भी नहीं चाहते कि वे देश से धार्मिक उन्मांद खत्म करें। क्योंकि अगर वे अपने इल्म से देश से धार्मिक उन्मांद को खत्म कर देंगे तो देश में आगामी चुनाव किस मुद्दे को लेकर लड़े जाएंगे ? विष्ठाचार भेंट के दौरान उन्होंने यह भी मेरे कान में फुसफुसाया कि वे अपने मंत्र तंत्र शक्तियों द्वारा पलक झपकते ही शर्तिया देश से भ्रष्टाचार को खत्म करने की चिल्म रखते हैं। पर वे चाह कर भी यह नहीं कर सकते। अगर वे ऐसा करेंगे तो तथाकथित ईमानदारों का क्या होगा ? अगर वे अपनी चिल्म से देश की भ्रष्टाचार खत्म कर देंगे तो देश में आगामी चुनाव किस मुद्दे को लेकर लड़े जाएंगे ? फिर कुछ देर तक इधर उधर देखने के बाद वे बोले- सच कहूं तो मैं अपनी चिल्म के माध्यम से अबके विश्व कप अपने देश के नाम करवा सकता था। पर यह सब इसलिए नहीं किया कि सुट्टाबाजों का क्या होता ? अंत में उन्होंने मुझे जगाते हुए बताया कि सभी किस्म के नेताओं से निराश उनसे एक बार जरूर आकर मिलें। उनके पास हर किस्म के नेताओं के आश्वासनों से मुक्ति की चिल्म भी है।

अशोक गौतम

मल्लूर में करें भगवान नरसिंह के दर्शन

पर्यटन

हैदराबाद में अपना काम निपटाने के बाद मेरे पास कुछ खाली समय था, इसलिए मैं बंजारा हिल्स अपने एक पुराने दोस्त से मिलने के लिए चला गया, जिससे मैं कई वर्षों से मुलाकात नहीं कर सका था, बावजूद इसके कि इस बीच अनेक बार हैदराबाद आना हुआ था- कभी मैं बिजी होता तो कभी उसके पास फुर्सत न होती। इस बार मुलाकात हो ही गई। बातचीत के दौरान उसने मुझसे मालूम किया, 'हेमाचल लक्ष्मी नरसिंह स्वामी मंदिर के दर्शन करने का कभी सौभाग्य मिला है ?' मेरे न कहने पर उसने बताया कि इस अनोखे मंदिर के दर्शन अवश्य करने चाहिए क्योंकि इसमें आज भी भगवान नरसिंह जीवित रूप में विराजमान हैं। यह सुनकर तो मेरे कान आश्चर्य से खड़े हो गये। मेरी जिज्ञासा को देखते हुए उसने बताया कि यह मंदिर तेलंगाना के मल्लूर गांव में स्थित है, जहां वारंगल, मणुगुरु और भद्राचलम-एदुलापुरम रोड से बसें आसानी से मिल जाती हैं। निकटतम रेलवे स्टेशन मणुगुरु है, जहां से मंदिर कुछ ही किलोमीटर के फासले पर है। दोस्त से विदा लेने के बाद अब मेरा एक ही लक्ष्य रह गया था- भगवान नरसिंह के जीवित रूप के दर्शन करना। मैं हैदराबाद से रेल में सवार होकर मणुगुरु रेलवे स्टेशन पर उतरा। सुबह के लगभग 7 बज रहे थे। पास के एक होटल में फ्रेश होने के बाद नाश्ता किया। सोचा कि पैदल ही चलता हूं, कुछ ही किलोमीटर की तो बात है। लेकिन फिर इलेक्ट्रिक रिक्शा में सवार हो गया, जो आजकल पूरे देश में चलने लगे हैं। मैं हेमाचल लक्ष्मी नरसिंह स्वामी मंदिर एकदम ठीक समय पर पहुंचा। दर्शन के लिए मंदिर के पट सुबह 8:30 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक और फिर 2:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक ही खुलते हैं। शाम 5:30 बजे के बाद मंदिर के पट बंद कर दिये जाते हैं। मंदिर में दर्शन का समय इतना कम क्यों रखा गया है ? दरअसल, मान्यता यह है कि इस समय के बाद भगवान नरसिंह आस पास के जंगलों में विचरण करने के लिए निकल जाते हैं। मैंने दुनियाभर में अलग अलग पहचान व महत्व के अनगिनत मंदिरों व अन्य धार्मिक स्थलों के दर्शन किये हैं, जो अपनी विशेषताओं व रहस्यों की वजह से श्रद्धालुओं के दिलों व आस्था में विशेष स्थान बनाये हुए हैं। लेकिन तेलंगाना के वारंगल जिले के मल्लूर गांव के इस मंदिर की बात ही अनोखी है। मैंने किसी मंदिर में जीवित रूप में किसी देवी या देवता को विराजमान नहीं देखा है। इस मंदिर में भगवान नरसिंह जीवित रूप में विराजमान हैं, जिससे यह मंदिर सिर्फ पूजास्थल नहीं है बल्कि आस्था व चमत्कार का संगम है, जहां दर्शन के लिए आने वाला हर शख्स दिव्य शक्तियों को महसूस करता है। मैंने भी यही अनुभव किया। मैं वैज्ञानिक तो नहीं हूं, लेकिन मुझे लगता है कि इस मंदिर की अद्भुत विशेषताएं वैज्ञानिकों को भी आश्चर्य में डाल सकती हैं।

मुझे यह देखकर सबसे ज्यादा हैरत हुई कि हेमाचल लक्ष्मी नरसिंह स्वामी मंदिर में जो भगवान नरसिंह की मूर्ति विराजमान है वह लकड़ी, पत्थर या किसी धातु से नहीं बनी हुई है बल्कि किसी ऐसी चीज से बनी हुई है जो इंसान की त्वचा जैसी मुलायम मालूम होती है। लोगों का मानना है कि जब मूर्ति पर फूल अर्पित किया जाता है, तो वह दबकर अंदर चला जाता है। अधिक दबाव देने पर मूर्ति से खून जैसा लाल रंग का लिक्विड भी निकलता है। यह लिक्विड मूर्ति की नाभि से लगातार निकलता रहता है, जिसे पुजारी चंदन का लेप करके रोकने की कोशिश करते हैं।

मूर्ति को 'जीवित' मानने की यह सबसे बड़ी वजह है। हेमाचल लक्ष्मी नरसिंह स्वामी मंदिर के पुजारियों का दावा था कि जब कोई शख्स मूर्ति के पास जाता है, तो उसे ऐसा महसूस होता है जैसे मूर्ति सांस ले रही हो। पुजारी के कहने का असर था या वातावरण का प्रभाव या वास्तविकता, जब मैं मूर्ति के करीब गया तो मुझे लगा जैसे कोई सांस ले रहा हो। बहरहाल, स्थानीय मान्यता यह है कि यह मूर्ति पहाड़ से स्वयं प्रकट हुई थी, इसलिए इसे स्वयंभू माना जाता है। यह भी विश्वास है कि इस स्थान पर भगवान नरसिंह की दिव्य शक्ति सदैव सक्रिय रहती है, जो दर्शन करने वाले लोगों को अपनी मौजूदगी का एहसास कराती है। हेमाचल लक्ष्मी नरसिंह स्वामी मंदिर के पास एक पवित्र जलधारा बहती है, जिसे चिंतामणि जलपथम कहते हैं। मान्यता यह है कि यह जल भगवान नरसिंह के चरणों से निकला हुआ है। रानी रुद्रम्मा देवी ने इस जलधारा का नाम चिंतामणि रखा था। मैंने इस जल में स्नान किया और एक बोतल में पानी घर ले जाने के लिए भी भरा ताकि औषधीय गुणों से भरपूर, जैसी कि मान्यता है, इस पानी से अपने तन व मन की शुद्ध कर सकूं।

समीर चौधरी.

आप की बात

युवाओं को उद्यमिता से जोड़ें

एक तरफ बेरोजगारी है और दूसरी तरफ कंपनियां यह दावे कर रही हैं कि उनको योग्य कर्मचारी नहीं मिल रहे हैं। स्किल का यह डेफिसिट अगर कम हो तो रोजगार के मौके बढ़ेंगे। इसालिए सरकार को युवाओं को स्किल करने की कोशिश करनी चाहिए। बेरोजगारों को हुनरमंद कर रोजगार मुहैया कराने के लिए जो कौशल विकास मिशन संचालित है वह एनजीओ की लूटखसोट और सरकारी नियमों में फंस गया है। हर बेरोजगार को कुशल बनाने की जरूरत है लेकिन प्रदेश सरकार के कौशल विकास मिशन में प्रशिक्षण के लिए गरीबी रेखा से नीचे होना, स्वयं सहायता समूह से होना, गांव का होना जैसी तमाम बकवास भरे पड़े हैं। इसी कारण सरकारी योजनाएं सफल नहीं होती हैं। ऐसा लगता है कि जो सरकार में पहुंचता है उसकी बुद्धि कुंद हो जाती है। क्या इन खाये, पिये मोटाये लोगों को इतना भी नहीं पता है कि सबको रोजगार की जरूरत है इसलिए जो भी प्रशिक्षण लेना चाहे सबको मौका मिलना चाहिए। रोजगार को बढ़ावा देने के लिए पूरे देश में कौशल विकास मिशन योजना संचालित हैं जहां युवाओं को प्रशिक्षण देकर स्वरोजगार के लिए तैयार किया जाता है। सरकार ने रोजगार स्थापित करने के लिए मुद्रा योजना जैसी स्कीम भी लांच की है। लेकिन प्रायः यह देखने में आ रहा है कि कौशल विकास मिशन के नाम पर बहुत से संस्थान सिर्फ बजट का वारा-न्यारा करते हैं। ऐसे-ऐसे कौशल विकास मिशन प्रशिक्षण केन्द्र चल रहे हैं जिनके पास ट्रेनिंग देने की बेसिक सुविधाएं तक नहीं हैं। ऐसे केन्द्रों से प्रशिक्षण हासिल करने वाले युवा दरअसल महज प्रमाण पत्र पाते हैं। उनका कौशल नहीं विकसित हो पाता है। इसलिए सरकार को कौशल विकास मिशन को और अधिक चुस्त-दुरुस्त बनाना चाहिए। कौशल विकास मिशन में युवाओं की दक्षता बढ़ाने के लिए पीपीपी या एनजीओ मॉडल पर मिशन चलाने के बजाय स्थायी प्रशिक्षण केन्द्र खोलना चाहिए जहां कम से कम छह माह या फिर संबंधित ट्रेड में दक्षता हासिल करने के लिए जरूरी समय तक प्रशिक्षण दिया जाये। जब युवा स्वरोजगार के लिए ही प्रशिक्षण करने जाते हैं तो फिर उनको आधा अधूरा ट्रेनिंग अगर दिया जायेगा तो फिर वे आगे चलकर स्वरोजगार में भी विफल हो जायेंगे।

शुभम श्रीवास्तव, लखनऊ.

औद्योगिक विकास

प्रदेश में धीरे-धीरे निवेश बढ़ रहा है। निवेश बढ़ेगा तो औद्योगिक विकास को भी पंख लगेंगे और रोजगार के मौके भी बढ़ेंगे। प्रदेश में निवेश के जो प्रयास हो रहे हैं उससे प्रगति तेज होगी और रोजगार के मौके बढ़ेंगे। देश की युवा शक्ति का सदुपयोग करने के लिए यह जरूरी है कि सरकार अधिक से अधिक रोजगार के मौके बढ़ाये ताकि युवा अपनी क्षमता का उपयोग राष्ट्र निर्माण में कर सकें। एक तरफ बेरोजगारी है और दूसरी तरफ कंपनियां यह दावे कर रही हैं कि उनको योग्य कर्मचारी नहीं मिल रहे हैं। स्किल का यह डेफिसिट अगर कम हो तो रोजगार के मौके बढ़ेंगे। सरकार को युवाओं को स्किल करने की कोशिश करनी चाहिए। बेरोजगारों को हुनरमंद कर रोजगार मुहैया कराने के लिए जो कौशल विकास मिशन संचालित है वह एनजीओ की लूटखसोट और सरकारी नियमों में फंस गया है। हर बेरोजगार को कुशल बनाने की जरूरत है लेकिन प्रदेश सरकार के कौशल विकास मिशन में प्रशिक्षण के लिए गरीबी रेखा से नीचे होना, स्वयं सहायता समूह से होना, गांव का होना जैसी तमाम बकवास भरे पड़े हैं। इसी कारण सरकारी योजनाएं सफल नहीं होती हैं। ऐसा लगता है कि जो सरकार में पहुंचता है उसकी बुद्धि कुंद हो जाती है। क्या इन खाये, पिये मोटाये लोगों को इतना भी नहीं पता है कि सबको रोजगार की जरूरत है इसलिए जो भी प्रशिक्षण लेना चाहे सबको मौका मिलना चाहिए। रोजगार को बढ़ावा देने के लिए पूरे देश में कौशल विकास मिशन योजना संचालित हैं जहां युवाओं को प्रशिक्षण देकर स्वरोजगार के लिए तैयार किया जाता है।

राकेश कुमार पाण्डेय, लखनऊ.

संक्षेप

मोटरसाइकिल सुधरवा रहे युवक पर लाठी-डंडों से हमला

ललितपुर। थाना जखौरा क्षेत्र के बांसी गडि ?ा रोड पर हाइवे पुल के पास मोटरसाइकिल की दुकान पर बाइक सुधरवा रहे एक युवक के साथ लाठी-डंडों से मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि गाली-गलौज का विरोध करने पर नामजद आरोपी ने अपने तीन अज्ञात साथियों के साथ मिलकर युवक की पिटाई कर दी और जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। पीड़ित की शिकायत पर जखौरा पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना बार क्षेत्र के ग्राम मथुराडांग निवासी गब्बर सिंह पुत्र प्रभान सिंह लोधी 8 सितंबर 2026 को दोपहर करीब 2 बजे बांसी गडि ?ा रोड स्थित हाइवे पुल के पास एक मोटर साइकिल की दुकान पर अपनी बाइक ठीक करा रहे थे। इसी दौरान ग्राम मथुराडांग निवासी सुबेन्द्र पुत्र पर्वत यादव अपने तीन अन्य अज्ञात साथियों के साथ वहां पहुंचा। आरोप है कि सुबेन्द्र ने गब्बर सिंह के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। जब पीड़ित ने इसका विरोध किया तो आरोपी और उसके साथियों ने कथित रूप से लाठी-डंडों से उसके साथ मारपीट कर दी। मारपीट में गब्बर सिंह को चोटें आईं। घटना के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। तहरीर के आधार पर थाना जखौरा पुलिस ने बीएनएस की धारा 115(2), 351(3) और 352 के तहत सुबेन्द्र पुत्र पर्वत यादव तथा तीन अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

दुकानदार की हत्या, दो लोग हिरासत में

बागपत। बड़ौत कस्बे में बुधवार सुबह एक दुकानदार की हत्या कर दी गई। पुलिस ने इस मामले में दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस क्षेत्राधिकारी अंशु जैन ने बताया कि बुधवार सुबह करीब साढ़े आठ बजे पुलिस को सूचना मिली कि बड़ौत कस्बे में स्थित खत्री गढ़ी में दीपेंद्र (50) नामक दुकानदार की किसी भारी हथियार से प्रहार करके हत्या कर दी गई है। सूचना मिलने पर बड़ौत थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची।

सीओ के मुताबिक, प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दीपेंद्र पिछले करीब एक वर्ष से खत्री गढ़ी में रहता था और हाल में उसकी किराये की दुकान के सामने रहने वाले एक व्यक्ति से किसी बात को लेकर उसका विवाद हुआ था। पुलिस इस विवाद को भी हत्या के संभावित कारण के तौर पर जांच रही है। जैन ने बताया कि पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए बागपत स्थित शवगृह भेजा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और संदेह के आधार पर दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

बलात्कार के आरोपी का अवैध कब्जा हटाया गया

लखीमपुर खीरी। लखीमपुर खीरी जिले के सिंगाही क्षेत्र के एक गांव में प्रशासन ने चार साल की एक बच्ची से बलात्कार के आरोपी एक व्यक्ति द्वारा कथित रूप से सार्वजनिक सम्पत्ति पर किये गये अतिक्रमण को हटा दिया।

जिलाधिकारी अंजनी कुमार सिंह ने बताया कि सिंगाही क्षेत्र में चार साल की एक बच्ची से बलात्कार के आरोपी खलील नामक व्यक्ति को गत रविवार की रात को गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने बताया कि खलील ने सार्वजनिक सम्पत्ति पर घर बनाया था जिसे कड़ी सुरक्षा के बीच आज हटा दिया गया। यह कार्रवाई खलील के खिलाफ जारी कब्ज़ा हटाने के आदेश का हिस्सा थी और इसका बलात्कार के मामले से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता- 2006 की धारा 67 के तहत खलील को कब्जा हटाने और बेदखली का आदेश 15 जुलाई 2024 को जारी किया गया था। खलील ने इस आदेश के खिलाफ कोई अपील नहीं की थी। आदेश का पालन करने के लिए उसे कई नोटिस भी भेजे गए थे लेकिन उसने कब्जा नहीं हटाया था। उन्होंने बताया कि खलील को आखिरी नोटिस 18 अगस्त को भेजा गया था। जब खलील ने कोई कार्वाई नहीं की तो आज सार्वजनिक सड़क पर बने ढांचे को हटा दिया गया।

अतिवृष्टि ने किसानों की उम्मीदों पर फेरा पानी

भौंरदा में सोयाबीन, मूंग, उड़द, मक्का, तिल्ली व मूंगफली को भारी नुकसान

ललितपुर। बिरधा विकास खंड की ग्राम पंचायत भौंरदा में लगातार हुई अत्यधिक बारिश से खेतों में खड़ी खरीफ की फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। अतिवृष्टि के कारण सोयाबीन, मूंग, उड़द, मक्का, तिल्ली और मूंगफली सहित अन्य फसलें बर्बाद होने से किसानों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। फसल नुकसान से परेशान ग्रामीण किसानों ने बुधवार को जिलाधिकारी को संबोधित शिकायती प्रार्थना पत्र सौंपकर फसलों का सर्वे कराकर उचित मुआवजा दिलाए जाने की मांग की है। किसानों ने बताया कि इस वर्ष उन्होंने बड़ी उम्मीद के साथ खरीफ की फसलें बोई थीं। बारिश अधिक होने के कारण खेतों में पानी भर गया और फसलें प्रभावित होकर नष्ट हो गईं। कई किसानों के खेतों में खड़ी फसल पूरी तरह खराब हो चुकी है। खेती पर निर्भर परिवारों के सामने अब रोजमर्रा की जरूरतों के साथ आगामी फसल की बुवाई के लिए आर्थिक संसाधन जुटाने की चुनौती खड़ी हो गई है। प्रेमचंद्र, तुलई, संतोष, सूरज, सुजान सिंह, भूपत, प्रताप और हरप्रसाद सहित तमाम किसानों ने जिलाधिकारी से मांग की है कि ग्राम भौंरदा में अतिवृष्टि से हुए फसल नुकसान का राजस्व एवं कृषि विभाग की संयुक्त टीम से स्थलीय सर्वे कराया जाए। किसानों का कहना है कि सर्वे के बाद नुकसान का आकलन कर शासन की नियमानुसार सहायता एवं उचित मुआवजा शीघ्र उपलब्ध कराया जाए, जिससे प्रभावित किसान आर्थिक संकट से उबर सकें और आगामी फसल की तैयारी कर सकें। किसानों ने प्रार्थना पत्र में अपनी समस्या को गंभीरता से लेते हुए अविलंब फसल सर्वे एवं मुआवजा वितरण की कार्रवाई कराने की गुहार लगाई है। किसानों ने बताया कि उनकी आजीविका मुख्य रूप से खेती पर निर्भर है और फसल पूरी तरह नष्ट होने से परिवारों की आर्थिक स्थिति प्रभावित हुई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द से जल्द मौके पर पहुंचकर फसलों की वास्तविक स्थिति का जायजा लेने तथा पात्र किसानों को नियमानुसार राहत उपलब्ध कराने की मांग की है।

कार ने बाइक सवार प्रोफेसर और दो बच्चों को मारी टक्कर

- जेल चौराहे के आगे विशाल मेगा मार्ट के पास हादसा
- गलत दिशा से आई कार टक्कर मारकर भागी

जिला संवाददाता

ललितपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र में जेल चैराहे के आगे विशाल मेगा मार्ट एवं अंबेडकर पार्क के पास तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार असिस्टेंट प्रोफेसर और उनके दो बच्चे घायल हो गए। हादसे के बाद कार चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। पीड़ित की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने अज्ञात कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। सुदर्शन डिग्री कॉलेज, बांसी के बीएड विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर अमरेन्द्र कुमार लाल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह 30 अगस्त 2026 की रात करीब 8.40 बजे बजाज प्लेटिना बाइक संख्या यू.पी. 47 एच 7015 से कंपनी बाग स्थित कृष्ण बलराम डेयरी से दूध और सब्जी लेकर अपने बच्चों हृदयांश (6) और यशी राय (4) के साथ घर लौट रहे थे। जब वह जेल चैराहे के आगे विशाल मेगा मार्ट और अंबेडकर पार्क के सामने पहुंचे, तभी एलाइट चैराहे की ओर से गलत दिशा में तेज रफ्तार से आ रही कार संख्या यू.पी. 94 ई 0020 ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि प्रोफेसर और दोनों बच्चे सड़क पर गिरकर घायल हो गए, जबकि बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। हादसे के बाद मौके पर मौजूद करीब 10-12 लोगों ने घायलों की मदद की और डायल-112 पर सूचना दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची। घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल की इमरजेंसी में भर्ती कराया गया। बताया गया कि प्रोफेसर और उनकी पुत्री का उपचार चल रहा है। पुलिस ने बीएनएस की धारा 281, 125(ए), 125(बी) और 324(2) के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

निःसंतान दंपति ने विषाक्त पदार्थ खाकर आत्महत्या की

प्रतापगढ। प्रतापगढ़ कोतवाली देहात क्षेत्र के अमरौना श्रीकांत का पुरवा गांव में बुधवार को एक निःसंतान दंपति ने कथित तौर पर विषक्त पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली।

थाना कोतवाली देहात प्रभारी निरीक्षक पुष्पेंद्र सिंह ने बुधवार को बताया कि क्षेत्र के अमरौना श्रीकांत का पुरवा के निवासी सुभाष तिवारी (60) व उसकी पत्नी सपना तिवारी (55) निःसंतान थे। उन्होंने बताया कि दोनों ने आज बुधवार को विषाक्त पदार्थ खा लिया। उन्होंने बताया कि स्थिति गंभीर होने पर उन्हें इलाज के लिए मेडिकल कालेज ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने सुभाष को मृत घोषित किया और सपना को एसआरएन हॉस्पिटल, प्रयागराज रेफर कर दिया, जहां उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। उन्होंने बताया कि दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच की जा रही है।

आगामी त्योहारों को लेकर प्रशासन सतर्क

शांति समिति की बैठक में दिए कड़े निर्देश

ललितपुर। आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण एवं सकुशल संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। बुधवार को जिलाधिकारी सत्य प्रकाश की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में शांति समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में गणेश उत्सव, जल विहार, विश्वकर्मा जयंती, अनंत चतुर्दशी, जैन पर्यूषण पर्व एवं ग्यारहवीं शरीफ सहित आगामी त्योहारों की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि त्योहारों के दौरान कानून-व्यवस्था, सुरक्षा, साफ-सफाई, बिजली, पेयजल और यातायात व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को समय रहते व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने पुलिस प्रशासन को संवेदनशील क्षेत्रों, जुलूस मार्गों और पूजा पंडालों के आसपास पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा लगातार पेट्रोलिंग कराने के निर्देश दिए। उन्होंने अराजक एवं शरारती तत्वों पर विशेष नजर रखने को कहा, ताकि त्योहारों के दौरान किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो। उन्होंने विद्युत वितरण खंड एवं जल संस्थान के अधिकारियों को त्योहारों के दौरान निर्बाध बिजली आपूर्ति और पर्याप्त पेयजल उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। नगर पालिका परिषद एवं पंचायती राज विभाग को विशेष सफाई अभियान चलाने तथा प्रमुख मार्गों पर साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था रखने को कहा गया। यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए यातायात प्रभारी को आवश्यकतानुसार रूट डायवर्जन और पार्किंग की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी सदर, क्षेत्राधिकारी, जल निगम, जल संस्थान, विद्युत, नगर पालिका सहित संबंधित अधिकारियों को जल विहार के प्रमुख मार्गों का पैदल भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लेने तथा एक सप्ताह के भीतर सभी कमियों को दूर कराने के निर्देश दिए। उन्होंने आजाद चैक से तालाबपुरा जाने वाले मार्ग सहित सभी जुलूस मार्गों के गडढों को भरवाने के भी निर्देश दिए, ताकि त्योहारों के दौरान श्रद्धालुओं एवं जुलूस में शामिल लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने धर्मगुरुओं, जनप्रतिनिधियों, समाज के पदाधिकारियों एवं प्रबुद्धजनों को आगामी त्योहारों को लेकर कहा कि ललितपुर की आपसी सौहार्द एवं भाईचारे की परंपरा को हर हाल में बनाए रखा जाए। उन्होंने जनसामान्य से त्योहारों को शांति, संयम, आपसी सौहार्द एवं भाईचारे के साथ मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की भ्रामक खबर या अफवाह पर विश्वास न करें।

एमडी साहब... पिण्डी गांव में बिजली दीजिए

वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ। साहब... कोई सुनने वाला नही है जेई कहते है थोड़ी देर में बिजली आ जायेगी, एसडीओ कहते है पता करके बताते है और अधिशासी अभियंता कहते है रात बहुत हो गयी है सुबह किसी तरह बिजली चालू करा दूंगा। ये बाते बुधवार को पिण्डी गांव के युवाओ ने लार बिजली उपकेन्द्र पर प्रर्दशन के दौरान कहा। प्रदर्शन कर नहे सोनू शुक्ला ने कहा कि तीन दिन बीत जाते है फिर भी बिजली नही आती है आती भी है तो इतना तेज वोल्टेज रहता है कि कई बिजली के उपकरण फूंक जाते है। जब इसकी शिकायत किया जाता है तो फिर ऐसा तार जोड़ दिया जाता है कि इतना कम वोल्टेज आने लगता है कि बिजली उपकरण चलता ही नही है। ऐसे में गांव के लोग परेशान होकर घर के बाहर सोने को मजबूर हो रहे है। युवा तो परेशान है हि साथ में सबसे ज्यादा बुजुर्ग बिजली नही आने से परेशान हो रहे है। बुधवार को लार बिजली उपकेन्द्र पर प्रदर्शन कर रहे लोगों ने कहा कि अब जल्द ही बिजली समस्या का समाधान नही हुआ तो किसी भी जनप्रतिनिधि को गांव में धुसने नही दिया जायेगा। ज्ञात हो कि पिण्डी गांव में बिजली कि समस्या बीते तीन वर्ष से लगातार बनी हुई है। लेकिन अधिकारी इसका संज्ञान नही ले रहे है। जब इस बारे में एक्सीएन देवरिया से बात किया गया तो उन्होंने कहा कि इसके लिए उपभोक्ताओं की बात सुना जायेगा और समय पर इसका समाधान भी किया जायेगा। प्रदर्शन के दौरान गांव के सौकड़ो लोग मौजूद रहे।

> आपने समस्या बताई है डिस्काम के अधिकारियों से जांच कराकर इस समस्या का समाधान जल्द कराया जायेगा, जो दोषी होगा उसके खिलाफ कार्रवाई भी किया जायेगा
>
> संदीप कुमार, एमडी पूर्वाचंल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड

चंदौली में करोड़ों रुपये का सोना बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार

चंदौली। जिले के सदर कोतवाली क्षेत्र में स्थानीय पुलिस और विशेष कार्य बल (एसओजी) की टीम ने दो तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से तीन करोड़ 92 लाख रुपये मूल्य का सोना बरामद किया है। पुलिस क्षेत्राधिकारी (सदर) नामेन्द्र रावत ने बताया कि तस्करों की पहचान मुबारक शेख (45) और मनीष कुमार (38) के रूप में हुई है जिन्हें मंगलवार देर रात नवही पुलिया के पास से गिरफ्तार किया गया और उनके कब्जे से सोना बरामद किया गया। चंदौली सदर कोतवाली के प्रभारी बिंदेश्वरी पांडेय के मुताबिक, बरामद सोने को सफेद रंग की कार के गियर बॉक्स के नीचे बनाए गए एक बक्से में छिपाकर बिहार से दिल्ली ले जाया जा रहा था। उन्होंने बताया कि कार को रोककर तलाशी ली गई तो उसमें से दो किलो 565.72 ग्राम सोना बरामद हुआ। कार सवार लोगों से सोने से संबंधित कागजात मांगे गए, लेकिन वे उन्हें प्रस्तुत नहीं कर सके जिसके बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। पांडेय ने बताया कि बरामद सोने की कीमत तीन करोड़ 92 लाख रुपये आंकी गई है। उन्होंने बताया कि आरोपियों के पास से पांच मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं। सोने की बरामदगी की सूचना आयकर विभाग और राजस्व खुफिया निदेशालय के अधिकारियों को दे दी गई है। बरामद सोना संबंधित विभाग को सौंपने के बाद विधिक कार्रवाई की जा रही है।

वॉलीबॉल प्रतियोगिता में अंडर -14 बालक वर्ग में लखनऊ बना विजेता

उन्नाव/ लखनऊ मंडलीय माध्यमिक विद्यालय वॉलीबॉल प्रतियोगिता 2026-27 अंडर -14 बालक वर्ग में लखनऊ बना विजेता। पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्टेडियम उन्नाव में 9 सितंबर 2026 को मंडलीय माध्यमिक विद्यालयीय प्रतियोगिता वॉलीबॉल प्रतियोगिता 2026-27 का शुभारंभ जिला विद्यालय निरीक्षक सुनील दत्त के द्वारा किया गया। प्रतियोगिता में अंडर 14,17 एवं 19 वर्ग के बालक बालिकाओं ने प्रतिभाग किया। अंडर -14 बालक वर्ग में लखनऊ प्रथम स्थान पर द्वितीय स्थान पर रायबरेली रहा तथा बालिका वर्ग में रायबरेली प्रथम स्थान एवं उन्नाव द्वितीय स्थान पर रहा। अंडर -17 तथा अंडर-19 बालिका वर्ग में लखनऊ की टीम प्रथम स्थान पर रही। प्रतियोगिता का आयोजन पीएम श्री राजकीय बालिका विद्यालय उन्नाव के द्वारा किया गया। अंडर -14 बालक वर्ग में बेसिक विद्यालय हसनापुर, पीएम श्री विद्यालय पहाड़ नगर तथा राजकुमार इंटर कॉलेज के बच्चों ने प्रतिभाग किया।

भाजयुमो शुरू करेगा विशेष बाइक यात्रा अभियान

- प्रदेश उपाध्यक्ष अनुभव द्विवेदी, प्रदेश मंत्री शिवेंद्र विक्रम शाही, जिलाध्यक्ष रोहित सिंह ने की प्रेस वार्ता
- सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत लगभग 250 बाइकों का काफिला जायेगा वड़नगर

बाराबंकी। सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 17 सितम्बर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर विशेष बाइक यात्रा अभियान को लेकर भारतीय जनता युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष रोहित सिंह की अध्यक्षता मे मुख्य अतिथि भारतीय जनता युवा मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष अनुभव द्विवेदी व विशिष्ट अतिथि भारतीय जनता युवा मोर्चा प्रदेश मंत्री शिवेंद्र विक्रम शाही ने पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में प्रेस वार्ता की। प्रेस वार्ता में अभियान की रूपरेखा बताते हुये मुख्य अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष श्री द्विवेदी ने बताया कि इस विशेष अभियान के अंतर्गत लगभग 250 बाइकों का विशाल काफिला निकाला जाएगा। जिसका उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रभक्ति, सेवा, समर्पण, अनुशासन, राष्ट्रीय एकता एवं राष्ट्र निर्माण की भावना को और अधिक मजबूत करना है। अभियान के अंतर्गत प्रधानमंत्री की जन्मभूमि वडनगर से कर्मभूमि वाराणसी तक यात्रा का आयोजन किया जाएगा। यात्रा के दौरान भारत की 10 पवित्र नदियों का जल लेकर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। विशिष्ट अतिथि प्रदेश मंत्री श्री शाही ने बताया कि यह अभियान केवल एक बाइक यात्रा नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को जन-जन, विशेषकर युवाओं तक पहुंचाने का एक सशक्त माध्यम है। भाजयूमो जिलाध्यक्ष श्री सिंह ने बताया कि जनपद के युवा इस अभियान में बढ़-चढ़कर सहभागिता करेंगे और इसे सफल बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। प्रेस वार्ता के दौरान जंगबहादुर पटेल, शिवम सिंह राठौर, नवनीत मिश्रा, अनुज वर्मा, प्रमोद गोस्वामी, अरुण रावत, सर्वेश अवस्थी, सूरज भान सिंह, सुधाकर सोनी, शिव कुमार यादव, दिनेश सिंह, सूर्यवीर सिंह, हरिकेश दीक्षित, मनीष चैहान, राम जी निषाद आदि मौजूद रहे।

आगामी 21 को होगा निःशुल्क एक मासीय कुकरी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

बाराबंकी। राजकीय फल संरक्षण केंद्र प्रभारी ने जानकारी देते हुये बताया कि राजकीय सामुदायिक फल संरक्षण एवं प्रशिक्षण केन्द्र मकान नं० आर/447 रसूलपुर में आगामी 21 सितम्बर 2026 से एक मासीय कुकरी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम निःशुल्क तथा प्रशिक्षार्थियों की संख्या 30 निर्धारित की गयी है। जिसमे प्रशिक्षार्थियों को स्वरोजगार अपनाने हेतु विशेष प्रशिक्षण दिया जायेगा। उन्होंने आगे बताया कि मुख्यमंत्री खाद्य प्रसंस्करण ग्राम स्वरोजगार योजनान्तर्गत प्रशिक्षार्थियों के न्यूनतम योग्यता हाईस्कूल उत्तीर्ण तथा उम्र 21 वर्ष से कम नहीं होनी चाहिए। शासनादेश के अनुरूप आरक्षण लागू होगा। प्रशिक्षण के अन्तर्गत वरिष्ठ वैज्ञानिक, अतिथि व्याख्याताओं द्वारा प्रशिक्षण का सम्पादन एवं सुयोग्य कुक द्वारा प्रयोगात्मक कार्य पनीर बटर मशाला, पाव भाजी, डोसा, इडली सांभर, वेज बिरयानी, गुलाबजामुन, रसमलाई, जलेबी, राजमा चावल एवं समोसा इत्यादि बनाने का प्रयोगात्मक कार्य कराया जायेगा। इच्छुक प्रशिक्षार्थियों अपना नामांकन दिनांक 18 सितम्बर शाम 5 बजे तक करा सकते है।

एएसपी दक्षिणी ने की समस्त थानो के कोर्ट पैरोकार के साथ गोष्ठी

बाराबंकी। पुलिस लाइन सभागार मे अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी रितेश कुमार सिंह ने समस्त थानों के कोर्ट पैरोकार के साथ गोष्ठी की। गोष्ठी मे अपर पुलिस अधीक्षक श्री सिंह ने समस्त थानों के कोर्ट पैरोकारों को मेडिको लीगल एग्जामिनेशन एंड पोस्ट मॉर्टम रिपोर्टिंग सिस्टम प्रणाली के अधिकतम उपयोग को बढ़ावा देने तथा मुकदमों से संबंधित केस डायरी एवं चार्जशीट, फाइनल रिपोर्ट (सीएस/एफआर) को समय से कोर्ट सीआईएस पोर्टल पर उपलब्ध कराने के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

शिविर में 5 किसान नेता रक्तदान कर बने महादानी

बाराबंकी। जिला चिकित्सालय स्थित ब्लड़ बैक मे भारतीय किसान यूनियन धरतीपुत्र के तत्वाधान मे रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर में 5 कार्यकर्ताओ मनीष यादव, अरविन्द यादव, तारावती, शान्ती देवी, वंदना देवी ने रक्तदान कर महादानी बनने का गौरव हासिल किया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक जयप्रकाश मौर्य, ब्लड बैंक प्रभारी बी0पी सिंह, काउंसलर पंकज वर्मा, किरन देवी, सावित्री देवी, कृष्णावती, रेखा मौजूद रहे।

सपा नेता स्वः हुकुम सिंह यादव की पुण्यतिथि पर आयोजित हुई श्रद्धांजलि सभा

बाराबंकी। स्वर्गीय नेता हुकुम सिंह यादव आम लोगों के लिए संघर्ष करने में सदैव आगे रहते थे। लोगों की मदद करना अपना धर्म एंव अपने उसूलों के पक्के थे। अपने अल्पायु जीवन में कई बार लोगों के लिए आंदोलन कर उनके हितों की रक्षा की। ऐसे समाजसेवी जिन्होंने कमजोर, पिछड़ों, दलितों एवं अल्पसंख्यकों के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उक्त विचार समाजवादी पार्टी नेता स्वः हुकुम यादव की 5वी पुण्यतिथि पर श्यामनगर चैराहा सफदरगंज स्थित उनकी समाधी प्रेरणा स्थल पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम मे छोटे भाई व पीडीए नेता ज्ञान सिंह यादव ने पुष्प अर्पित करने के पश्चात उपस्थित लोगो के बीच व्यक्त किये। इस मौके पर विभिन्न स्थानो से आये लोगो ने दिवंगत नेता स्वः यादव को श्रद्धासुमन अर्पित किये। इस अवसर पर राम अवतार यादव, ओमचंद, पंकज शर्मा, सहज राम, दिलीप मिश्रा, डॉक्टर इंद्रेश यादव, प्रवेश यादव, रमापति, तरुण वर्मा, श्याम सिंह, बबलू यादव, शिवकुमार, विवेक कुमार, विकास, राजन लाल गुप्ता आदि मौजूद रहे।

स्थानांतरण पर थानाध्यक्ष को दी भावभीनी विदाई

बानपुर (ललितपुर)। जिले के थाना बानपुर में तैनात थानाध्यक्ष बानपुर अरूण कुमार तिवारी के अन्य जनपद स्थानांतरण पर कस्बे के सम्भ्रांत व्यक्तियों, पत्रकार बन्धुओं व पुलिस स्टाफ ने भावभीनी विदाई दी। इस अवसर पर थानाध्यक्ष बानपुर को समस्त स्टॉफ की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। बताते चलें कि थानाध्यक्ष बानपुर के रुप में अरूण कुमार तिवारी ने लगभग कस्बे में डेढ़ वर्ष सेवाऐं दी। इस दौरान उनके सरल, सहज व मिलनसार छवि के द्वारा कस्बे के व क्षेत्र के लोगों के बीच काफी लोकप्रिय थे। लोग जगह- जगह उनकी कार्यशैली, मिलनसार छवि व स्वभाव की चर्चा करते रहते थे। उनके कार्यकाल में थाना परिक्षेत्र में अपराधी भय खाते रहे व वह सभी को यथोचित सम्मान देते थे। इस दौरान उन्होनें थाना बानपुर में बहुत निर्माण कार्य भी कराये जिससे बानपुर थाने की दशा ही बदल गयी फलस्वरूप थाने के निरीक्षण के दौरान समय- समय पर पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा उनकी काफी प्रसंशा भी की गयी। इस अवसर पर सम्पूर्ण स्टाफ थाना बानपुर उपस्थित रहा। सभी ने उन्हें नम आंखों से विदाई दी। इस अवसर पर कई लोग भावुक हो गये व थानाध्यक्ष की प्रसंशा करते नहीं थक रहे थे व उनके कार्यकाल को सराह रहे थे।

ललितपुर में 10 से 25 सितंबर तक होगा राशन वितरण

ललितपुर। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के अंतर्गत जनपद में सितंबर 2026 के खाद्यान्न का वितरण 10 से 25 सितंबर 2026 तक किया जाएगा। जिला पूर्ति अधिकारी उमेश चन्द्र मिश्र ने बताया कि इस अवधि में अंत्योदय एवं पात्र गृहस्थी राशन कार्डधारकों को निर्धारित मात्रा में गेहूं और चावल का निशुल्क वितरण किया जाएगा। वहीं, अंत्योदय कार्डधारकों को द्वितीय त्रैमास (जुलाई, अगस्त एवं सितंबर 2026) के सापेक्ष चीनी भी उपलब्ध कराई जाएगी। जिला पूर्ति अधिकारी के अनुसार, अंत्योदय कार्डधारकों को प्रत्येक कार्ड पर कुल 35 किलोग्राम खाद्यान्न मिलेगा। इसमें 14 किलोग्राम गेहूं और 21 किलोग्राम चावल शामिल हैं। यह खाद्यान्न पूरी तरह निशुल्क वितरित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त द्वितीय त्रैमास के सापेक्ष प्रति अंत्योदय कार्ड 3 किलोग्राम चीनी 18 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से दी जाएगी। इस प्रकार तीन किलोग्राम चीनी के लिए कार्डधारक को कुल 54 रुपये का भुगतान करना होगा।

संक्षेप

अल्केम ने लॉन्च किया रेनोसिया एक्सो

मुंबई। अल्केम लेबोरेटरीज लिमिटेड ने आज रेनोसिया एक्सो लॉन्च करने की घोषणा की। यह नेक्स्ट-जेनरेशन हेयर रीजेनरेशन थेरेपी है, जिसे एक व्यापक वैज्ञानिक तरीके से हेयर फॉलिकल की हेल्थ और वाइटैलिटी को सपोर्ट करने के लिए विकसित किया गया है।भारत में हेयर लॉस सबसे तेजी से बढ़ रही डमेटोलॉजिकल समस्याओं में से एक बन गया है।इसका असर सिर्फ बढ़ती उम्र के लोगों पर ही नहीं, बल्कि कम उम्र के लोगों पर भी बढ़ रहा है। जेनेटिक्स, लाइफस्टाइल में बदलाव, एनवायरनमेंटल स्ट्रेसर्स और बदलते हेल्थ पैटर्न इसके प्रमुख कारणों में शामिल हैं। पिछले एक दशक में हेयर रिस्टोरेशन की साइंस काफी विकसित हुई है और यह समझ भी बेहतर हुई है कि प्रोग्रेसिव हेयर थिनिंग के पीछे क्या कारण हैं। हेयर थिनिंग फॉलिक्युलर मिनिएचराइजेशन, अल्टर्ड सेलुलर सिग्नलिंग, ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस, इन्फ्लेमेशन और फॉलिक्युलर माइक्रोएनवायरनमेंट में बदलाव जैसी कई बायोलॉजिकल प्रोसेसेज से प्रभावित होती है।इस बदलती समझ के साथ उतने ही एडवांस्ड थेराप्यूटिक सॉल्यूशंस की जरूरत है।

नंद घर का मिशन पोषण अभियान शुरू

नई दिल्ली।9वें राष्ट्रीय पोषण माह 2026 की शुरूआत से पहले, अनिल अग्रवाल फाउंडेशन की प्रमुख पहल और वेदांता की सामाजिक प्रभाव शाखा नंद घर ने आज नंद घर का मिशन, संपूर्ण पोषण अभियान की शुरूआत की।यह पहल भारत सरकार के पोषण अभियान 2.0 के तहत पोषण को जन आंदोलन बनाने और बेहतर पोषण परिणामों के लिए सामूहिक प्रयासों को बढ़ावा देने के निरंतर प्रयासों को आगे बढ़ाती है। हर बच्चे को जीवन में सही शुरूआत देना। जब इसमें शिक्षा और संस्कार जुड़ते हैं, तो जीवन के पहले छह वर्षों में ही एक उत्पादक जीवन की मजबूत नींव रखी जाती है।हमारे शास्त्रों में भी यही कहा गया है। महिलाएं हमारी आबादी का 50 प्रतिशत हैं। जब महिलाएं सशक्त और आर्थिक रूप से स्वतंत्र होती हैं, तो इसका प्रभाव परिवार, समाज और अर्थव्यवस्था पर परिवर्तनकारी होता है।यही नंद घर के पीछे मेरा सपना है। आज 18 राज्यों में 15,000 से अधिक नंद घरों के माध्यम से 5 लाख से अधिक बच्चों और 4 लाख महिलाओं के जीवन को प्रभावित करते हुए यह सपना साकार होता दिखाई दे रहा है।

बंधन लाइफ आईइन्वेस्ट अल्टिमा प्लस और एक नया मल्टी कैप फंड लॉन्च

मुंबई। बंधन ग्रुप की जीवन बीमा कंपनी, बंधन लाइफ इंश्योरेंस ने बंधन लाइफ आईइन्वेस्ट अल्टिमा प्लस नामक एक यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान (यूलिप) लॉन्च किया है, जो ग्राहकों को उनके प्रियजनों की सुरक्षा के साथ लंबे समय के लिए संपत्ति बनाने में मदद करने के लिए डिजाइन किया गया है, तथा इसके साथ ही कंपनी ने एक नया 'बंधन लाइफ मल्टी कैप फंड' भी लॉन्च करने की घोषणा की है, जो ग्राहकों को भारत की लॉन्ग-टर्म ग्रोथ स्टोरी में भाग लेने का अवसर प्रदान करता है। 10 प्रति यूनिट की शुरूआती नेट एसेट वैल्यू (एन.ए.वी) वाला यह नया फंड लॉन्च (एन.एफ.एल) 21 सितंबर 2026 तक खुला रहेगा। भारत की ग्रोथ स्टोरी तेजी से बढ़ती आकांक्षाओं, अधिक वित्तीय जागरूकता और शेयर बाजारों में बढ़ती भागीदारी से आकार ले रही है। जैसे-जैसे अधिक भारतीय संपत्ति बनाने और अपने परिवारों के भविष्य को सुरक्षित करने की ओर देख रहे हैं।

जी5 भारत के स्ट्रीमिंग अनुभव में नयी शुरुआत

नई दिल्ली। जी5 उनके मनोरंजन को तलाशने और देखने के अनुभव को नए सिरे से परिभाषित कर रहा है। अपने कंटेंट को और बेहतर बनाने की दिशा में आगे बढ़ते हुए, प्लेटफॉर्म ने मोबाइल और कनेक्टेड टीवी पर एक बड़ा और अभूतपूर्व बदलाव पेश किया है। यह बदलाव बेहतर पर्सनलाइजेशन, एआई आधारित कंटेंट खोज, समृद्ध विजुअल नेविगेशन और अलग-अलग स्क्रीन के बीच सहज अनुभव से संचालित है। दर्शकों के देखने के तरीके को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया नया जी5 मनोरंजन की खोज को सहज, आकर्षक और आसान बनाने के लिए पाँच अलग-अलग यूनिवर्स प्रीमियम एंटरटेनमेंट, फ्री 5, किड्ज, टीवी और स्पोर्ट्स के दरवाजे खोलता है। पर्सनलाइजेशन नए अनुभव का मुख्य हिस्सा है, जो दर्शकों को उनकी रुचियों के अनुसार सबसे प्रासंगिक कंटेंट खोजने में मदद करता है।

सेंसेक्स में 813 अंकों की गिरावट

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार में बुधवार को लगातार तीसरे दिन गिरावट आई। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने के साथ कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंचने से मानक सूचकांक... बीएसई सेंसेक्स 813 अंक लुढ़का जबकि एनएसई निफ्टी 23,450 अंक के नीचे आ गया।

सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों के शेयरों में बिकवाली और विदेशी निवेशकों की नए सिरे से पूंजी निकासी से भी निवेशकों की धारणा प्रभावित रही। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 813.35 अंक यानी 1.08 प्रतिशत लुढ़क कर दिन के निचले स्तर 74,764.23 अंक पर बंद हुआ। वहीं, 50 शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 203.60 अंक यानी 0.86 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,431.50 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में एचसीएल टेक्नोलॉजीज का शेयर सबसे अधिक 4.55 प्रतिशत टूटा। इसके अलावा इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचडीएफसी बैंक और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयरों में भी गिरावट रही। दूसरी ओर, लाभ में रहने वाले शेयरों में अदाणी पोर्ट्स, टाटा स्टील, ट्रेंट और एनटीपीसी शामिल हैं। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में भी तेजी रही। ब्रेंट कच्चा तेल 2.67 प्रतिशत बढ़कर 100.5 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। बिकवाली दबाव के साथ भारतीय शेयर बाजार में लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में गिरावट जारी रही। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों, वैश्विक तनाव बने रहने और बाजार में बढ़ती अस्थिरता ने निवेशकों का भरोसा प्रभावित किया। इससे जोखिम लेने की धारणा प्रभावित हुई। उन्होंने कहा कि भारत अस्थिरता सूचकांक (वीआईएक्स) में छह प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी हुई। यह बाजार में बढ़ती सावधानी और निकट अवधि को लेकर सतर्क रुख को दर्शाती है। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने मंगलवार को 123.19 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे। सेंसेक्स मंगलवार को 555.23 अंक टूटकर 75,577.58 अंक पर रहा था और निफ्टी 144.05 अंक की गिरावट के साथ 23,635.10 अंक पर बंद हुआ था।

कच्चे तेल के दाम में उछाल के बीच रुपया 34 पैसे टूटकर 95.08 प्रति डॉलर पर

मुंबई। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 34 पैसे टूटकर 95.08 (अस्थायी) के स्तर पर रहा। कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंचने से महंगाई और विदेशी मुद्रा के अधिक बाहर जाने की आशंका से रुपये पर दबाव रहा।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि कमजोर शेयर बाजार और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की बिकवाली से भी रुपये पर दबाव बढ़ा। पश्चिम एशिया में तेल संयंत्रों और टैंकर पर हुए हमलों के बाद ब्रेंट कच्चे तेल का वायदा भाव करीब छह सप्ताह में पहली बार 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया। अमेरिका-ईरान के बीच जारी तनाव के दौरान पहले से प्रभावित आपूर्ति व्यवस्था पर और दबाव बढ़ने की आशंका से तेल की कीमतों में तेजी आई। ब्रेंट क्रूड 2.94 प्रतिशत बढ़कर 100.73 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 94.80 पर खुला, जो दिन का उच्चतम स्तर भी था। बाद में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के बीच रुपया कमजोर होकर 95.22 के निचले स्तर तक आया। अंत में रुपया 95.08 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर रहा, जो पिछले बंद भाव 94.74 से 34 पैसे की गिरावट है। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 प्रतिशत बढ़कर 98.84 पर पहुंच गया। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और वैश्विक बाजारों में जोखिम से बचने की प्रवृत्ति के कारण आज रुपये में गिरावट आई। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने से ब्रेंट क्रूड 100 डॉलर के स्तर को पार कर गया। एफआईआई की बिकवाली ने भी रुपये पर दबाव डाला। हालांकि, कमजोर डॉलर के कारण रुपये ने शुरुआती नुकसान की कुछ भरपाई की। इससे पहले मंगलवार को अमेरिकी सेना ने अपने युद्धपोत पर हुए हमलों के जवाब में ईरान के पांच तेल टैंकर को निशाना बनाया। इसके बाद ईरान ने जॉर्डन में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाया। घरेलू शेयर बाजार में सेंसेक्स 813.35 अंक गिरकर 74,764.23 अंक पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 203.60 अंक फिसलकर 23,431.50 अंक पर आ गया।

पेट्रोलियम कंपनियों को पेट्रोल पर पांच व डीजल पर 23 रुपये प्रति लीटर नुकसान

नयी दिल्ली। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंचने से सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों को पेट्रोल की बिक्री पर करीब पांच रुपये और डीजल पर 23 रुपये प्रति लीटर का नुकसान हो रहा है।

विश्लेषकों ने बुधवार को यह जानकारी दी। कच्चे तेल की कीमत जुलाई के बाद अपने सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई है। इससे पहले 23 जुलाई को इसकी कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर थी। अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड की कीमत 2.5 प्रतिशत बढ़कर 100 डॉलर प्रति बैरल से अधिक हो गई है, जबकि अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट कच्चा तेल करीब दो प्रतिशत बढ़कर 95 डॉलर प्रति बैरल के आसपास आ गया। यह तेजी अमेरिका और ईरान के बीच हालिया तनाव तथा एक-दूसरे के खिलाफ की गई सैन्य कार्वाई के बाद आई है। दुनिया के तीसरे सबसे बड़े तेल आयातक और उपभोक्ता देश भारत पर अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का सीधा असर पड़ता है। कच्चे तेल की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी से देश का डॉलर में होने वाला आयात खर्च बढ़ता है, जिससे व्यापार घाटे और रुपये पर दबाव पड़ सकता है।

सोने की कीमतों में लगातार तीसरे दिन गिरावट

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में बुधवार को कम मांग के कारण सोने की कीमतों में लगातार तीसरे सत्र में गिरावट आई और यह 100 रुपये टूटकर।,58,000 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत पिछले सत्र में।,58,100 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी।

अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, हालांकि, चांदी ने इस रुख के उलट प्रदर्शन किया और लगातार दूसरे सत्र में अपनी बढ़त जारी रखी। यह मंगलवार के 2,41,100 रुपये प्रति किलोग्राम के बंद स्तर से 2,300 रुपये बढ़कर 2,43,400 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर सहित) हो गई। सोने की कीमत एक सीमित दायरे में रही है क्योंकि निवेशक इस सप्ताह के आखिर में आने वाले महत्वपूर्ण अमेरिकी महंगाई आंकड़ों से पहले सतर्क रुख अपना रहे हैं। उन्होंने कहा कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच लगातार महंगाई को लेकर चिंताएं फिर से बढ़ा दी हैं। गांधी ने कहा, ऊर्जा की अधिक लागत महंगाई के दबाव को बढ़ा सकती है और इस संभावना को मजबूत कर सकती है कि ब्याज दरें ऊंची बनी रह सकती हैं, जिससे सर्राफा में बढ़त सीमित हो सकती है। वैश्विक बाजार में, हाजिर सोना 43.67 डॉलर या एक प्रतिशत बढ़कर 4,399.22 डॉलर प्रति औंस हो गया, जबकि चांदी लगभग एक प्रतिशत बढ़कर 66.25 डॉलर प्रति औंस हो गई। हालिया गिरावट के बाद हाजिर सोने में सुधार हुआ क्योंकि कारोबारी दीर्घावधिक ऋण पुनर्खरीद कार्यक्रम पर अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट की घोषणा का इंतजार कर रहे थे। बाजार का ध्यान अब पूरी तरह से इस सप्ताह के आखिर में आने वाले अमेरिकी पीपीआई और सीपीआई आंकड़ों पर है, जो यह तय करने में महत्वपूर्ण होगा कि क्या महंगाई का दबाव सितंबर में फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरें बढ़ाने को सही ठहराता है।

जवाबदेही के साथ नवोन्मेष और मजबूती का संतुलन बनाये रखें

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर रोहित जैन ने बुधवार को कहा कि नीतियों में नवोन्मेष के लिए पर्याप्त अवसर होना चाहिए, लेकिन इसके साथ जवाबदेही और वित्तीय व्यवस्था की मजबूती भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने यहां वैश्विक फिनटेक सम्मेलन में कहा कि नीति का उद्देश्य ऐसी परिस्थितियां तैयार करना होना चाहिए, जिनमें उपयोगी नवोन्मेष जिम्मेदारी के साथ विकसित हो सके।

इसके लिए ऐसे स्पष्ट नियम जरूरी हैं, जहां जोखिमों को समझा जा चुका हो, वहीं उभरते जोखिमों के मामले में प्रयोग के लिए पर्याप्त गुंजाइश हो और प्रौद्योगिकी तथा उसके उपयोग में बदलाव के साथ नियमों में भी बदलाव किया जा सके। अच्छी नीति को नवोन्मेष को बढ़ने का अवसर देना चाहिए और साथ ही जवाबदेही तथा मजबूती भी बढ़नी चाहिए। उन्होंने कहा कि नीतियां जमीनी स्तर पर हो रहे बदलावों से भी जुड़ी होनी चाहिए। तेजी से बदलते माहौल में नियामक केवल रिटर्न और निगरानी से जुड़ी जानकारी के आधार पर उभरती प्रौद्योगिकियों को पूरी तरह नहीं समझ सकते। वित्तीय संस्थानों, वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियों और प्रौद्योगिकी सेवा प्रदाताओं के साथ नियमित बातचीत से नए उपयोगों और उभरती चिंताओं की जल्द पहचान करने में मदद मिलती है।

कच्चा तेल 100 डॉलर प्रति बैरल के पार

न्यूयॉर्क। पश्चिम एशिया में तेल संयंत्रों और टैंकर पर हमलों के बाद कच्चे तेल की कीमत करीब छह सप्ताह में पहली बार 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई है।

इन हमलों से पहले से कमजोर आपूर्ति श्रृंखला के और प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई है। अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट कच्चे तेल का सबसे अधिक कारोबार वाला वायदा अनुबंध मंगलवार को 97.89 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ था। इसकी कीमत बुधवार को शुरुआती कारोबार में कुछ समय के लिए 100 डॉलर प्रति बैरल के पार हो गई। कच्चे तेल की कीमत बढ़ने से पेट्रोल, डीजल और विमान ईंधन के दाम भी बढ़ सकते हैं। इससे यात्रा की लागत बढ़ने के साथ-साथ ताजा खाद्य पदार्थों और फर्नीचर तथा घरेलू उपकरणों जैसी लंबी दूरी तक भेजी जाने वाली वस्तुओं की कीमतों पर भी असर पड़ सकता है। बाजार में यह प्रतिक्रिया उस समय आई जब अमेरिकी सेना ने बताया कि उसने अपने नौसैनिक युद्धपोत पर हुए मिसाइल हमले की कोशिश के जवाब में ईरान के पांच तेल टैंकर को निशाना बनाया। इसके अलावा, ईरान समर्थित हूती विद्रोही समूह के हमलों से सऊदी अरब में तेल संयंत्रों में आग लग गई।

टिकाऊ वृद्धि के लिए सेवा निर्यात में विविधता लाने की जरूरत

मुंबई। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने बुधवार को कहा कि टिकाऊ वृद्धि हासिल करने के लिए भारतीय उद्योग को सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) तथा आईटी आधारित सेवाओं एवं पेशेवर सेवाओं के दो प्रमुख क्षेत्रों से आगे बढ़कर अपने सेवा निर्यात में विविधता लाने की जरूरत है। ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2026 में एक सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वैश्विक वित्तीय सेवा क्षेत्र बढ़ रहा है और इसका आकार करीब 670 अरब अमेरिकी डॉलर है, लेकिन इसमें भारत की हिस्सेदारी केवल आठ अरब डॉलर है, जो वैश्विक व्यापार का एक प्रतिशत से कुछ ही अधिक है। यहां वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) कंपनियां बदलाव ला सकती हैं... आठ अरब अमेरिकी डॉलर में से 95 प्रतिशत डिजिटल तरीके से प्रदान की जाने वाली वित्तीय सेवाएं हैं। ये ऐसी सेवाएं हैं जिन्हें अपने देश में बैठे हुए सीमा पार उपलब्ध कराया जाता है। यह संभवतः भारत की ताकत है और इसी क्षेत्र में हम आगे बढ़ रहे हैं।

अब समय आ गया है कि प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल के जरिये हमें इसमें विविधता लानी चाहिए। उन्होंने कहा कि देश का सेवा निर्यात अच्छी वृद्धि दर्ज कर रहा है। वित्त वर्ष 2025-26 में कुल 863 अरब अमेरिकी डॉलर के निर्यात में सेवा क्षेत्र का योगदान 421 अरब डॉलर रहा था। सचिव ने बताया कि देश के सेवा निर्यात की वृद्धि की कहानी में प्रमुख चुनौतियों में से एक यह रही है कि यह दो प्रमुख क्षेत्रों यानी आईटी व आईटी आधारित सेवाओं तथा पेशेवर सेवाओं पर अधिक केंद्रित है। आईटी या आईटी संबद्ध सेवाओं का भारत के कुल निर्यात में करीब 50 प्रतिशत हिस्सा है, जबकि पेशेवर सेवाओं की हिस्सेदारी 30 प्रतिशत है। फिलहाल हमारे सेवा निर्यात की बुनियाद इन दो क्षेत्रों पर टिकी है, लेकिन अगर हमें वृद्धि करनी है और लंबे समय तक सतत या टिकाऊवृद्धि हासिल करनी है तो इसमें विविधता लानी होगी। उन्होंने कहा कि भारत में दुनिया को विभिन्न प्रकार की सेवाएं उपलब्ध कराने की क्षमता है।

वाणिज्य सचिव ने लेनदेन की लागत और धन भेजने की लागत को कम करने के तरीकों पर विचार करने का भी सुझाव दिया।

253 ग्राम से 201 ग्राम तक: दुनिया के सबसे हल्के फोल्डेबल में है इंजीनियरिंग

नई दिल्ली। साल 2019 में 276 ग्राम वजन वाला पहला गैलेक्सी फोल्ड पेश करने के बाद से सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने फोल्डेबल स्मार्टफोन की संभावनाओं का दायरा लगातार बढ़ाया है। जैसे-जैसे ये तकनीकें आगे बढ़ीं, सैमसंग ने एक और चुनौती पर ध्यान दिया। बड़ी स्क्रीन वाले फोल्डेबल को रोजमर्रा में साथ ले चलना और आसान कैसे बने, वह भी उन अनुभवों को खोए बिना जो इस फॉर्म फैक्टर को अलग बनाते हैं। इसी कोशिश में गैलेक्सी जेड फोल्ड5 का वजन 253 ग्राम रहा और गैलेक्सी जेड फोल्ड6 में यह घटकर 239 ग्राम हो गया। गैलेक्सी जेड फोल्ड7 के साथ लक्ष्य और ऊंचा हो गया। क्या कोई फोल्डेबल किसी बार-टाइप फ्लैगशिप स्मार्टफोन से भी हल्का हो सकता है? उस समय सैमसंग के फ्लैगशिप बार-टाइप स्मार्टफोन्स में शामिल Galaxy S25 Ultra का वजन 218 ग्राम था। डेवलपमेंट टीम ने गैलेक्सी जेड फोल्ड7 के लिए इससे भी कम वजन का लक्ष्य रखा, 215 ग्राम। गैलेक्सी जेड फोल्ड7 ने 215 ग्राम पर यह लक्ष्य पूरा किया।

पेज एक का शेष

श्रीलंका के

समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए भी संयुक्त रूप से काम करते रहेंगे। यह 38 वर्षों में पहली बार है जब कोई भारतीय रक्षा मंत्री श्रीलंका की यात्रा पर गया है। सिंह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आज कोलंबो में श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके के साथ गर्मजोशी भरी और बेहद सार्थक बैठक हुई। उन्होंने कहा मैंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से उन्हें शुभकामनाएं दीं और उनकी सरकार के सफलतापूर्वक दो वर्ष पूरे होने पर बधाई दी। बयान के अनुसार, दिसानायके ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ हुई अपनी मुलाकातों को याद किया और दोहराया कि श्रीलंका, भारत के सुरक्षा हितों के प्रतिकूल किसी भी गतिविधि के लिए अपने क्षेत्र का इस्तेमाल कभी नहीं होने देगा। श्रीलंका के राष्ट्रपति ने चक्रवात दितवाह के दौरान ऑपरेशन सागर बंधु के तहत भारत द्वारा दी गई राहत सहायता और पुनर्निर्माण एवं पुनर्वास कार्यों को सुगम बनाने के लिए नयी दिल्ली द्वारा दिए गए व्यापक पुनर्वास पैकेज के लिए भी आभार व्यक्त किया। बयान के अनुसार, सिंह ने कहा कि श्रीलंका के सबसे करीबी मित्र और पड़ोसी के रूप में भारत सहायता को कोई एहसान नहीं, बल्कि संकट के समय सबसे पहले मदद के लिए आगे आने वाले देश के रूप में अपनी जिम्मेदारी मानता है और भविष्य में भी ऐसा करता रहेगा।

एनआईए की

दिल्ली-एनसीआर में कथित बैठकें होने और सदस्यों को प्रशिक्षण देने की बात भी जांच में सामने आई है। जांच एजेंसी ने रसायनों और प्रयोगशाला के उपकरण बरामद होने का भी दावा किया है। विस्फोट के बाद मिले सामान की फॉरेंसिक जांच में टीएटीपी और अमोनियम नाइट्रेट के निशान मिलने की बात चार्जशीट में कही गई है। एनआईए के मुताबिक, 10 नवंबर 2025 को लाल किले के पास शाम करीब 6 बजकर 50 मिनट पर जिस कार में विस्फोट हुआ, उसे कथित तौर पर वाहन आधारित विस्फोटक उपकरण में बदला गया था। जांच एजेंसी का आरोप है कि नबी और एक सह-आरोपी ने साजिश के तहत सेकंड हैंड कार खरीदी थी। विस्फोट के समय नबी उसी वाहन में मौजूद था। जांच के दौरान घटनास्थल से मिले जैविक नमूनों की डीएनए जांच से उसकी पहचान की पुष्टि होने का दावा किया गया है। फॉरेंसिक जांच में घटनास्थल से मिले सामान पर टीएटीपी और अमोनियम नाइट्रेट के अवशेष भी पाए गए। एनआईए के अनुसार, फॉरेंसिक सबूतों से संकेत मिला कि वाहन में लगाए गए विस्फोटक को अंदर से एक कमांड तंत्र के जरिए सक्रिय किया गया था।

बेटियों को

और कोई परिवार अवसर के अभाव में विकास से दूर नहीं रहेगा। बेटी की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वाले अपराधियों के लिए जेल या जहन्नुम के अलावा कोई तीसरा रास्ता नहीं है। हमारी सरकार माफिया के सामने नहीं झुकती। महिलाओं की सुरक्षा पर कोई समझौता नहीं हो सकता। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला सुरक्षा को मजबूत करने के लिए पुलिस बल में महिलाओं की भागीदारी तेजी से बढ़ाई गई है। 2017 में करीब 10 हजार महिला पुलिसकर्मी थीं। आज यह संख्या 44 हजार हो गई है और नई भर्ती के बाद यह 50 हजार से अधिक हो जाएगी। मिशन शक्ति केंद्र स्थापित किए गए हैं। महिला बीट पुलिस अधिकारियों की तैनाती और इंटीग्रेटेड महिला बीट सिस्टम लागू किया गया है। 1090 और 181 जैसी व्यवस्थाओं को महिलाओं की सुरक्षा से जोड़ा गया है। पीएसी में तीन महिला बटालियन भी स्थापित हो रही हैं। इन्हें वीरांगना अवंती बाई लोधी, वीरांगना ऊदा देवी पासी और वीरांगना झलकारी बाई के नाम से जाना जाएगा। सीएम योगी ने कहा कि बेटी-बहन के लिए रास्ते का अर्थ केवल सड़क नहीं है। स्कूल, अस्पताल, बाजार या कार्यस्थल तक पहुंचने के रास्ते उनके सपनों की मंजिल तक जाने के मार्ग हैं। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में पिछले साढ़े नौ वर्षों में प्रदेश में हाईवे से एयरपोर्ट और रेलवे से मेट्रो तक कनेक्टिविटी का व्यापक विस्तार हुआ है। पूर्वांचल, बुंदेलखंड, गंगा और गोरखपुर लिंक जैसी एक्सप्रेसवे परियोजनाओं ने आवागमन को आसान बनाया है। बेहतर कनेक्टिविटी से स्कूल-कॉलेज, बाजार, रोजगार और कार्यस्थल की दूरी कम होती है।

2017 से पहले

रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को गर्भवती एवं धात्री महिलाओं, बच्चों, किशोरियों तथा उनके परिवारों के पोषण, स्वास्थ्य, देखभाल को समर्पित 9वें राष्ट्रीय पोषण माह (9 सितंबर से 8 अक्टूबर, 2026) का वाराणसी में शुभारंभ किया। सीएम ने कार्यक्रम स्थल पर लगी प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इसके साथ ही उन्होंने नन्हें बच्चों को गोद में लेकर दुलारा और उनका अन्नप्राशन कराया। सीएम योगी ने इस मौके पर यूपी समेत देश विभिन्न राज्यों से आई आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों से संवाद किया और आंगनवाड़ी केंद्रों पर आधारित लघु फिल्म भी देखी। मुख्यमंत्री ने शासन की आदर्श व्यवस्था की शाश्वत अवधारणा को रामराज्य से जोड़ते हुए गोस्वामी तुलसीदास की पंक्तियों ह्यनहिं दरिद्र कोउ दुखी न दीना। नहिं कोउ अबुध न लच्छन हीना।ह्ल का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इसका आशय ऐसी व्यवस्था से है, जहां कोई गरीब, दुखी, दीन-हीन या कमजोर न हो और हर व्यक्ति स्वस्थ एवं समर्थ समाज के निर्माण में योगदान दे सके। इसी सोच के साथ केंद्र और प्रदेश सरकार मातृ एवं शिशु पोषण, महिलाओं के स्वास्थ्य, प्रारंभिक शिक्षा और आंगनवाड़ी व्यवस्था को मजबूत करने में जुटी है। सीएम ने कहा कि सक्षम विद्यार्थी आगे चलकर कुशल युवा बनेगा और यही कुशल युवा आत्मनिर्भर भारत की आधारशिला रखेगा। वही भारत को नेतृत्व देगा और विकसित भारत के संकल्पों को आगे बढ़ाएगा। इसलिए बच्चों के शुरूआती वर्षों में पोषण, स्वास्थ्य और शिक्षा पर निवेश देश के भविष्य में निवेश है। प्रधानमंत्री मोदी जी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में वर्ष 2001 से जिन योजनाओं और विजन को जमीन पर उतारा, वही मॉडल आज देश के अलग-अलग हिस्सों में दिखाई दे रहा है। उत्तर प्रदेश भी इसी दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। सीएम योगी ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में आंगनवाड़ी केंद्रों की स्थिति बेहद खराब थी। बड़ी संख्या में केंद्र जर्जर अवस्था में थे। बच्चों के लिए पेयजल, शौचालय और हॉट मील जैसी मूलभूत सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं थीं। पोषाहार की आपूर्ति भी नियमित नहीं थी। सरकार बनने के बाद जब आंगनवाड़ी केंद्रों की समीक्षा की गई तो पोषाहार आपूर्ति व्यवस्था में भी गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। उस समय पोषाहार की आपूर्ति से जुड़ी व्यवस्था में एक शराब माफिया से जुड़े व्यक्ति के शामिल होने की जानकारी सामने आई थी। इसे देखते तत्काल इसकी गुणवत्ता की जांच के आदेश दिए गए और आपूर्ति व्यवस्था में बदलाव किया गया। पिछले साढ़े नौ वर्षों में 70 हजार से अधिक आंगनवाड़ी केंद्रों को नया स्वरूप दिया गया। नए मॉडल आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों के अनुकूल आधुनिक सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। एक केंद्र के निर्माण एवं रिनोवेशन पर करीब 30 लाख रुपये तक खर्च किए जा रहे हैं। बाउंड्रीवॉल, बच्चों के लिए शौचालय, शुद्ध पेयजल, पोषण वाटिका और एलईडी स्क्रीन जैसी सुविधाओं को प्राथमिकता दी जा रही है।

उच्चतम न्यायालय ने

वापस ले लिया गया। उन्होंने कहा कि प्रथम दृष्टया अधिकारी अदालत की अवमानना के दोषी हैं और बाद में नोटिस वापस ले लेने से उन्हें अवमानना की जिम्मेदारी से मुक्त नहीं किया जा सकता। इस पर सीजेआई ने कहा, आप बिल्कुल सही कह रहे हैं। हमारे युवाओं के खिलाफ कार्वाई करने का कोई सवाल ही नहीं है। हमने स्पष्ट आदेश पारित किया है। उन्होंने कहा, हमें हैरानी है कि मजिस्ट्रेट नोटिस कैसे जारी कर सकती हैं, जबकि हमने पहले ही किसी भी छात्र के खिलाफ दंडात्मक कार्वाई नहीं करने का आदेश दिया है। यह बिल्कुल स्पष्ट आदेश था।

प्रधान न्यायाधीश ने वरिष्ठ वकील से मामले के तथ्यों को रिकॉर्ड पर रखने को कहा। उन्होंने कहा, हम स्पष्टीकरण मांगेंगे। वह बताएं कि ऐसा क्यों किया गया। पीठ में न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना भी शामिल थे।

केन्द्रीय मंत्रिमंडल

टाइगर रिजर्व, खुटाघाट बांध, मल्हार पुरातात्विक स्थल और रतनपुर महामाया मंदिर जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों तक रेल संपर्क बेहतर होगा।

बिहार में

स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं।डुमरिया घाट में गंडक, बलतरा और कुरसेला में कोसी, खगड़िया में बूढ़ी गंडक, दीघा, गांधी घाट, हाथीदह, भागलपुर, कहलगांव और मुंगेर में गंगा, श्रीपालपुर में पुनपुन, बेनीबाद में बागमती तथा दरौली और गंगपुर सिसवन में घाघरा नदियों का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर है।बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए राज्य के विभिन्न जिलों में 723 सामुदायिक रसोई संचालित की जा रही हैं। इसके अलावा 15 राहत शिविरों में 13,446 विस्थापित लोगों के ठहरने, भोजन, चिकित्सा और अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की गई है।बुलेटिन के अनुसार अब तक 1.94 लाख पॉलीथिन शीट और लगभग 29,400 सूखा राशन पैकेट वितरित किए जा चुके हैं। निकासी और आवागमन के लिए।,979 नौकाएं लगाई गई हैं तथा 5,178 क्विंटल पशु चारा भी वितरित किया गया है।प्रमुख बैराजों से जल निकासी की स्थिति पर विभाग ने बताया कि बुधवार सुबह 10 बजे गंडक बैराज से 86,000 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा था और प्रवृत्ति स्थिर थी। इस वर्ष इसका अधिकतम प्रवाह 14 जुलाई को 2.24 लाख क्यूसेक दर्ज किया गया था। कोसी बैराज से।,48,200 क्यूसेक पानी का प्रवाह दर्ज किया गया, जबकि इंद्रपुरी बैराज (सोन नदी) से 80,785 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा था और वहां जल प्रवाह बढ़ने की प्रवृत्ति बनी हुई है। इस वर्ष इंद्रपुरी बैराज से सर्वाधिक 5,63,654 क्यूसेक पानी दो सितंबर को छोड़ा गया था।राहत एवं बचाव कार्यों के लिए राज्य के विभिन्न जिलों में राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की 27 तथा राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की 10 टीमों को तैनात किया गया है।

उन्नाव में

केवल कागजों पर दर्ज नहीं हो रही हैं, बल्कि उन्हें तेजी से जमीन पर उतारने का काम किया जा रहा है। उन्नाव में क्राउन की परियोजना इसका उदाहरण है। क्राउन का निवेश प्रदेश के पैकेजिंग और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र के लिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पेय पदार्थ उद्योग की बढ़ती पैकेजिंग जरूरतों को पूरा करने के साथ प्लांट के आसपास सप्लाई चेन, एमएसएमई, वेयरहाउसिंग और परिवहन से जुड़ी गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। क्राउन पैकेजिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का गठन मार्च 2026 में हुआ है। यह क्राउन होल्डिंग्स की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है और इसका पंजीकृत कार्यालय लखनऊ में है।

बुंदेलखंड में

उत्पादकता जैसे मानकों पर तकनीकों के परिणामों का भी मूल्यांकन किया जाएगा। परियोजना के तहत 72 प्रैक्टिकल ट्रेनिंग सेशन आयोजित किए जाएंगे। प्रत्येक सत्र में करीब 100 किसान शामिल होंगे। इस तरह करीब 7,200 किसान प्रशिक्षण से जुड़ सकेंगे। प्रशिक्षण में वाटर बजटिंग, फर्टिगेशन, क्रॉप प्लानिंग, सिंचाई संचालन और कृषि मशीनरी के इस्तेमाल की जानकारी दी जाएगी। गंगावली में तैयार हो रहे मॉडल को सफल होने पर बड़ागांव विकासखंड के पाहुज नहर के डाउनस्ट्रीम स्थित 24 अन्य गांवों तक ले जाने की तैयारी है। इसका उद्देश्य गंगावली में उपयोगी साबित होने वाली तकनीकों को बड़े क्षेत्र में लागू करना है।

दलीप ट्रॉफी : पूर्व क्षेत्र खिताब के करीब

दक्षिण क्षेत्र के कप्तान तिलक वर्मा ने 99 रन की पारी खेली लेकिन पूर्व क्षेत्र ने दूसरी पारी में अपने कप्तान इशान किशन के 80 रन

एजेंसी

चेन्नई। दक्षिण क्षेत्र के कप्तान तिलक वर्मा ने 99 रन की पारी खेली लेकिन पूर्व क्षेत्र ने दूसरी पारी में अपने कप्तान इशान किशन के 80 रन की बदौलत बुधवार को यहां दलीप ट्रॉफी फाइनल के चौथे दिन खिताब लगभग तय कर लिया। तिलक की 211 गेंद में 99 रन की पारी के बावजूद दक्षिण क्षेत्र की टीम पूर्व क्षेत्र के पहली पारी के 708 रन के जवाब में 336 रन पर सिमट गई। पूर्व क्षेत्र ने इस तरह 372 रन की बढ़त हासिल की। पूर्व क्षेत्र ने दक्षिण क्षेत्र को फॉलोआन नहीं देकर दूसरी पारी में स्वयं खेलने का फैसला किया और पांच विकेट पर 212 रन बनाकर अपनी कुल बढ़त को 584 रन तक पहुंचाया। दिन का खेल खत्म होने पर कुमार कुशाग्र 34 जबकि कोनेन कुरैशी 26 रन बनाकर खेल रहे थे। दोनों छठे विकेट के लिए 52 रन की अटूट साझेदारी कर चुके हैं।

कल मैच का आखिरी दिन है और पहली पारी में विशाल बढ़त की बदौलत पूर्व क्षेत्र का खिताब जीतना लगभग तय हो गया है। पहली पारी में 270 रन बनाने वाले किशन अपनी 98 गेंद की पारी के दौरान पूरी तरह से सहज दिखे। उन्होंने पारी की शुरुआत ऑफ स्पिनर त्रिपुराना विजय पर मिड विकेट के ऊपर से छक्का लगाकर की। उन्होंने 26वें ओवर में विजय की लगातार गेंदों पर दो चौके और दो छक्के भी मारे। इससे कुछ ही क्षण पहले डीआरएस ने किशन को बचा लिया था। उन्होंने शिखर मोहन (52) के साथ तीसरे विकेट के लिए 146 रन की साझेदारी की। मैदानी अंपायर रोहन पंडित ने लेग स्पिनर श्रेयस गोपाल की अपील पर किशन को पगबाधा आउट दिया लेकिन डीआरएस लेने पर उन्हें फैसला बदलना पड़ा। चाय के बाद किशन अपनी लय बरकरार नहीं रख सके और जल्द ही आउट हो गए। उन्होंने तेज गेंदबाज एमडी निधीश की गेंद पर देवदत्त पडिक्कल को कैच थमाया। इससे चेपक में मौजूद दर्शक किशन का एक और शतक नहीं देख सके। उन्हें वैभव

सूर्यवंशी के जल्दी आउट होने से भी निराशा हुई। छह रन के निजी स्कोर पर विजय की पगबाधा की अपील से डीआरएस के जरिए बचने वाले सूर्यवंशी बड़ी पारी नहीं खेल सके। उन्हें इसी गेंदबाज की गेंद पर नारायण जगदीशन ने स्टंप कर दिया।

अब मेरा लक्ष्य अफगानिस्तान सीरीज जीतना है, अपने खेल में बदलाव करना होगा : तिलक

चेन्नई। मौजूदा दलीप ट्रॉफी भले ही दक्षिण क्षेत्र के कप्तान तिलक वर्मा के लिए उम्मीद के मुताबिक नहीं रही हो लेकिन भारत के टी20 अंतरराष्ट्रीय उपकप्तान ने अब अपने लिए नया लक्ष्य तय कर लिया है जो तीन मैच की आगामी टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में अफगानिस्तान को हराना है। पूर्व क्षेत्र ने यहां घरेलू सत्र के शुरुआती टूर्नामेंट में लगभग जीत पक्की करते हुए कुल 584 रन की बढ़त हासिल कर ली है। हालांकि तिलक ने शानदार बल्लेबाजी की। दलीप ट्रॉफी फाइनल के चौथे दिन के खेल के बाद तिलक ने कहा, हां, व्यक्तिगत तौर पर मेरी फॉर्म काफी अच्छी रही है। लेकिन साथ ही यह अलग प्रारूप (अफगानिस्तान के खिलाफ) है। इसलिए मुझे फिर से अपना खेल बदलना होगा। मैं इसे लेकर काफी आश्वस्त हूं। उन्होंने कहा, अब मेरा लक्ष्य अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज जीतना है इसलिए मैं उसी आत्मविश्वास के साथ जाऊंगा और देखते हैं कि चीजें कैसी रहती हैं। भारत 13 सितंबर को नयी दिल्ली में पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के साथ अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज का आगाज करेगा। एक महीने से अधिक समय तक लाल गेंद से क्रिकेट खेलने के बाद सफेद गेंद के प्रारूप में बदलाव कितना चुनौतीपूर्ण होगा इस पर तिलक ने कहा, मैं यह नहीं कहूंगा कि यह इतना आसान है लेकिन हमारे पास अभ्यास के लिए कुछ दिन हैं। हमने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट दोनों में लाल गेंद से सफेद गेंद के प्रारूप में बदलाव किया है इसलिए यह भी वैसा ही है। उन्होंने कहा, मैं पहले भी रणजी ट्रॉफी खेल चुका हूं और उसके बाद अंतरराष्ट्रीय सफेद गेंद की सीरीज में गया। मैं उसके मुताबिक ढल गया था।

सबालेंका और पेगुला भी सेमीफाइनल में

न्यूयॉक। बेन शेल्टन ने पांच सेट तक चले मैराथन मुकाबले में मौजूदा चैंपियन कार्लोस अल्काराज़ को हराकर अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के सेमीफाइनल में जगह बनाई जबकि महिला वर्ग में एरिना सबालेंका और जेसिका पेगुला अंतिम चार में पहुंचने में सफल रही। शेल्टन ने अल्काराज़ को चार घंटे 28 मिनट तक चले मैच में 6-7 (5), 6-1, 6-3, 1-6, 7-6 (10-7) से हराया। यह मैच सुबह तीन बजकर 33 मिनट पर समाप्त हुआ और इस तरह से यह अमेरिकी ओपन में सबसे देर तक चला मैच बन गया है। सेमीफाइनल में शेल्टन का मुकाबला 11वीं वरीयता प्राप्त फ्रांसिस टियाफो से होगा, जिन्होंने एलेक्स मिशेलसन को 5-7, 3-6, 7-5, 6-3, 7-6 (10-6) से हराया। टियाफो ने तीसरी बार इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

शेल्टन और टियाफो के सेमीफाइनल में आमने-सामने होने से यह सुनिश्चित हो गया है कि अमेरिका का एक पुरुष खिलाड़ी फाइनल में पहुंचेगा। एंडी रॉडिक के 2003 में खिताब जीतने के बाद अमेरिका का कोई भी पुरुष खिलाड़ी ग्रैंड स्लैम खिताब नहीं जीत पाया है। इससे पहले अमेरिकी ओपन में सबसे देर तक चले मुकाबले में भी अल्काराज़ शामिल थे। उन्होंने 2022 के क्वार्टर फाइनल में यानिक सिनर को हराया था और फिर 19 साल की उम्र में अपना

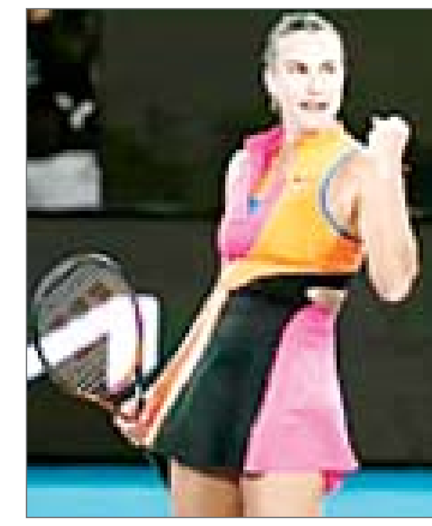

पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीता था। यह मैच सुबह दो बजकर 50 मिनट पर समाप्त हुआ था। शेल्टन ने तीसरी बार किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई। इससे पहले वह 2023 में अमेरिकी ओपन और 2025 ऑस्ट्रेलियाई ओपन के अंतिम चार में पहुंचे थे। शेल्टन ने दूसरे सेट की शुरुआत से ही लगातार नौ गेम जीतकर मैच पर अपना नियंत्रण बना दिया। दाहिनी कलाई की चोट के कारण अप्रैल के बाद अपने पहले टूर्नामेंट में खेल रहे अल्काराज़ ने चौथा सेट जीतकर वापसी की। वह थोड़ा अस्वस्थ लग रहे थे क्योंकि उन्होंने अंतिम सेट शुरू होने से पहले उल्टी की।

इससे पहले सबालेंका को जब लग रहा था कि अमेरिकी ओपन में लगातार तीसरा खिताब और महिला वर्ग में नंबर एक रैंकिंग बनाए रखने का उनका सपना टूट रहा है तब उन्होंने साबित किया कि वह आखिर तक हार मानने वाली नहीं हैं। सबालेंका ने मंगलवार को रोमांचक मुकाबले में विंबलडन चैंपियन लिंडा नोस्कोवा को 7-6 (1), 3-6, 7-6 (10-7) से हराकर अमेरिकी ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश किया जहां उनका सामना जेसिका पेगुला से होगा। सबालेंका ने मैच के बाद कहा, क्या जबरदस्त मुकाबला था। वह क्या शानदार खिलाड़ी है। एक समय तो मुझे लगा कि सब कुछ खत्म हो गया है। इससे मुझे थोड़ा सहज होने और ध्यान केंद्रित करने में मदद मिली। सबालेंका के लिए नंबर एक की रैंकिंग बरकरार रखने के लिए इस मैच में जीत जरूरी थी। उन्हें अब पेगुला की कड़ी चुनौती का सामना करना होगा।

आईओए ने असुंता लाकड़ा के यौन उत्पीड़न के आरोप की जांच के लिए समिति गठित की

नयी दिल्ली। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने महिला टीम की पूर्व कप्तान असुंता लाकड़ा द्वारा हॉकी इंडिया के सचिव भोला नाथ सिंह पर यौन उत्पीड़न के मामले में परेशान करने और डराने धमकाने के आरोपों की जांच के लिए उच्च न्यायालय की सेवानिवृत न्यायाधीश दीपा शर्मा की अध्यक्षता में चार सदस्यीय स्वतंत्र जांच समिति का गठन किया है। खेल मंत्रालय के निर्देश के बाद गठित इस पैनल में पूर्व ट्रैक एवं फील्ड एथलीट वंदना राव, महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान ममता खरब और वकील सितवत नबी सदस्य के रूप में शामिल हैं। हॉकी इंडिया के कार्यकारी बोर्ड की सदस्य लाकड़ा ने झारखंड में स्थानीय कोच सुधीर गोल्ला द्वारा लड़कियों के कथित यौन उत्पीड़न पर आपत्ति जताने के बाद सिंह पर धमकी देने और परेशान करने का आरोप लगाया था। हॉकी इंडिया को समिति के मानदेय, यात्रा, आवास और अन्य आकस्मिक खर्चों से संबंधित सभी आवश्यक भुगतान मुहैया कराने का भी निर्देश दिया गया है।

संक्षेप

अजितेश ने चेन्नई ओपन गोल्फ में दो शॉट की बढ़त

चेन्नई। अजितेष संधू ने बुधवार को यहां दूसरे दौर में छह अंडर 66 के स्कोर के साथ चेन्नई ओपन गोल्फ टूर्नामेंट में दो शॉट की बढ़त बना ली। चंडीगढ़ के 37 साल के संधू का कुल स्कोर 13 अंडर 131 है। दिन की शुरुआत संयुक्त रूप से बढ़त के साथ करने वाले संधू ने दूसरे दौर में आठ बर्डी की लेकिन दो बोगी भी कर गए जिससे उनका स्कोर छह अंडर रहा। संधू ने पहले दौर के बाद संयुक्त रूप से शीर्ष पर चल रहे चेक गणराज्य के स्टेपन दानेक पर दो शॉट की बढ़त बना ली है। दानेक ने छह बर्डी और दो बोगी से चार अंडर 68 का स्कोर बनाया। वह कुल 11 अंडर के स्कोर से दूसरे स्थान पर हैं। दिल्ली के राशिद खान (68) 10 अंडर 134 के कुल स्कोर के साथ तीसरे पायदान पर हैं।

श्रीलंका क्रिकेट को अनुमानित दो करोड़ डॉलर के राजस्व का नुकसान

कोलंबो। श्रीलंका क्रिकेट को अगले साल की शुरूआती आईसीसी महिला चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी अधिकार गंवाने के बाद लगभग दो करोड़ अमेरिकी डॉलर (लगभग 188 करोड़ रुपये) के राजस्व का नुकसान हो सकता है। इस टूर्नामेंट का आयोजन मूल रूप से श्रीलंका में कराया जाना था लेकिन अब इसे भारत में 14 से 28 फरवरी 2027 तक कराया जाएगा जिसके मैच मुंबई और वडोदरा में खेले जाएंगे। श्रीलंका क्रिकेट की परिवर्तन (ट्रांसफोरमेशन) समिति के सचिव प्रकाश शाफटर ने पत्रकारों से कहा, हमें निश्चित रूप से मेजबानी शुल्क मिलेगा। मुझे लगता है कि यह करीब 20 लाख डॉलर के करीब होगा। साथ ही श्रीलंका क्रिकेट को स्टेडियम और अन्य आयोजन स्थलों को तैयार करने तथा सुविधाओं को बेहतर बनाने का खर्च भी उठाना पड़ेगा।

राष्ट्रीय शिविर के साथ एशियाई खेलों की तैयारी शुरू की

कोलकाता। भारतीय सीनियर महिला रग्बी सेवन्स टीम ने आगामी एशियाई खेलों के लिए अपनी तैयारी शुरू कर दी है और कोच टेरेंस जोसफ ने कहा कि राष्ट्रीय शिविर में मुख्य ध्यान मैच के दौरान रणनीति को सही तरीके से लागू करने और निरंतरता बनाए रखने पर रहेगा। यह शिविर कोलकाता स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण के नेताजी सुभाष ईस्टर्न सेंटर में आयोजित किया जा रहा है जो प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं से पहले भारतीय रग्बी टीम का घरेलू प्रशिक्षण स्थल रहा है।

इंग्लैंड के खिलाफ पाक 133 रन पर ऑलआउट

एजेंसी

बर्मिंघम। इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट में पाकिस्तान 133 रन पर ऑलआउट हो गया। उसके सिर्फ 3 बल्लेबाज ही दहाई का आंकड़ा छू सके। बर्मिंघम के एजबेस्टन में सऊद शकील ने सबसे ज्यादा 43 रन की पारी

- 3 बल्लेबाज ही दहाई का आंकड़ा छू सके बाबर 7 रन पर बोल्ड; टंग को 4 विकेट

खेली। मोहम्मद अब्बास ने 21 रन बनाए। इंग्लैंड के लिए जोश टंग ने 4 विकेट लिए। ओली रॉबिन्सन और जोफ्रा आर्चर को 3-3 विकेट मिले। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी और पाकिस्तान को शुरूआत से ही दबाव में डाल दिया। ओली रॉबिन्सन ने सईम अयूब को 10 गेंदों में

बिना खाता खोले छइह किया। यह रॉबिन्सन के टेस्ट करियर का 100वां विकेट भी रहा।

अजान अवैस 9 रन बनाकर जोफ्रा आर्चर की गेंद पर जोश टंग को कैच दे बैठे। इसके बाद रॉबिन्सन ने अब्दुल्ला शफीक को 3 रन पर स्लिप में डैन लॉरेंस के हाथों कैच कराया। आर्चर ने अगले ओवर में कप्तान शान मसूद को 5 रन पर आउट कर दिया। पाकिस्तान ने शुरूआती 9 ओवर में ही 3 विकेट गंवा दिए थे। कप्तान बाबर आजम भी पारी को संभाल नहीं सके। वह 18 गेंदों में 7 रन बनाकर जोश टंग की गेंद पर बोल्ड हुए।

टंग की गेंद अंदर की ओर आई और बाबर उसकी लेंथ को सही तरीके से नहीं पढ़ सके। गेंद उनके बल्ले के नीचे से निकलकर ऑफ स्टंप पर जा लगी। उनके आउट होने के समय पाकिस्तान का स्कोर 48 रन पर 5 विकेट था। बाबर के आउट होने के साथ पाकिस्तान के टॉप-5 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा छूए बिना पवेलियन लौट गए। इन पांचों ने मिलकर सिर्फ 24 रन बनाए।

माया की हार के साथ जूनियर अमेरिकी ओपन में भारत की एकल चुनौती समाप्त

एजेंसी

न्यूयॉर्क। माया राजेश्वरन रेवती के दूसरे दौर में अरिना मालिजिना से तीन सेट में मिली हार के साथ जूनियर अमेरिकी ओपन में भारतीय चुनौती लगभग समाप्त हो गई। 15वीं वरीयता प्राप्त माया को मंगलवार को रूस की प्रतिद्वंद्वी से दो घंटे 16 मिनट में 3-6, 7-5, 5-7 से हार का सामना करना पड़ा।

माया जूनियर ग्रैंडस्लैम में लगातार दो जीत दर्ज नहीं कर पाई हैं, वह फ्रेंच ओपन में भी दूसरे दौर में बाहर हो गई थीं। वहीं ऑस्ट्रेलियाई ओपन और विम्बलडन में उनका सफर पहले दौर में ही समाप्त हो गया था। लड़कों के युगल वर्ग के पहले दौर में अर्णव पापारकर और थाईलैंड के उनके जोड़ीदार कुनानान पंतारातोर्ण को महज 58 मिनट में कजाखस्तान के दामिर झालगास्बे और अमेरिका के साफिर आजम से 4-6, 2-6 से हार मिली।

पापारकर को लड़कों के एकल वर्ग के पहले दौर में भी शिकस्त मिली। माया को हालांकि बालिका युगल वर्ग में मुकाबला खेलना है जिसमें उन्होंने यूक्रेन की एंटोनिना सुशकोवा के साथ जोड़ी बनाई है। उनका सामना चेक गणराज्य की जाना कोवाकोवा और कैटरीना जाजीकोवा की पांचवीं वरीय जोड़ी से होगा। वहीं ऑस्ट्रेलियाई ओपन और विम्बलडन में उनका सफर पहले दौर में ही समाप्त हो गया था।

विनेश की याचिका पर अदालत ने डब्ल्यूएफआई से पूछा रुख

नयी दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने पहलवान विनेश फोगाट की उस याचिका पर भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) का रूख जानना चाहा है जिसमें विनेश ने सीनियर विश्व चैम्पियनशिप 2026 के लिये महिला वर्ग के चयन ट्रायल में भाग लेने की इजाजत मांगी है। न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा ने डब्ल्यूएफआई के वकील से इस मामले पर निर्देश लेकर आने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई बृहस्पतिवार को होगी। फोगाट ने एक लंबित याचिका में अपनी याचिका के जरिये डब्ल्यूएफआई के सात सितंबर के उस सर्कुलर के अमल और लागू होने पर रोक लगाने की भी मांग की जिसमें चयन ट्रायल के लिए योज्ञता के नियम तय किए गए थे। ये ट्रायल 14 सितंबर को यहां इंदिरा गांधी स्टेडियम में होने हैं।

सेमीफाइनल में बांग्लादेश पर भारत का पलड़ा भारी

एजेंसी

दुबई। सात बार की चैम्पियन भारतीय टीम बांग्लादेश के खिलाफ महिला एशिया कप के पहले सेमीफाइनल में उतरेगी तो कड़ी मैदानी प्रतिद्वंद्विता और दोनों देशों के बीच राजनयिक तनाव की पृष्ठभूमि में होने वाले इस मुकाबले में हरमनप्रीत कौर की टीम का पलड़ा भारी रहेगा।

बांग्लादेश में राजनीतिक बदलाव के बाद भारत और बांग्लादेश के राजनयिक संबंध तनावपूर्ण रहे हैं। दोनों देशों के बीच तनाव का असर अतीत में अक्सर क्रिकेट के मैदान पर भी देखने को मिला है और यह इस मैच में भी देखा जा सकता है। मौजूदा राजनीतिक तनाव के कारण भारतीय पुरूष टीम का बांग्लादेश दौरा कई बार स्थगित हो

चुका है। जहां तक क्रिकेट का सवाल है तो भारतीय टीम पूरे टूर्नामेंट में शानदार फॉर्म में रही है और सारे मैच जीतकर ग्रुप ए में शीर्ष स्थान हासिल किया। ग्रुप चरण में भारत ने पारंपरिक प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 55 रन पर समेटकर सात विकेट से जीत हासिल की। भारतीय बल्लेबाजी काफी मजबूत रही है और स्मृति मंधाना ने हांगकांग के खिलाफ 64 गेंद में 124 रन बनाकर फिर साबित कर दिया कि उन्हें आधुनिक दौर के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में क्यो गिना जाता है। महिला टी20 क्रिकेट में सबसे तेजी से 3000 रन पूरे करने वाली विस्फोटक बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने टीम को अच्छी शुरूआत देकर पावरप्ले में विरोधी टीमों को दबाव में रखा है। मध्यक्रम में कप्तान हरमनप्रीत और विकेटकीपर बल्लेबाज रिचा घोष ने आखिरी ओवरों में अच्छे रन बनाये हैं। गेंदबाजी में भारत के पास विविधता और गहराई है। दीप्ति शर्मा महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज बन गई हैं। उन्होंने राधा यादव और श्री चरणी के साथ मिलकर हर मैच में स्पिन का जाल बखूबी बुना है।

बीसीसीआई, प्रदेश क्रिकेट संघ राष्ट्रीय खेल अधिनियम के तहत क्यों नहीं : कोर्ट

एजेंसी

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (बीसीसीआई) और प्रदेश क्रिकेट संघों से पूछा है कि वे राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम 2025 के दायरे में क्यो नहीं आ सकते। मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और वी मोहना ने मंगलवार को बीसीसीआई के मामले में कुछ क्रिकेट ईकाइयों द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान यह बात कही। पीठ ने बीसीसीआई और प्रदेश संघों के वकीलों से यह भी कहा कि वे इस बारे में निर्देश लें कि उनके पदाधिकारियों की सेवा की शर्तें 2025 के उस अधिनियम के तहत क्यो नहीं आनी चाहिये जो अब लागू हो चुका है।

न्यायालय 2014 में दायर बीसीसीआई से जुड़ी एक याचिका पर सुनवाई कर रहा है और समय समय पर इस मामले में कई आवेदन दाखिल हो चुके हैं। इससे पहले न्यायालय ने सुधार के उपाय सुझाने के लिए पूर्व सीजेआई जस्टिस आर एम लोढ़ा की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया था।

समिति को दी गई जिम्मेदारियों में बीसीसीआई के लिए संविधान तैयार करना भी शामिल था। न्यायालय ने बीसीसीआई के ढांचे, संगठन और कामकाज में सुधार से जुड़ी समिति की अनुशंसाओं को स्वीकार कर लिया था। न्यायालय ने सितंबर 2022 में बीसीसीआई के संविधान में बदलाव की मंजूरी दी थी और कहा था।

खिलाड़ी होने से कैंसर से लड़ने में मदद मिली : सकलेन

लाहौर। पाकिस्तान के शीर्ष हॉकी खिलाड़ियों में शामिल रहे मुहम्मद सकलेन ने बुधवार को खुलासा किया कि वह कैंसर से जूझ रहे थे और उनके खेल से जुड़े अनुभव ने इस जानलेवा बीमारी से लड़ने में उनकी काफी मदद की। अड़तालिस वर्षीय सकलेन को आठ महीने पहले स्टेज-4 बी ओरल कैंसर (मुंह के कैंसर) का पता चला था। उन्होंने कहा, यह मेरे लिए बहुत बड़ा झटका था क्योंकि जब आप एक खिलाड़ी होते हैं तो आपको विश्वास ही नहीं होता कि आपको कोई गंभीर और जानलेवा बीमारी हो सकती है।

राष्ट्रीय निशानेबाजी चैम्पियनशिप में सबसे युवा भारतीय बनी नायरा

नयी दिल्ली। दस वर्ष और तीन महीने की नायरा शर्मा राष्ट्रीय निशानेबाजी चैम्पियनशिप के लिये क्वालीफाई करने वाली सबसे युवा भारतीय बन गई। दिल्ली की नायरा ने हाल ही में भोपाल में अखिल भारतीय अंतर स्कूल निशानेबाजी चैम्पियनशिप में दस मीटर एयर राइफल में 400 में से 363 अंक हासिल किये। वह दिल्ली की टॉपगन निशानेबाजी अकादमी में ट्रेनिंग करती है।

भारत न्यूजीलैंड दौरा : दर्शकों में जबरदस्त उत्साह

एजेंसी

ऑकलैंड। भारतीय टीम के इस साल अक्टूबर में होने वाले न्यूजीलैंड दौरे के लिए दर्शकों में जबरदस्त उत्साह है और न्यूजीलैंड क्रिकेट ने कहा कि तीनों प्रारूप में होने वाली इस श्रृंखला के लिए अब तक 50000 से अधिक टिकट बिक चुके हैं।

भारत छह साल के अंतराल के बाद न्यूजीलैंड का दौरा करेगा, जहां वह पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय, पांच वनडे और दो टेस्ट मैच खेलेगा। न्यूजीलैंड क्रिकेट की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस श्रृंखला के आम जनता के लिए टिकटों की बिक्री सोमवार को शुरू हो गई। और कई मैचों के सभी टिकट बिकने की पूरी संभावना है, जिसमें क्राइस्टचर्च में खेले जाने वाला

- अब तक बिक चुके हैं 50000 से अधिक टिकट

दूसरा टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच भी शामिल है, जिसके 75 प्रतिशत टिकट बिक चुके हैं।

इसमें आगे कहा गया है, ईडन पार्क में टिकटों की अत्यधिक मांग के कारण स्टेडियम की छठी पंक्ति की सीटों को 2019 में भारत के न्यूजीलैंड दौरे के बाद पहली बार खोलना पड़ रहा है। भारत के खिलाफ 30 अक्टूबर को होने वाले चौथे टी20 मैच के लिए यह सीटें दर्शकों के लिए उपलब्ध रहेंगी। न्यूजीलैंड क्रिकेट के मार्केटिंग प्रमुख टिम एलिस ने कहा कि भारतीय दौरे के लिए दर्शकों में जबरदस्त उत्साह बना हुआ है।

एलिस ने कहा, कई वर्षों बाद पहली बार ईडन पार्क के शीर्ष तल को खोलना वास्तव में रोमांचक है। इससे इस दौरे को लेकर उत्साह का पता चलता है।

भारत 35 महीने से आईसीसी वनडे रैंकिंग में टॉप पर

एजेंसी

नयी दिल्ली । भारतीय टीम ने आईसीसी वनडे टीम रैंकिंग में नंबर-1 की पोजिशन बरकरार रखी है। ताजा रैंकिंग में उसके 116 रेटिंग पॉइंट्स हैं। न्यूजीलैंड 109 रेटिंग के साथ दूसरे और ऑस्ट्रेलिया 102 रेटिंग के साथ तीसरे नंबर पर है। भारतीय टीम सितंबर 2023 में पाकिस्तान को पीछे छोड़कर

- सितंबर 2023 में पाकिस्तान को पीछे छोड़ा न्यूजीलैंड दूसरे स्थान पर

वनडे रैंकिंग में टॉप पर पहुंची थी। टीम तब से यानी पिछले 35 महीने 18 दिन से टॉप पर बरकरार है। भारतीय क्रिकेट टीम जनवरी 2013 में एमएस. धोनी की कप्तानी में पहली बार कउउ वनडे रैंकिंग में नंबर-1 टीम बनी थी।

भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की घरेलू वनडे सीरीज 3-2 से जीतकर यह ऐतिहासिक मुकाम हासिल किया था। भारत ने 2013 में इंग्लैंड को 3-2 से हराया था। इसके साथ ही भारत पहली बार आईसीसी वनडे रैंकिंग में नंबर-1 बना था। साउथ अफ्रीका मौजूदा रैंकिंग में 102 रेटिंग पॉइंट्स के साथ चौथे स्थान पर है। पाकिस्तान 100 रेटिंग के साथ पांचवें और श्रीलंका 96

रेटिंग के साथ छठे नंबर पर है। इंग्लैंड 93 रेटिंग के साथ सातवें और अफगानिस्तान 92 रेटिंग के साथ आठवें स्थान पर है। बांग्लादेश नौवें और वेस्टइंडीज 10वें स्थान पर है। आईसीसी बल्लेबाजों की वनडे रैंकिंग में टॉप-10 में कोई बदलाव नहीं है। भारतीय कप्तान शुभमन गिल 801 रेटिंग पॉइंट्स के साथ टॉप पर बरकरार हैं। विराट कोहली (767 रेटिंग) तीसरे और रोहित शर्मा (758 रेटिंग) चौथे स्थान पर हैं। वहीं टी-20 रैंकिंग में भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन पहले स्थान पर बरकरार हैं। अभिषेक शर्मा (तीसरे स्थान) और तिलक वर्मा (सातवें स्थान) टॉप-10 में शामिल भारतीय हैं। टॉप-10 में सिर्फ एक बदलाव हुआ है। इंग्लैंड के फिल साल्ट ने साउथ अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस को पीछे छोड़ चौथा स्थान हासिल किया है।

आईसीसी की टीम रैंकिंग में टीम के मैचों के नतीजों के साथ उसके प्रदर्शन की निरंतरता को भी ध्यान में रखा जाता है। हर टीम की रेटिंग उसके प्रदर्शन और संबंधित मैचों के रेटिंग-वेट के आधार पर तय होती है। इसलिए केवल पॉइंट्स की संख्या से रैंक तय नहीं होती, बल्कि पॉइंट्स और मैचों के आधार पर बनी रेटिंग महत्वपूर्ण होती है। बीसीसीआई ने भारत की घरेलू क्रिकेट के लिए कैम्पा, रइक लाइफ और चैटजीपीटी के साथ दो सीजन का करार किया है। इन तीनों करारों की कुल कीमत 130 करोड़ रुपए से ज्यादा है। तीनों कंपनियां भारत की घरेलू क्रिकेट की एसोसिएट पार्टनर होंगी। भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की घरेलू वनडे सीरीज 3-2 से जीतकर यह ऐतिहासिक मुकाम हासिल किया था। भारत ने 2013 में इंग्लैंड को 3-2 से हराया था।

अरुणाचल प्रदेश भारत की एकता का अभिन्न हिस्सा

ईटानगर। उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने बुधवार को कहा कि अरुणाचल प्रदेश भारत की एकता का अभिन्न हिस्सा है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की एक्ट ईस्ट नीति से मिली गति के कारण पूर्वोत्तर क्षेत्र देश के विकास का प्रमुख इंजन बनकर उभर रहा है।

यहां अरुणाचल प्रदेश विधानसभा के विशेष सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह राज्य भारत की सीमाओं का एक गौरवशाली प्रहरी है और इसका विकास देश की प्रगति से गहराई से जुड़ा हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि अरुणाचल प्रदेश सांस्कृतिक रूप से समृद्ध राज्य है और इसमें असीम संभावनाएं हैं। राधाकृष्णन ने कहा कि केंद्र सरकारों ने समय-समय पर पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास को लगातार अधिक प्राथमिकता दी है। उन्होंने याद दिलाया कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय का गठन किया था। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की एक्ट ईस्ट नीति और पूर्वोत्तर के आठ राज्यों को अष्ट लक्ष्मी बताना इस क्षेत्र की अपार संभावनाओं को दर्शाता है। पूर्वोत्तर क्षेत्र देश की विकास यात्रा में एक अहम चालक के रूप में उभर रहा है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि इस वर्ष के केंद्रीय बजट में पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय के लिए 6,800 करोड़ रुपये से अधिक का

आवंटन किया गया है, जो पूर्वोत्तर क्षेत्र पर केंद्र सरकार के निरंतर ध्यान को दर्शाता है। अरुणाचल प्रदेश के विकास पर प्रकाश डालते हुए राधाकृष्णन ने कहा कि राज्य का करीब 79 प्रतिशत हिस्सा वन क्षेत्र है। राज्य समृद्ध जैव विविधता, जंगलों, नदियों और पारिस्थितिक संसाधनों से संपन्न है, जो देश की पर्यावरणीय सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन से निपटने की क्षमता के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा, अरुणाचल प्रदेश भारत के भविष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह राज्य भारत की एकता का अभिन्न हिस्सा है। अरुणाचल प्रदेश का विकास भारत की प्रगति से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि अरुणाचल प्रदेश देश में कीवी फल का सबसे बड़ा उत्पादक बनकर उभरा है और किसानों को एक लाख से अधिक मृदा स्वास्थ्य कार्ड जारी किए जा चुके हैं। उन्होंने राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ एक मजबूत अरुणाचल प्रदेश और मजबूत भारत के निर्माण के लिए सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया। मंगलवार शाम दो दिवसीय दौरे पर इस राज्य में पहुंचे राधाकृष्णन ने कहा कि पिछले एक दशक में अरुणाचल प्रदेश में ग्रामीण सड़कों की कनेक्टिविटी करीब 4,000 किलोमीटर से बढ़कर 14,000 किलोमीटर से अधिक हो गई है, जबकि राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई करीब 1,000 किलोमीटर से बढ़कर 2,500 किलोमीटर से अधिक हो गई है। उन्होंने कहा कि राज्य की प्रति व्यक्ति आय दोगुने से अधिक हो गई है, जबकि सड़क निर्माण की रफ्तार बढ़कर करीब 1,800 किलोमीटर प्रति वर्ष हो गई है। उन्होंने कहा कि इस अवधि के दौरान 800 से अधिक स्कूलों का उन्नयन किया गया है और सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों का नामांकन बढ़कर 1.7 लाख से अधिक हो गया है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि राज्य में महिला सशक्तीकरण की दिशा में भी उल्लेखनीय प्रयास किए गए हैं। उन्होंने बताया कि करीब 16,000 स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से 1.5 लाख से अधिक महिलाओं को लाभ मिला है। राज्य में अब करीब 16,000 लखपति दीदियां हैं और उम्मीद जताई कि भविष्य में वे करोड़पति बनेंगी। राधाकृष्णन ने विभिन्न क्षेत्रों में हुई प्रगति के लिए मुख्यमंत्री पेमा खांडू, उनके मंत्रिपरिषद के सदस्यों, विधायकों और अरुणाचल प्रदेश की जनता को बधाई दी।

दुर्भावनापूर्ण तरीके से एआई क्षमता हासिल करने के अमेरिकी दावों पर चीन का पलटवार

बैंकॉक। चीन ने बुधवार को अमेरिका के उन दावों पर पलटवार किया जिनमें कहा गया था कि चीनी कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) निर्माता अमेरिका की एआई प्रणालियों से क्षमताएं हासिल करने के लिए बड़े स्तर पर आक्रामक और दुर्भावनापूर्ण कोशिशें कर रहे हैं।

एफबीआई, नेशनल सिक्योरिटी एजेंसी और साइबर सिक्योरिटी एंड इंफ्रास्ट्रक्चर सिक्योरिटी एजेंसी ने मंगलवार को एक संयुक्त साइबर सुरक्षा परामर्श जारी किया। इसमें कहा गया कि चीनी एआई निर्माताओं ने कम से कम 2024 के आखिर से अमेरिका के आधुनिक एआई मॉडल- जैसे एंथ्रोपिक के क्लाउड, ओपनएआई के जीपीटी, गूगल के जेमिनी और स्पेसएक्स एआई के ग्रोक से क्षमताएं हासिल की हैं। परामर्श में चीन की कंपनियों डीपसीक, अलीबाबा, मूनशॉट एआई और जेडएआई का नाम लिया गया और कहा गया कि ये गतिविधियां संभवतः चीनी सरकार की जानकारी में की गईं। बीजिंग में, विदेश मंत्रालय ने अमेरिका

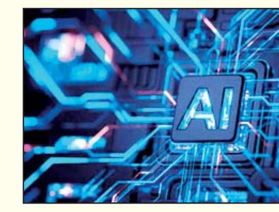

से कहा कि वह चीन पर बेबुनियाद आरोप लगाने या उसे बदनाम करने से बचे। मंत्रालय ने कहा कि चीन और अमेरिका दोनों ही एआई के क्षेत्र में बड़ी ताकतें हैं और उन्हें आपसी सहयोग मजबूत करना चाहिए। चीन का एआई विकास उच्च-स्तरीय तकनीकी आत्मनिर्भरता और ताकत का नतीजा है। हमारा मानना है कि सभी पक्षों को ऐसे एआई विकास को बढ़ावा देने के लिए सहयोग मजबूत करना चाहिए जो खुला, समावेशी, सबके लिए फायदेमंद और आम भलाई पर केंद्रित हो। उम्मीद है कि इस महीने के आखिर में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच होने वाली बातचीत में एआई गवर्नेंस का मुद्दा भी उठेगा। अमेरिकी परामर्श में कहा गया कि चीनी एआई कंपनियां अनधिकृत पहुंच पाने के लिए कई रास्तों से डिस्टिलेशन अनुरोध भेजती हैं, जिससे अमेरिकी एआई कंपनियों की इस्तेमाल की शर्तों का उल्लंघन होता है। चीन स्थित एआई कंपनियां बड़े पैमाने पर आक्रामक, दुर्भावना वाली और लक्षित डिस्टिलेशन गतिविधियों में शामिल हैं, जिनसे अमेरिकी आधुनिक एआई मॉडल की प्रतिबंधित और विशिष्ट कार्यक्षमताएं और दक्षताएं हासिल की जाती हैं।

संक्षेप

घरेलू बाजार में चीनी सस्ती हुई

नयी दिल्ली। भारतीय चीनी एवं जैव-ऊर्जा विनिर्माता संघ (इस्मा) के अध्यक्ष नीरज शिरगांवकर ने बुधवार को कहा कि घरेलू बाजार में चीनी की कीमतों में नरमी आने के बावजूद इसका आयात करना अभी भी फायदेमंद है। उनका यह बयान वैश्विक स्तर पर चीनी की कीमतों में हाल में आई तेजी के बीच आया है। भारत ने पिछले महीने त्योहारी मौसम से पहले घरेलू आपूर्ति बढ़ाने और खुदरा कीमतों को काबू में रखने के लिए 10 लाख टन चीनी के शुल्क-मुक्त आयात की अनुमति दी थी। घरेलू कीमतों में गिरावट के बावजूद आयात अभी भी फायदेमंद है। उन्होंने बताया कि दो सप्ताह पहले चीनी की मिल स्तर वाली कीमतें 65-67 रुपये प्रति किलोग्राम के उच्च स्तर पर थीं, जो अब घटकर 43-44 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई हैं। उन्होंने कहा कि खुदरा कीमतों पर इसका असर दिखने में अभी एक-दो सप्ताह और लगेंगे। कीमतों को नियंत्रित करने के लिए उठाए गए कदमों के तहत सरकार ने पिछले महीने 10 लाख टन चीनी के शुल्क-मुक्त आयात की अनुमति दी थी। सूत्रों के मुताबिक, मिलों ने अब तक तय मात्रा में से आठ लाख टन चीनी के आयात के लिए आवेदन किया है। हालांकि, आपूर्ति में कमी और भारत की ओर से खरीद शुरू होने के कारण वैश्विक कीमतों में तेजी आने से मिलों को इन आयातों की लाभप्रदता को लेकर चिंता होने लगी है।

शिवराज आज करेंगे बीज विधेयक के मसौदे पर किसानों से बात

नयी दिल्ली। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान बृहस्पतिवार को नकली और घटिया बीजों की बिक्री की समस्या से निपटने के लिए प्रस्तावित बीज कानून पर प्रमुख किसान संगठनों के साथ उच्च-स्तरीय बातचीत करेंगे।

कृषि भवन में होने वाली इस बातचीत का मकसद प्रस्तावित कानून को अंतिम रूप देने से पहले किसानों के जमीनी अनुभवों, सुझावों और चिंताओं को इसमें शामिल करना है। बीज विधेयक, 2025 का मसौदा भारत के बीज कानूनों को मौजूदा कृषि जरूरतों के हिसाब से ढालने के लिए बीज अधिनियम, 1966 और बीज (नियंत्रण) आदेश, 1983 की जगह लेने का प्रयास करता है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, बैठक में भारतीय किसान संघ, भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) के विभिन्न गुट, ऑल इंडिया किसान कोऑर्डिनेशन कमेटी, किसान महापंचायत, भारतीय कृषक समाज, गांव किसान उन्नयन और सोसायटी फॉर इंडिपेंडेंट फार्मर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर उचित समय पर होंगे हस्ताक्षर

मुंबई। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने बुधवार को कहा कि भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौता लगभग अंतिम रूप ले चुका है और कुछ मुद्दों पर दोनों पक्षों के बीच बातचीत जारी है। उन्होंने कहा कि समझौते पर उचित समय पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। किसी भी व्यापार समझौते में दोनों देशों को एक-दूसरे के बाजार में कुछ विशेष रियायतें देना जरूरी होता है।

अग्रवाल ने कहा कि वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल कई बार स्पष्ट कर चुके हैं कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौता लगभग अंतिम रूप ले चुका है। दोनों पक्ष कुछ मुद्दों पर अभी बातचीत कर रहे हैं और उचित समय पर समझौते पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यापार समझौते में दोनों देशों को एक-दूसरे के बाजार में कुछ विशेष रियायत के साथ प्रवेश देना जरूरी होता है। अग्रवाल ने कहा, भारत की ओर से यह करना आसान है, क्योंकि वह सर्वाधिक तरजीही राष्ट्र के आधार पर शुल्क लगाता है। अमेरिका की शुल्क व्यवस्था अलग है। वहां कार्यकारी फैसलों

के आधार पर शुल्क लगाए जा रहे हैं। इसलिए अमेरिका ऐसी व्यवस्था तैयार कर रहा है, जिससे दोनों देशों के शुल्क में अंतर पैदा हो और भारत को विशेष बाजार पहुंच मिल सके। उचित समय आने पर दोनों देश समझौते पर हस्ताक्षर कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार भी बढ़ रहा है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने हाल में कहा था कि अमेरिका द्वारा भारत को उसके प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में बेहतर शुल्क शर्तें देने के बाद ही द्विपक्षीय व्यापार समझौते का ब्योरा घोषित किया जाएगा। अमेरिका को भारत का वस्तु निर्यात अप्रैल-जुलाई 2026-27 के दौरान तीन प्रतिशत बढ़कर 34.5 अरब डॉलर हो गया, जबकि आयात 22.42 प्रतिशत बढ़कर 22.12 अरब डॉलर रहा। भारत और अमेरिका ने फरवरी में समझौते के पहले चरण की रूपरेखा को अंतिम रूप देने की घोषणा की थी। हालांकि, अमेरिका की शुल्क व्यवस्था में बदलाव के बाद दोनों देशों के बीच इस समझौते को लेकर आगे बातचीत शुरू हुई। गोयल सितंबर के अंत में अमेरिका जाएंगे। वह मिलवॉकी में होने वाली जी-20 व्यापार मंत्रियों की बैठक में शामिल होंगे और अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमीसन ग्रीर के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। इस दौरान व्यापार समझौते से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा होने की संभावना है। अग्रवाल ने यह भी कहा कि भारत और चिली के बीच व्यापार समझौते को लेकर बातचीत अंतिम चरण में है। कुछ मुद्दों पर दोनों पक्ष फिलहाल सहमति नहीं बना पाए हैं, लेकिन अगले दो-तीन महीनों में समाधान निकलने की उम्मीद है। भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते के बारे में अग्रवाल ने कहा कि भारत और न्यूजीलैंड के बीच व्यापार समझौता अक्टूबर से लागू होने की उम्मीद है। दोनों देशों ने 27 अप्रैल को इस समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।

छठी कक्षा को त्रि-भाषा नीति से इस साल छूट देने पर विचार करे सीबीएसई : न्यायालय

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) से कहा कि वह इस अकादमिक सत्र के लिए छठी कक्षा के छात्रों को अपनी त्रि-भाषा नीति से छूट देने पर विचार करे।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन न्यायाधीशों की पीठ ने सीबीएसई की त्रि-भाषा नीति को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई 17 सितंबर तक टालते हुए बोर्ड से कहा कि वह मौजूदा अकादमिक सत्र में छठी कक्षा के छात्रों को शामिल करने की संभावना पर विचार करे। पीठ में न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना भी शामिल हैं। न्यायालय ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा, इस साल छठी कक्षा पर विचार करें...यदि उन्हें कुछ छूट दी जा सकती है...। मेहता ने अदालत से सुनवाई टालने का अनुरोध किया क्योंकि अतिरिक्त सॉलिसीटर जनरल ऐश्वर्या भाटी उपलब्ध नहीं थीं। फिर भी, उन्होंने भरोसा दिलाया कि संबंधित अधिकारी पीठ के सुझाव पर विचार करेंगे। शीर्ष विधि अधिकारी ने कहा, हम सब मिलकर बैठेंगे और फिर आपको सूचित करेंगे। याचिकाकर्ताओं में से एक के वरिष्ठ वकील ने कहा कि मामले में और देरी नहीं होनी चाहिए क्योंकि छात्रों को आखिरकार परीक्षा देनी है और इससे उनके माता-पिता की चिंता बढ़ रही है। न्यायालय उन याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था जिनमें सीबीएसई की उस नीति को चुनौती दी गई थी, जिसके तहत नौवीं कक्षा के छात्रों के लिए एक जुलाई से तीन भाषाएं पढ़ना अनिवार्य किया गया था।

अच्छा प्रदर्शन कर रही भारतीय अर्थव्यवस्था

नयी दिल्ली। भारतीय अर्थव्यवस्था अच्छा प्रदर्शन कर रही है और जल्द ही अपनी रफ्तार हासिल करते हुए चालू खाते में अधिशेष की स्थिति में लौट आएगी।

भारतीय अर्थव्यवस्था के सामने प्रमुख चुनौती देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में विनिर्माण क्षेत्र की हिस्सेदारी का कम होना है। वित्तीय-प्रौद्योगिकी पर केंद्रित सम्मेलन ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2026 में कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन अच्छा रहा है। मैं इसे बहुत अच्छा कभी नहीं कहूंगा, क्योंकि मैं एक सुधारवादी हूं। देश की अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में अपेक्षा से बेहतर 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। उन्होंने कहा कि भारत जल्द ही चालू खाते में अधिशेष की स्थिति में पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि निवेश के लिए विदेशी पूंजी के साथ घरेलू बचत की भी महत्वपूर्ण भूमिका होनी चाहिए। हम फिर से

अपनी पुरानी स्थिति हासिल करेंगे और मुझे लगता है कि हम जल्द ही चालू खाते में अधिशेष दर्ज करेंगे... हम पहले तीन प्रतिशत के नियम को लेकर चिंतित रहते थे। यदि चालू खाते का घाटा जीडीपी के तीन प्रतिशत से अधिक हो जाता था, तो बहुत बड़ी समस्या खड़ी हो जाती थी। लाहिड़ी ने कहा कि भारत में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफ डी आई) केवल पूंजी उपलब्ध कराने के लिहाज से महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि इससे वैश्विक मूल्य श्रृंखला तक पहुंच, विनिर्माण का पैमाना बढ़ाने और प्रौद्योगिकी हासिल करने में भी मदद मिलती है।

उन्होंने कहा कि भारत में जीडीपी के हालिया आंकड़ों में विनिर्माण क्षेत्र की हिस्सेदारी बढ़ी है, लेकिन हमें अब बहुत अधिक विनिर्माण की जरूरत है। विकसित देशों में विनिर्माण की हिस्सेदारी घटी है, लेकिन ऐसा वहां प्रति व्यक्ति आय के काफी ऊंचे स्तर पर हुआ।

भारत को विनिर्माण क्षेत्र में बड़े पैमाने पर उत्पादन की क्षमता विकसित करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा, डेटा सेंटर, सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के क्षेत्रों में विदेशी कंपनियों का आना और निवेश सकारात्मक है। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का चालू खाते का घाटा 25.2 अरब डॉलर यानी जीडीपी का 0.6 प्रतिशत रहा था।

इंटरटेनमेंट...

फिल्म : 'मिर्जापुर-द मूवी' ने में कमाये 154 करोड़

मुंबई। गुरमीत सिंह के निर्देशन में बनी 'मिजार्पुरः द मूवी' ने पहले सोमवार को देश में 16 करोड़ की नेट कमाई की। इसके साथ फिल्म का 4 दिन में भारत में नेट कलेक्शन 109.75 करोड़ और वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन 154.05 करोड़ हो गया है। महज 4 दिनों में ही ये फिल्म इस साल की 8वीं हाईएस्ट ग्रॉसिंग फिल्म बन चुकी है।

इसने अल्फा और कॉकटेल 2 जैसी फिल्मों को पीछे कर दिया। फिल्म ने पहले सोमवार की कमाई में सलमान खान की 'सुल्तान, 'ब्रह्मास्त्र पार्ट 1 शिवा' और 'द कश्मीर फाइल्स' को पीछे छोड़ दिया है। 'मिजार्पुरः द मूवी' चार दिन में 100 करोड़ क्लब में शामिल हो गई है। फिल्म महज 4 दिनों में 2026 की 8वीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन चुकी है। इसने अल्फा और कॉकटेल-2 जैसी फिल्मों से ज्यादा कमाई कर ली है। मौजूदा कमाई देखकर अनुमान लगाया जा सकता है कि ये जल्द ही अक्षय कुमार की वेलकम टू द जंगल और आवारापन 2 से भी ज्यादा कमाई कर सकती है। सोमवार को 'मिजार्पुर' के 10,570 शोज में 38.8% सीटों पर दर्शक नजर आए। वहीं, भक्ति ड्रामा 'हनुमान अंश' के 7,343 शोज में 36.0% ऑक्यूपेंसी दर्ज की गई। 'हनुमान अंश' ने सोमवार को अपने 32वें दिन ?10 करोड़ कमाए। सैकनिल्क के मुताबिक, 'मिजार्पुरः द मूवी' ने अपने पहले सोमवार यानी रिलीज के चौथे दिन देश में ?16 करोड़ की नेट कमाई की। ओपनिंग डे की तुलना में यह 37.86% की गिरावट है। हालांकि वीकडे के लिहाज से कमाई बेहतरीन हुई है।

आमतौर पर पहले दिन की तुलना में पहले कामकाजी सोमवार को कमाई 40% तक गिरती है। देश में अब तक पहले सोमवार को सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों की लिस्ट में 'मिजार्पुरः द मूवी' 39वें नंबर पर है। हालांकि, इसने रणबीर कपूर की 'ऐ दिल है मुश्किल' की ?15.65 करोड़ की कमाई को पीछे छोड़ा है। फिल्म ने सलमान खान की 'सुल्तान' की ?15.54 करोड़, 'ब्रह्मास्त्र पार्ट 1 शिवा' की ?15.10 करोड़ और विवेक अग्निहोत्री की 'द कश्मीर फाइल्स' की ?15.05 करोड़ की पहले सोमवार की कमाई को भी पछाड़ दिया है।

अल्फा, कॉकटेल-2 पीछे, साल की 8वीं सबसे बड़ी फिल्म बनी, सोमवार की कमाई में सलमान, रणबीर की फिल्में पछाड़ीं

तिग्मांशु धूलिया ने 'धुरंधर' की कहानी पर उठाये सवाल

मुंबई। निर्देशक तिग्मांशु धूलिया ने 'पान सिंह तोमर, 'हासिल' और 'साहेब बीवी और गैंगस्टर' जैसी फिल्में डायरेक्ट की हैं। निर्देशक और अभिनेता तिग्मांशु धूलिया ने मौजूदा हिंदी सिनेमा में कहानी कहने के तरीके पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि कॉरपोरेट कल्चर और एक जैसे फिल्मी टेम्पलेट के कारण फिल्मों में मौलिक कहानियां कम होती जा रही हैं। धूलिया ने यह टिप्पणी हाल ही में एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया की ओर से आयोजित राजेंद्र माथुर मेमोरियल लेक्चर के दौरान की। कार्यक्रम दिल्ली में आयोजित हुआ था। धूलिया ने कमर्शियल मेनस्ट्रीम सिनेमा का उदाहरण देते हुए 'पुष्पा, 'केजीएफ' और 'धुरंधर' का जिक्र किया। उन्होंने कहा, हर फिल्म एक फिक्शनल बायोपिक है।

रणबीर को राम के रूप में स्वीकार नहीं कर सकता

मुंबई। रामानंद सागर के पोते और प्रोड्यूसर-डायरेक्टर शिव सागर ने नितेश तिवारी की आने वाली फिल्म 'रामायण' में रणबीर कपूर को भगवान राम के रोल में लेने पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि 'एनिमल' के बाद वह रणबीर को राम के रूप में स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं। शिव सागर ने न्यूज एजेंसी अठक से नितेश तिवारी की रामायण पर कहा, एक कास्टिंग को छोड़कर मुझे बाकी पूरी कास्टिंग बहुत पसंद है। पर्सनली मैं 'एनिमल' के बाद मैं रणबीर कपूर को राम के रूप में स्वीकार नहीं कर सकता। जब मैं रामजी को देखता हूं, तो मुझे लगता है कि किसी नए चेहरे को लिया जाना चाहिए था। उन्होंने आगे कहा, आप एक बहुत मजबूत सपोर्टिंग कास्ट ले सकते हैं। यश बहुत अच्छे लग रहे हैं और साई पल्लवी भी बहुत अच्छी लग रही हैं। उन दोनों के साथ पिछली भूमिकाओं का इतना बोझ नहीं है। रणबीर के साथ बहुत बोझ है। इसलिए हम आमतौर पर अपने सीरियल्स में नए चेहरे लेते हैं, ताकि उनकी कोई पिछली छवि या इतिहास न हो। उन्होंने शिव सागर ने कहा, 'हो सकता है।

रामानंद सागर के पोते ने रामायण कास्टिंग पर उठाये सवाल, एनिमल कैरेक्टर का बोझ है

प्रलय के सेट से रणवीर सिंह का नया लुक वायरल

मुंबई। रणवीर सिंह की अगली फिल्म 'प्रलय' को लेकर फैंस की एक्साइटमेंट बढ़ गई है। मुंबई में चल रही शूटिंग से रणवीर का पहला लुक सामने आया है। लंबे बालों में नजर आ रहे रणवीर की पीठ पर एक बच्चा भी दिखाई दे रहा है। लुक सामने आते ही सोशल मीडिया पर फैंस ने इसे 'धुरंधर' के उनके किरदार जसकीरत से जोड़ना शुरू कर दिया।

फिल्म में रणवीर के साथ कल्याणी प्रियदर्शन भी नजर आएंगी। 'प्रलय' के सेट से सामने आए वीडियो और तस्वीरों में रणवीर सिंह लंबे बालों वाले लुक में दिखाई दे रहे हैं। उनकी पीठ पर एक बच्चा नजर आ रहा है। हालांकि, फिल्म में उनके किरदार और बच्चे के बीच संबंध को लेकर मेकर्स की ओर से अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। सामने आई झलक ने फिल्म की कहानी को लेकर उत्सुकता बढ़ा दी है। फिल्म 'धुरंधर' में रणवीर सिंह ने हमजा अली मजारी नाम के एक अंडरकवर भारतीय जासूस का किरदार निभाया है। फिल्म में बाद में खुलासा होता है कि उसका असली नाम जसकीरत सिंह रांगी है। रणवीर का लुक सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर फैंस ने उनकी तुलना 'धुरंधर' के किरदार जसकीरत से करनी शुरू कर दी। कई यूजर्स ने कमेंट कर कहा कि 'जसकीरत लौट आया'। लंबे बालों वाला रणवीर का लुक देखकर फिल्म को लेकर चर्चा तेज हो गई है। सामने आए वीडियो में रणवीर सिंह के साथ अभिनेत्री कल्याणी प्रियदर्शन भी नजर आ रही हैं।

लंबे बाल और पीठ पर बच्चा देख फैंस बोले जसकीरत फिर लौट आया, बढ़ा फिल्म का बज

Viraj
आर.एन.आई.नं.-यू.पी.-हिन/2006/18901 विराज प्रकाशन प्रा.लि. हेतु मुद्रक एवं प्रकाशक आर.के. अग्रवाल द्वारा एक्सप्रेस हाऊस, 1/5, विशाल खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ से मुद्रित एवं प्रकाशित। **कार्यकारी सम्पादक : मनोज कुमार बाजपेयी**
(पी.आर.बी.एक्ट के तहत समाचारों के चयन हेतु उत्तरदायी) समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन। फोन कार्यालय : 0522-4059441, 4059442, 4059443 : ई-मेल : voiceoflucknow@gmail.com